स्वतंत्र मत

1000 करोड़ की सौगात देने
बरही-विजयराघवगढ़ आ रहे
"किसान की समृद्धि में ही देश एवं प्रदेश की समृद्धि है"
14 मार्च
बरही - कटनी
मध्य प्रदेश के यशस्वी लोकप्रिय मुख्यमंत्री आदरणीय
डॉ. मोहन यादव जी
कृषि महोत्सव
बरही - कटनी
विधानसभा विजयराघवगढ़ (म.प्र.)
दिनांक : 14 मार्च 2026
दिन, शनिवार
स्वागत वंदन अभिनंदन...
दिनांक
14 मार्च 2026 दिन, शनिवार
समय
दोपहर 1:00 बजे से
स्थान
मेला ग्राउंड - बरही (विजयराघवगढ़ विधानसभा)
प्रधानसेवक संजय सत्येन्द्र पाठक विधायक विजयराघवगढ़ (कटनी)

किसानों को नियमित बिजली उपलब्ध कराने जिले भर में लगाए जा रहे 100 नए ट्रांसफार्मर

ग्रामीण वृत्त अंतर्गत वर्ष 2025-26 के तहत चल रही कार्ययोजना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के जबलपुर ग्रामीण वृत्त अंतर्गत वर्ष 2025-26 की कार्य योजना के तहत विद्युत व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए व्यापक विकास कार्य किए जा रहे हैं। इन कार्यों का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में किसानों तथा उपभोक्ताओं को बेहतर एवं पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराना है। कार्य योजना के अंतर्गत जिले में 3032.39 लाख रुपए की लागत से 100 अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किए जा रहे हैं, जबकि 390 वितरण ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि का कार्य भी प्रगति पर है। इसके साथ ही बिजली आपूर्ति को मजबूत बनाने के लिए 33 केवी की 51.7 किलोमीटर और 11 केवी की 15.6 किलोमीटर नई लाइन का निर्माण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त फीडर सेपरेशन सहित अन्य आवश्यक कार्य भी स्वीकृत किए गए हैं, जिनका निर्माण कार्य जारी है।

इन क्षेत्रों में हो रहे स्थापित

विद्युत अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए 33.11 केवी उपकेंद्रों में स्थापित पावर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि का कार्य भी किया गया है। इसके अंतर्गत बघराजी, फनवानी, अभानाए पोंडा, खिन्नी, नयानगर, रोंसरा और सरोंद उपकेंद्रों में 5 एमवीए क्षमता के ट्रांसफार्मरों को बढ़ाकर 10 एमवीए कर दिया गया है।

वहीं पाटन उपकेंद्र में 8 एमवीए से बढ़ाकर 10 एमवीए क्षमता की गई है। इसके अलावा मोहला और नयानगर उपकेंद्रों में 3.15 एमवीए क्षमता के ट्रांसफार्मरों को बढ़ाकर 5 एमवीए किया गया है। इसके साथ ही खिरहनी और निगवानी उपकेंद्रों में 3.15 एमवीए के 2 नए ट्रांसफार्मर तथा इन्द्राना, गौरहा और बेलखाडू उपकेंद्रों में 5 एमवी, के 3 अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं। इन कार्यों के पूर्ण होने से संबंधित क्षेत्रों में वोल्टेज में सुधार होगा तथा कृषि पंपों को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति उपलब्ध हो सकेगी। मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का लक्ष्य इन विकास कार्यों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता और गुणवत्ता को और बेहतर बनाना है, ताकि किसानों को सिंचाई और अन्य कार्यों में सुविधा मिल सके।

बच्चों के निवाले पर डाला जा रहा था डाका

जबलपुर (स्वतंत्रमत)।

घमापुर क्षेत्र में कुपोषित बच्चों को दिए जाने वाले सरकारी पोषण आहार की कालाबाजारी का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों की सूचना पर गुरुवार रात महिला बाल विकास विभाग और प्रशासन की टीम ने पुलिस के साथ घमापुर स्थित एक दुकान पर छापा मारकर बड़ी मात्रा में पोषण आहार जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार महिला बाल विकास विभाग को सूचना मिली थी कि घमापुर की एक दुकान में रात के समय ट्रक से सामान उतारा जाता है, जबकि दुकान ज्यादातर बंद रहती है। सूचना मिलने पर तहसीलदार और महिला बाल विकास विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दुकान बंद होने के कारण पंचनामा बनाकर ताला तोड़ा गया। अंदर बड़ी मात्रा में शासकीय पोषण आहार की बोरियां रखी मिलीं।

बंद दुकान से 140 बोरी सरकारी पोषण आहार जब्त, कालाबाजारी करने की थी तैयारी

बाहर लगा है निजी डॉक्टर का बोर्ड

जांच के दौरान मौके से करीब 140 बोरी शासकीय पोषण आहार बरामद किया गया। बताया जा रहा है कि यह आहार आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को वितरित किया जाता है। जिस दुकान से आहार बरामद हुआ है, उसके बाहर एक निजी डॉक्टर का बोर्ड लगा है और दुकान घमापुर निवासी दीपक यादव की बताई जा रही है।

टीम ने किया दुकान को सील

प्रशासन ने कालाबाजारी की आशंका के चलते दुकान को सील कर दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। महिला बाल विकास अधिकारी सौरभ सिंह ने बताया कि सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पोषण आहार जब्त किया गया है। इसके संबंध में एफआईआर दर्ज कराई जा रही है और यह भी जांच की जा रही है कि कहीं किसी आंगनबाड़ी कर्मचारी की इसमें मिलीभगत तो नहीं है।

तीन सटोरिये पुलिस के हत्थे चढ़े

क्राईम ब्रांच की घमापुर व पनागर पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। क्राईम ब्रांच की टीम ने घमापुर और पनागर पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन सटोरियों को दबोचा है। जिनके पास से पुलिस ने 14 हजार 630 रुपये की नगदी, दो मोबाईल, सट्टा पट्टी व केलकुलेटर जब्त किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्राईम ब्रांच की टीम ने घमापुर पुलिस के साथ हजारी सिंधी के पीछे चांदमारी रोड पर दबिश दी। जहां से पुलिस ने रोशन प्रजापति उम्र 24 वर्ष निवासी शुक्ला होटल को पकड़ा। जिससे सट्टा-पट्टी एवं नगद 8020 रूपये जब्त किये गये। इसके बाद क्राईम ब्रांच की टीम ने पनागर के रैपुरा में दबिश दी। जहां से पुलिस ने ललित उर्फ दशरथ केवट उम्र 25 वर्ष एवं दिनेश केवट उम्र 38 वर्ष निवासी रैपुरा को सट्टा लिखते हुये रंगे हाथ पकड़ा। ललित केवट के कब्जे से सट्टा पट्टी एवं नगदी 44 सौ रूपये,1 वीवो कम्पनी का मोबाईल तथा दिनेश केवट से 2210 रूपये, कैल्कुलेटर तथा सट्टा पट्टी जब्त की गई। पूछताछ करने पर दोनों ने रैपुरा निवासी मिही लाल जो सट्टा खिलवाता है के कहने पर कुछ दिन से सट्टा लिखना बताया। जिसके एवज में मिहीलाल द्वारा पांच सौ रूपये मजदूरी देता था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सट्टा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए मिहीलाल की तलाश शुरु कर दी है।

नगर पालिका कर्मचारी संघ में नवीन पदाधिकारियों का गठन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर निगम, नगर पालिका कर्मचारी संघ के संविधान की धारा 12 (अ) के अन्तर्गत प्रॉ. संगठन सचिव की अनुशंसा पर मुकेश रजक को जिला सचिव पद पर मनोनीत किया गया है। इसी के साथ जयकांत दुबे को इकाई अध्यक्ष, मनीष तिवारी उपाध्यक्ष, दुर्गेश झारिया सचिव और रमेश मिश्रा को नियुक्त किया गया है। इस मौके पर सभी नवीन पदाधिकारियों को माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया।

मां कर्मा देवी की 1010वीं जयंती पर निकली भव्य शोभा यात्रा

साहू समाज के तत्वावधान में जयंती पर हुए विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

भगवान श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त, साहू समाज की आराध्य भक्त शिरोमणि मांकर्मा देवी की 1010वीं जन्म जयंती पर साहू समाज जबलपुर के तत्वाधान में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, शोभायात्रा का शुभारम्भ मंत्री राकेश सिंह, विधायक लखन घनघोरिया, भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, महापौरजगत बहादुर सिंह अन्नू, कार्यक्रम संयोजक रविकिरण साहू की उपस्थिति में किया गया।

शहर के हृदय स्थल मालवीय चौक में भव्य मंच पर सभी अतिथियों ने माँ कर्मा का पूजन एवं आरती कर शोभायात्रा का शुभारम्भ किया, जो सुपर मार्केट, लार्डगंज, बड़ा फुहारा, सराफा कोतवाली, मिलोनीगंज चौक, हनुमानताल होते हुए बड़ी खेरमाई मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा आज हम सब यहाँ भक्त शिरोमणि माँकर्मा की जयंती के पावन अवसर पर एकत्रित हुए हैं। माता कर्मा केवल साहू समाज की ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए भक्ति, प्रेम और सेवा की मिसाल हैं। कार्यक्रम संयोजक रविकिरण साहू ने कहा माता कर्मा हमारी आराध्य है और माता कर्मा भगवान कृष्ण (जगन्नाथ जी) को अपने हाथों से खिचड़ी बनाकर भोग लगाती थीं। उनका प्रेम इतना गहरा था कि स्वयं भगवान जगन्नाथ को उनके हाथ का बना भोजन पाने के लिए आना पड़ता था। माँ कर्मा का भात, जगत पसारे हाथ-यह कहावत उनकी भक्ति की महानता को दर्शाती है। इस अवसर पर महिला साहू समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष आभा दीपक साहू, कैलाश साहू, प्रदीप साहू, एड अर्जुन साहू, श्रीकांत साहू, रामेश्वर साहू, सुरेन्द्र साहू, वीरेंद्र साहू, विमलेश साहू आदि उपस्थित रहे।

अंतरर्राष्ट्रीय विषय पर विशेषज्ञ देंगे व्याख्यान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, महाकोशल महाविद्यालय के तत्वावधान में दो दिवसीय अंतरर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी भारतीय दर्शन और योग एक शारीरिक और मानसिक अनुशासन आज दिनांक 14 एवं 15 मार्च 2026 को महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजन किया जा रहा है। प्रो. अरुण शुक्ल, समन्वयक, शोध संगोष्ठी ने बताया कि संगोष्ठी में नीदरलेण्ड से डॉ. रितु शर्मा नंनन पाण्डे एवं श्री अनिल धवन, कनाडा से ऑनलाइन माध्यम से जुड़ेगे । प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने बताया कि भारतीय दर्शन और योग एक शारीरिक और मानसिक अनुशासन भारतीय संस्कृति में रचा बसा है। इसमें शोधार्थियों के विचार समाज के लिए उपयोगी सिद्ध होगें । डॉ. ज्योति जुनगरे, संयोजक, शोध संगोष्ठी ने बताया कि उक्त संगोष्ठी में विभिन्न राज्यों से लगभग 300 ऑफलाइन एवं ऑनलाइन पंजीयन हुये है । उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रुप में डॉ. अशोक कडेल, संचालक, हिंदी ग्रंथ एकेडमी, भोपाल ऑनलाइन माध्यम से जुड़ेंगे। प्रसिद्ध योगाचार्य प्रो. भरत तिवारी, डॉ. जयदीप आर्य, महासचिव, योगासन भारत, दिल्ली, डॉ. अनिल करवनडे, नागपुर, डॉ. केशव सिंह गुर्जर, ग्वालियर एवं डॉ. पूनम कौशिक,इंदौर उपस्थित रहेगें ।

गोकलपुर हत्याकांड का सातवां आरोपी चाकू सहित गिरफ्तार

पुराने आरटीओ के पास से पुलिस ने दबोचा

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। रांझी थाना क्षेत्र गोकलपुर में सड़क दुर्घटना से उपजे विवाद में एक युवक की हत्या करने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरा मामला 9 फरवरी को घटित हुआ था, जब सड़क पर बाइक और कार की टक्कर के बाद दो पक्षों में तीखी बहस हुई थी। जिसके बाद विवाद इतना बढ़ा कि हमलावरों ने एकांत साहू नामक युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई थी।

उक्त हत्याकांड के आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी थी। पुलिस जांच के दौरान मुख्य आरोपी कमलेश महुबिया के पुराने आरटीओ कार्यालय के समीप छिपे होने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। तलाशी के दौरान कमलेश के पास से वारदात में प्रयुक्त बाइक और हत्या में इस्तेमाल किया गया खून से सना चाकू बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक साक्ष्य जुटाते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अब तक सात गिरफ्तार, एक फरार- इस जघन्य अपराध में कुल 8 लोगों के शामिल होने की बात सामने आई थी। पुलिस प्रशासन की सक्रियता के चलते अब तक मामले से जुड़े सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि, घटना में शामिल एक अन्य आरोपी छोटू ठाकुर अभी भी फरार चल रहा है। पुलिस की अलग-अलग टीमें छोटू ठाकुर की तलाश में शहर के विभिन्न हिस्सों और उसके संभावित छिपने के ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फरार आरोपी को भी जल्द ही कानून के दायरे में लाया जाएगा। पुलिस इस मामले में प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज कर अन्य तकनीकी साक्ष्यों को भी संकलित कर रही है।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

खितौला थाना क्षेत्र के ग्राम मरहा भाटा दौन में खेत में पाइपलाइन बदलने के दौरान करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने जिसकी जानकारी खेत वाला थाने को दी मौके पर पहुंची पुलिस नेशव का मार्ग कायम कर पीएम के लिए भिजवाते हुए मामले को जांच में लिया है। जानकारी के मुताबिक प्रहलाद केवट पिता सुखलाल केवट उम्र 35 वर्ष निवासी मारा भाटादौन खेत में पाइप बदलने का काम कर रहा था। उसी दौरान उसे जोरदार करंट लगा और वह मूर्छित होकर वहीं गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई हैं।

मप्र हाईकोर्ट ने खारिज की यूट्यूबर की अग्रिम जमानत

ब्राह्मण युवतियों पर बनाया था आपत्तिजनक वीडियो

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रीवा के यूट्यूबर मनीष कुमार पटेल को ब्राह्मण समाज और समाज की युवतियों को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने के मामले में मप्र हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है। जस्टिस रामकुमार चौबे की एकल पीठ ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई करते हुए अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। आरोपी फिलहाल फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है। जानकारी के मुताबिक रीवा जिले के लौर थाना क्षेत्र के ग्राम खुटहा निवासी मनीष कुमार पटेल ने वेलेंटाइन वीक के दौरान एक वीडियो बनाकर उसे यूट्यूब, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर पोस्ट किया था। वीडियो में ब्राह्मण समाज की युवतियों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई थीं। वीडियो वायरल होने के बाद जिले में ब्राह्मण समाज के लोगों में आक्रोश फैल गया और पुलिस से शिकायत की गई।

शिकायत मिलने के बाद सिविल लाइंस थाना में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इधर गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी ने मप्र हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पैनल अधिवक्ता रघुवर प्रजापति और आपत्तिकर्ता की ओर से अधिवक्ता अनिल तिवारी ने पक्ष रखा। राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि आरोपी के खिलाफ पहले से ही चोरी के पांच आपराधिक मामले लंबित हैं, इसलिए उसे अग्रिम जमानत देना उचित नहीं होगा। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जस्टिस रामकुमार चौबे की एकल पीठ ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी।

राहगीरों का ध्यान भटका रहा चौराहे पर लगा विशाल गुब्बारा

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

फोरलेन रोड के किनारे स्थित मुख्य चौराहे पर एक निजी कृषि कंपनी की दुकान के सामने हवा में बंधा विशाल आसमानी गुब्बारा राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। यह गुब्बारा काफी ऊंचाई पर हवा में तैरता रहता है, जिससे गुजरने वाले वाहन चालकों का ध्यान सड़क से हटकर उसकी ओर चला जाता है। स्थानीय बाइक चालकों का कहना है कि कई बार लोग गुब्बारे को देखने के चक्कर में संतुलन खो बैठते हैं और उनकी गाड़ियां लड़खड़ा जाती हैं। कई बार अन्य वाहनों से टकराने की स्थिति भी बन जाती है।

आर्कषण का केंद्र बनेगा ठाकुर ताल, 300 करोड़ की लागत से बनाया जाएगा चिड़ियाघर

मंत्री राकेश सिंह ने किया विविध कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने शुक्रवार को पश्चिम विधानसभा के आठ वार्डों में लगभग 24 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया। इन निर्माण कार्यों में सड़क, नाली, रंगमंच, तालाब सौंदर्यीकरण, टीन शेड, पेवर ब्लॉक, पानी की टंकी आदि शामिल हैं।

मंत्री श्री सिंह ने प्रत्येक वार्ड में सभा कर कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में विकास की गंगा तेजी से बह रही है और इसी क्रम में जबलपुर मे भी लगातार विकास के कार्य हो रहे हैं। उन्होने कहा कि अभी दो सालो में जबलपुर में 3500 करोड़ रूपये के कार्यों को स्वीकृत किया गया है। पश्चिम विधानसभा में भी तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता ने चुनाव में जिस भावना से खुल कर आशीर्वाद दिया और उसी अनुरूप विकास के कार्य हो रहे हैं। चुनाव के दौरान जिन विकास कार्यो का आश्वासन दिया गया थाए उन्हें तो पूरा कर ही रहे हैं, साथ ही जनता के लिये अन्य आवश्यक विकास कार्यों को मूर्त रूप में ला रहे हैं। मंत्री श्री सिंह ने जबलपुर के विकास गाथा की जानकारी देते हुये कहा कि प्रदेश का सबसे बड़ा फ्लाई ओव्हर बनकर तैयार है और अन्य फ्लाई ओव्हकर भी बनेंगे।

नर्मदा तटों को मिलेगी भव्यता

नर्मदा के घाट को भव्यतम व सुविधाजनक रूप से विकसित किया जायेगा, जो देश में सबसे सुंदरतम घाटों में गिना जायेगा, जिसे देखने के लिए दूर दूर से लोग आयेंगे। ठाकुरताल में 300 करोड़ की लागत से आकर्षक ज़ू बनाया जायेगा, जो पर्यटन, रोजगार व अध्यातत्मव का आकर्षक केन्द्र होगा। उन्हों ने साफसफाई व्यावस्था सुनिश्चित करने तथा जनता की कठिनाईयों को दूर करने संबंधित अधिकारियों से कहा कि वे जनता के प्रति जवाबदेह बने और उनकी समस्याओं का निराकरण करें।

कार्यक्रम के दौरान महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, अभय सिंह ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता के लिए एमपी पावर की टीम रवाना

जबलपुर। 47 वीं अखिल भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण मण्डल पावर लिफ्टिंग व शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए एमपी पावर की 12 सदस्यीय टीम गुरूवार को कोटा रवाना हो गई। यह प्रतियोगिता राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के तत्वावधान में 13 से 15 मार्च तक कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन में आयोजित है। पावर लिफ्टिंग टीम में पृथ्वीराज चौधरी, विशाल वर्मा, सुरेन्द्र कुमार पटेल (सभी इंदौर), शैलेन्द्र श्रीवास (भोपाल), नीरज चौहान (देवास), दिनेश मेवाडा (सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी) व अबज़ल खान (श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया) खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं शरीर सौष्ठव टीम में एनके पांचाल व अमित हतवरे (दोनों श्री सिंगाजी ताप विद्युत), नितिन चौहान (धार), संदीप मौर्या (इंदौर) व सुनील पटेल (सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी) शामिल हैं।

सर्वाइकल कैंसर रोकने में एचपीवी टीका है एकमात्र विकल्पः सीएमएचओ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशन में जिले में एचपीवी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत 14 से 15 वर्ष के बीच की आयु की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीका लगाया जा रहा है। एचपीवी टीकाकरण के सफलतापूर्वक संचालन एवं इस एचपीवी टीकाकरण को लेकर आमजन में जागरूकता को बढाना होगा तभी हम अपने उद्देश्य को प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा ने बताया की एचपीवी टीका 1750 से अधिक बालिकाओं को लग चुके हैं, सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में से एक है। यह महिलाओं में होने वाले कैंसर में दूसरे नंबर का सबसे खतरनाक कैंसर है, लेकिन अच्छी बात यह है कि इसकी रोकथाम के लिए एचपीवी टीका उपलब्ध है।

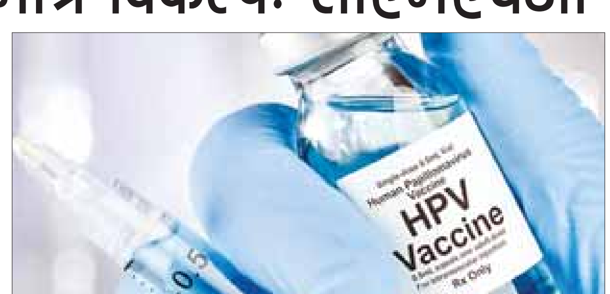

टीकाकरण के लिए बने 34 केन्द्र

उन्होंने जानकारी दी कि हर साल 1.25 लाख महिलाएं इसकी चपेट में आती हैं। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ विनोद गुप्ता ने बताया की जिले में 34 टीकाकरण केंद्रों पर किशोरी बालिकाओं को एचपीवी का टीका लगाया जा रहा है। अभी तक जिले में लगभग 3275 बालिकाओं को एचपीवी का टीका लगाया जा चुका है। अभिभावक अपनी बालिकाओं का पंजीयन यूविन पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त जिले में संचालित 34 टीकाकरण केद्रो पर जाकर पंजीयन एवं टीकाकरण कराया जा सकता है।

जबलपुर, शनिवार
दिनांक 14 मार्च 2026
वर्ष 31 अंक 257
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 3.00
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सुविचार
'सफलता खुशी का कारण नहीं है, बल्कि खुशी सफलता का कारण है'

4 प्यार, फरेब और फरारी: 12 साल...
5 आवारा कुत्तों के आतंक से रहवासियों...
7 ईरान ने मार गिराया अमेरिका का...
11 डबल इंजन की सरकार में बहनों को...

रोजाना 25 लाख ज्यादा एलपीजी सिलेंडर बुक हो रहे

नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में युद्ध की वजह से भारत समेत दुनियाभर में ऊर्जा संकट का खतरा मंडराता जा रहा है। भारत में भी अलग-अलग राज्यों से एलपीजी संकट की खबरें सुर्खियों में है। शुक्रवार को सुजाता शर्मा, संयुक्त सचिव (विपणन एवं तेल रिफाइनरी), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और वर्तमान स्थिति के बारे में लोगों को जानकारी साझा की। उन्होंने लोगों से अफवाहों से बचने की सलाह और पैनिक बाइंग न करने की अपील की है। संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि मैं आप लोगों के माध्यम से सभी देशवासियों से अपील करना चाहूंगी कि अफवाहों पर विश्वास न करें और पैनिक बाइंग न करें। हमारा जो एवरेज एलपीजी बुकिंग है, वह लगभग 50 से 55 लाख बुकिंग प्रति दिन है। लेकिन अगर आप देखें तो पिछले कुछ दिनों में एलपीजी बुकिंग बढ़कर लगभग 75-76 लाख तक पहुंच गई है। पब्लिक सेक्टर ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के कॉल सेंटर को भी मजबूत किया गया है। कॉल सेंटर में सीट्स को बढ़ाकर 400 कर दिया गया है और टेलीफोन लाइनों की संख्या भी बढ़ाकर 50 कर दी गई है, ताकि लोग वहां पर अपना ग्रीवेंस रजिस्टर करा सकें। ब्लैक मार्केटिंग और होर्डिंग पर भी एक्शन लिया जा रहा है। सेक्रेटरी, मिनिस्ट्री ऑफ पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस और सेक्रेटरी कंज्यूमर अफेयर्स, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ने एक मीटिंग की है। इसमें राज्यों और यूनियन टेरिटरीज के फूड एंड सिविल सप्लाइज डिपार्टमेंट के सभी सेक्रेटरीज शामिल थे और उन्हें मौजूदा स्थिति से अवगत कराया गया है। इसके साथ ही राज्यों को फ्यूल सप्लाई को लेकर लगातार कोऑर्डिनेशन और कोऑपरेशन का आश्वासन दिया गया है। राज्यों को सलाह दी गई है कि ब्लैक मार्केटिंग और होर्डिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और यह सुनिश्चित करें कि इस तरह की घटनाएं न हों। ब्लैक मार्केटिंग और होर्डिंग को रोकने में जिला प्रशासन, डीएम और एसपी की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उनके पास इसे रोकने के लिए पर्याप्त टूल्स हैं, अगर कहीं भी इस तरह की गतिविधि हो रही है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों ने अपने राज्यों में सप्लाई की स्थिति की समीक्षा की है और डीएम तथा एसपी को आवश्यक निर्देश भी दिए हैं।

केंद्र सरकार ने राज्यों को दिए कालाबाजारी रोकने के निर्देश

कालाबाजारी पर प्रहार

इसके अलावा कई राज्यों जैसे मेघालय, त्रिपुरा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, केरल, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में कंट्रोल रूम भी खोले गए हैं। महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में इस स्थिति को लेकर रोजाना प्रेस ब्रीफिंग भी की जा रही है। उत्तर प्रदेश के हापुड़ में एलपीजी सिलेंडर बरामद किए गए हैं और संबंधित डिस्ट्रीब्यूटर के गोदाम को सील कर दिया गया है। कर्नाटक में भी फूड एंड सिविल सप्लाइज डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने छापेमारी की है और अवैध रूप से स्टोर किए गए सिलेंडरों को बरामद किया है। इसी तरह मध्यप्रदेश में भी कार्रवाई की गई है।

एलपीजी को लेकर लोक सभा में हंगामा

हंगामे के कारण लोक सभा की कार्यवाही शुक्रवार को निर्धारित समय से पहले ही स्थगित कर दी गयी। इजरायल-अमेरिका और ईरान युद्ध के कारण देश में रसोई गैस की हो रही किल्लत को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण कार्यवाही पहली बार पूर्वाह्न 11 बजे स्थगित की गयी। सदन के दोपहर 12 बजे समवेत होते ही विपक्षी सदस्य फिर हंगामा करने लगे जिस पर कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। अपराह्न दो बजे कार्यवाही फिर शुरू होने पर विपक्षी सदस्यों ने इसी मुद्दे पर फिर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के बीच ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2025-26 की अतिरिक्त अनुदान मांगों पर हुई चर्चा का जवाब दिया। इसके बाद अतिरिक्त अनुदान मांगे पारित की गयीं और इससे जुड़ा विनियोग विधेयक 2026 भी पारित किया। इसके बाद भी विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा, जिस पर पीठासीन कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने कार्यवाही सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

सीबीआई ने अनिल अंबानी के पुत्र से की पूछताछ

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने शुक्रवार को रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और अन्य के खिलाफ दर्ज 228 करोड़ रुपये के बैंक ऋण धोखाधड़ी के मामले में अनिल अंबानी के पुत्र जय अनमोल अंबानी का बयान दर्ज किया। यह मामला पिछले साल छह दिसंबर को दर्ज किया गया था। इस मामले में जय अनमोल अंबानी, रवींद्र सुधालकर सहित अज्ञात व्यक्तियों और अज्ञात लोक सेवकों को आरोपी बनाया गया है। जांच एजेंसी ने जय अनमोल अंबानी से शुक्रवार को दिल्ली स्थित सीबीआई मुख्यालय में 6.5 घंटे तक पूछताछ की।

फारूक अब्दुल्ला के खिलाफ गैर-जमानती वारंट वापस

श्रीनगर (वार्ता)। श्रीनगर की एक अदालत ने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन घोटाले के सिलसिले में पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के खिलाफ पहले जारी किये गये गैर-जमानती वारंट को वापस ले लिया है। अदालत ने श्री अब्दुल्ला के अधिवक्ता इश्तियाक खान द्वारा कार्यवाही में उनकी अनुपस्थिति का कारण बताते हुए एक आवेदन दायर करने के बाद यह निर्णय लिया।

मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से की बात

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेज़ेश्कियन से क्षेत्र की गंभीर स्थिति पर चर्चा की हैं। टोलीफोन में हुई वार्ता के दौरान श्री मोदी ने शांति और स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया और शांति बहाली के लिए बातचीत तथा कूटनीति का आग्रह किया। उन्होंने तनाव बढ़ने, आम नागरिकों की जान जाने तथा नागरिक बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की।

ममता बनाम ज्ञानेश कुमार 'महाभियोग' पर आर-पार

मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने के नोटिस पर 193 सांसदों के हस्ताक्षर

नई दिल्ली

विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने का नोटिस संसद के दोनों सदनों में सौंप दिया है। इस नोटिस पर लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। नियमों के मुताबिक लोकसभा में नोटिस के लिए कम से कम 100 और राज्यसभा में 50 सांसदों के समर्थन की जरूरत होती है। विपक्ष ने अब तक कुल 193 हस्ताक्षर जुटाकर यह जरूरी आंकड़ा आसानी से पार कर लिया है। लोकसभा सचिवालय को सीईसी के खिलाफ टीएमसी का नोटिस मिल चुका है। नोटिस की जांच-पड़ताल की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। सीईसी के खिलाफ कई आरोप भी लगाए गए हैं, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला दिया गया है। यह नोटिस आधिकारिक रूप से कल यानी शनिवार को पेश किया जाएगा। इसके लिए नोटिस के दो अलग-अलग सेट तैयार किए गए हैं। विपक्षी सांसदों का यह कदम बजट सत्र के दौरान चुनाव आयोग के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े करता है। सांसद कल्याण बनर्जी ने बताया कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके और एनसीपी (एससीपी) के सांसदों ने इस प्रस्ताव पर साइंस किए हैं। उन्होंने कहा, महाभियोग प्रस्ताव लाने का निर्णय हमारी नेता ममता बनर्जी ने लिया था। हम यह प्रस्ताव लाए हैं। हमने इस पर हस्ताक्षर किए हैं; समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, शरद पवार की पार्टी और डीएमके ने भी इस पर हस्ताक्षर किए हैं, यानी, सभी ने इस पर साइन किए हैं।

दोनों सदनों में जुटाया भारी समर्थन

विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए बड़ी संख्या में सांसदों का समर्थन जुटाया है। लोकसभा से जहां 130 सांसदों ने नोटिस पर दस्तखत किए हैं, वहीं राज्यसभा से 63 सांसदों ने अपनी सहमति दी है। यह संख्या बल संवैधानिक रूप से नोटिस देने के लिए जरूरी न्यूनतम सीमा से काफी ज्यादा है। विपक्षी दल इस मुद्दे पर पूरी तरह एकजुट नजर आ रहे हैं।

सीईसी पर आरोप

- नोटिस में बिहार में एसआईआर को संभालने का तरीका।
- मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किया गया।
- राजनीतिक दलों के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैया, दुर्व्यवहार साबित हुआ।

तैयार किए गए नोटिस के दो सेट

संसदीय प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए विपक्ष ने दो अलग-अलग सेटों में नोटिस तैयार किए हैं। पहला सेट लोकसभा के लिए है, जिसमें 100 सांसदों की जरूरत के मुकाबले 130 हस्ताक्षर हैं। दूसरा सेट राज्यसभा के लिए तैयार किया गया है, जिसमें 50 सांसदों की जरूरत के मुकाबले 63 सांसदों ने साथ दिया है। अब यह मामला संसद की कार्यवाही का हिस्सा बनने की ओर तैयार है। विपक्ष कल यह नोटिस सर्व करने की तैयारी में है।

पीरियड लीव पर सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुख

...तो महिलाओं को कोई नहीं देगा काम

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महिला कर्मचारियों के लिए मासिक धर्म (पीरियड्स) के दौरान पेड लीव की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। कोर्ट का मानना है कि इस तरह के नियम को कानूनी रूप से अनिवार्य बनाना महिलाओं के सशक्तीकरण के बजाय उनके रोजगार के अवसरों के लिए बाधा बन सकता है। सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट किया कि महिलाओं को कमजोर श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि यद्यपि यह मांग सुनने में उचित लग सकती है, लेकिन व्यावहारिक धरातल पर इसके विपरीत परिणाम हो सकते हैं। अदालत ने चिंता जताई कि यदि कंपनियों के लिए पीरियड लीव देना अनिवार्य कर दिया गया, तो वे महिलाओं को नौकरी देने से कतराने लगेंगे, जिससे उनके प्रोफेशनल करियर को नुकसान होगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस संवेदनशील विषय पर सीधे हस्तक्षेप करने के बजाय गेंद सरकार के पाले में डाल दी है। अदालत ने उल्लेख किया कि याचिकाकर्ता पहले ही सरकार को अपना ज्ञापन सौंप चुके हैं। अब यह केंद्र और विभिन्न राज्य सरकारों के साथ-साथ संबंधित संस्थानों पर निर्भर करता है कि वे आपसी चर्चा के माध्यम से इस पर कोई उचित व्यवस्था या नीति तैयार करें। अदालत का रुख स्पष्ट है कि कार्य स्थल में समानता बनाए रखने के लिए ऐसे नियमों पर गहराई से विचार करने की आवश्यकता है जो भविष्य में महिलाओं के लिए रोजगार के संकट पैदा न करें।

कांग्रेस ने ओडिशा के 8 विधायक कर्नाटक भेजे

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग का सता रहा डर

नई दिल्ली। देशभर की सियासत में राज्यसभा चुनाव को लेकर गर्माहट बढ़ गई है। दूसरी ओर इस चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। इसी बीच ओडिशा में 16 मार्च को होने वाले राजसभा चुनाव से पहले विपक्षी कांग्रेस ने अपने 14 में से 8 विधायकों को कर्नाटक भेज दिया है। यह कदम क्रॉस वोटिंग और भाजपा के प्रभाव से बचाने के लिए उठाया गया है। इन 8 विधायकों में मुख्य व्हिप सीएस राजेन एक्का भी शामिल हैं। इस बात की जानकारी कांग्रेस के नेताओं ने शुक्रवार को दी। जानकारी के अनुसार कांग्रेस के विधायकों को बंगलूरू के एक रिसॉर्ट में रखा गया है। कांग्रेस विधायकों के नेता रमा चंद्र कदम ने कहा कि हमारे विधायकों को भाजपा के प्रलोभन और दबाव से बचाने के लिए बंगलूरू भेजा गया है। हमारे विधायक एकजुट रहेंगे। इन विधायकों को सोमवार को भुवनेश्वर लौटकर सीधे विधानसभा में वोट डालना है। इससे पहले कांग्रेस ने सभी 14 विधायकों को भुवनेश्वर बुलाया था।

भोपाल निगम में करोड़ों के फर्जी बिल मामले में छापा

भोपाल। भोपाल नगर निगम में बिना काम कराए फर्जी बिलों के जरिए करोड़ों रुपए निकालने के मामले में लोकायुक्त की टीम ने निगम में छापेमारी कर रिकॉर्ड जब्त किया है। यह कार्रवाई एक शिकायत के आधार पर की गई। शिकायत में आरोप है कि अपर आयुक्त गुणवंत सेवतकर ने कुछ कर्मचारियों के साथ मिलकर सॉफ्टवेयर की मदद से फर्जी बिल तैयार कराए और बिना काम कराए ही परिचितों व रिश्तेदारों की बनाई फर्मों के नाम पर करोड़ों रुपए का भुगतान कराया। इसके बदले कमीशन के रूप में मोटी रकम ली गई। एसपी दुर्गेश राठौर ने बताया कि शुक्रवार को लोकायुक्त पुलिस की टीम ने नगर निगम के डाटा सेंटर कार्यालय समेत संबंधित शाखाओं में पहुंचकर दस्तावेज और डिजिटल रिकॉर्ड जब्त किए।

खामेनेई की मौत पर मौन की वजह बताए सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस ने कहा है कि ईरान के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की रहस्यमई हवाई दुर्घटना में मृत्यु पर राजकीय शोक की घोषणा करने वाली मोदी सरकार को बताना चाहिए कि अब वह हमले में मारे गये ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामेनेई की मौत पर मौन क्यों है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ईरान के संवैधानिक प्रमुख आयतुल्लाह खामेनेई की 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा हत्या कर दी गयी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मौन हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर मौन हैं। संसद में अब तक इस पर शोक प्रस्ताव तक नहीं रखा गया है। जन्होंने कहा कि भारत ने खाड़ी देशों पर ईरान के हमलों की सही रूप से निंदा की है, लेकिन ईरान पर हुए अमेरिका और इज़रायल के हमले पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है। यह भी याद रखा जाना चाहिए कि ईरान ब्रिक्स का हिस्सा है जिसकी अध्यक्षता इस वर्ष भारत के पास है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मई 2024 में ईरान के राष्ट्पति इब्राहिम रईसी की एक रहस्यमय हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। तब मोदी सरकार ने 21 मई 2024 को एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की थी और संसद में एक जुलाई 2024 को (जब सत्र शुरू हुआ) शोक प्रस्ताव भी रखा गया था।

मोदी सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा से समझौता किया है : राहुल

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि वह मोदी सरकार की सच्चाई को सामने लाते हैं इसलिए उनकी आवाज को दबाया जाता है लेकिन इस सच को कोई नही दबा सकता कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऊर्जा सुरक्षा से समझौता किया है। श्री गांधी ने कहा कि मोदी सरकार सच नहीं सुन सकती है। वह संसद में सच बोलते हैं तो सरकार उनकी आवाज दबाती है। उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है और उनका माइक बंद कर दिया जाता है। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा मैंने संसद में कहा कि मोदी सरकार ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा से समझौता किया है-माइक बंद कर दिया गया। फिर मैंने मोदी जी का नाम एपस्टीन फ़ाइल में होने का जैसे ही ज़िक्र किया-माइक बंद कर दिया गया। मैंने पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और एपस्टीन से जुड़े सवाल उठाए - माइक बंद कर दिया गया। मैंने उनकी बेटी की कंपनी में सोरोस के पैसे लगे होने पर बात करने की कोशिश की - माइक बंद कर दिया गया। श्री गांधी ने कहा कि एक बात दब नहीं सकती कि श्री मोदी ने समर्पण किया है।

मोदी ने कोकराझार को दी 4500 करोड़ रुपये की सौगात

गुवाहाटी (वार्ता)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को असम के कोकराझार में विकास की नयी शृंखला का आगाज करते हुए 4500 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। खराब मौसम के कारण कोकराझार नहीं पहुंच पाने पर प्रधानमंत्री ने यहीं से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जनता को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने यातायात को प्राथमिकता देते हुए 1100 करोड़ रुपये की लागत वाली बोडोलैंड की सड़कों का शिलान्यास किया। उन्होंने असम माला अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत करते हुए कहा कि ये सड़कें क्षेत्र में व्यापार और पर्यटन के नये द्वार खोलेंगी। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री ने कामाख्या-चार्लापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस और गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने विश्वास जताया कि इन रेल सेवाओं से किसानों की उपज बड़े बाजारों तक आसानी से पहुंच सकेगी। कोकराझार के बीते दशकों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कभी इन पहाड़ियों में बम और बंदूकों की गूंज सुनाई देती थी, लेकिन आज यहां की तस्वीर बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि अब खाम (पारंपरिक ढोल) की थाप और सिफुंग (बांसुरी) की मधुर धुनें गूंज रही हैं। श्री मोदी ने इसे बोडोलैंड में शांति और विकास के नये अध्याय की शुरुआत बताया और घोषणा की कि यहां बनने वाली रेलवे वर्कशॉप इस क्षेत्र को लॉजिस्टिक्स का बड़ा केंद्र बनायेगी। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर विश्वासघात का आरोप लगाते हुए उसे झूठे वादों की दुकान करार दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बैठी कांग्रेस की पिछली सरकारों ने केवल दिखावे के लिए कागजी समझौते किये और समुदायों के बीच फूट डाली। इसके विपरीत उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार को स्थायी शांति का मॉडल बताया। उन्होंने 2003 में भाजपा नेता और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय हुए समझौतों से लेकर 2020 के ऐतिहासिक बोडो शांति समझौते तक की उपलब्धियां गिनायीं। सुरक्षा के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा घुसपैठियों का साथ देकर यहां की रोटी, बेटी और माटी को खतरे में डाला है। उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान की सराहना की और कहा कि अब मूल निवासियों को उनकी जमीन के कानूनी दस्तावेज मिल रहे हैं। श्री मोदी ने जनता से अपील की कि आने वाले चुनाव में घुसपैठ को बढ़ावा देने वालों को कड़ा संदेश दें। उन्होंने कहा कि बीटीआर क्षेत्र की छह महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का आज शिलान्यास हुआ है, साथ ही क्षेत्र की रेल यातायात को मजबूत करने के लिए बडे कदम उठाये गये हैं। यहां भूटान को जोड़ने वाली रेल लाइन पर भी काम चल रहा है। अनेक स्टेशनों को भी आधुनिक बनाया जा रहा है। अब वंदे भारत और राजधानी एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें कोकराझार में रुकती हैं। यह बोडोलैंड की बेहतर संपर्क का प्रमाण है। ऐसी परियोजनओं से कोकराझार व्यापार का बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। इस कार्यक्रम के साक्षी बनने वालों में असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल के मुख्य कार्यकारी सदस्य हाग्रामा मोहिलारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ ही असम सरकार के कई मंत्री, सांसद, विधायक, बीटीसी प्रतिनिधि और भारी संख्या में स्थानीय लोग तथा माताएं-बहनें प्रधानमंत्री को सुनने के लिए मौजूद थे।

घुसपैठ के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा

10 हजार नौजवानों ने छोड़े हथियार

बोडो संस्कृति और पहचान के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सरकार ने न केवल बोडो भाषा को सहयोगी आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया, बल्कि पारंपरिक आस्था बाथोऊ को भी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाया है। उन्होंने बताया कि हथियार छोड़ने वाले करीब 10 हजार नौजवान अब मुख्यधारा का हिस्सा हैं। कोकराझार में संचालित मेडिकल कॉलेज और तमुलपुर में बन रहे नये अस्पताल को उन्होंने क्षेत्र की बदलती स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमाण बताया।

प्यार, फरेब और फरारी: 12 साल बाद कानून के शिकंजे में सद्दाम

नाम बदल-बदलकर रह रहा था आरोपी, पुलिस ने पकड़कर भेजा जेल

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

बालाघाट पुलिस ने एक ऐसे शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है, जिसने कानून की आंखों में धूल झोंकने के लिए न केवल अपना शहर छोड़ा, बल्कि अपनी पहचान और धर्म तक बदल डाला। 12 साल से फरार आरोपी डोगरगांव निवासी अनिल डहारे को लांजी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया हैं, बालाघाट के कंट्रोल रूम में ओमप्रकाश एसडीओपी लांजी ने प्रेसवार्ता के दौरान खुलासा किया।

जानकारी के अनुसार, साल 2011 में, जब ग्राम डोगरगांव निवासी अनिल डहारे ने अपराध की दुनिया में कदम रखा। लूट, हत्या का प्रयास और एससी/एसटी एक्ट जैसे गंभीर मामलों में संलिप्त अनिल को 7 साल की सजा भी हुई थी। लेकिन 2015 में हाईकोर्ट से जमानत मिलते ही वह ऐसा ओझल हुआ कि पुलिस के लिए एक पहेली बन गया। वह कभी केरल में मनीष बनकर मजदूरी करता, तो कभी छत्तीसगढ़ का निवासी बताकर लोगों को गुमराह करता।

बिहार में मिला प्यार, बदला धर्म...

फरारी के दौरान अनिल बिहार के मधुबनी पहुँचा। यहाँ उसने खुद को मो. सद्दाम हुसैन बताया। वहां उसे एक मुस्लिम युवती से प्यार हुआ। युवती को इस बात का जरा भी इल्म नहीं था कि जिसे वह अपना हमसफर मान रही है, उसका अतीत अपराधों से भरा है। अनिल ने मुस्लिम रीति-रिवाज से निकाह किया और दिल्ली जाकर रहने लगा। आज उसके तीन मासूम बच्चे हैं, जो इस हकीकत से बेखबर हैं कि उनके पिता का अस्तित्व एक झूठ की बुनियाद पर खड़ा है।

खाकी की जिद, 4 राज्यों में पीछा

बालाघाट एसपी आदित्य मिश्रा के निर्देशन में पांच विशेष टीमों ने अनिल की तलाश में जमीन-आसमान एक कर दिया। पुलिस टीम केरल के कोझीकोड से लेकर बिहार के मधुबनी और फिर दिल्ली के हरियाणा बॉर्डर तक पहुँची। तकनीकी विश्लेषण और कड़ी मशक्कत के बाद जब पुलिस दिल्ली में डीडीए के एक ठेकेदार के पास पहुँची, तो वहां भी उसने खुद को सद्दाम हुसैन ही बताया। लेकिन कानून के हाथ लंबे थे, परिजनों और लूट के शिकार फरियादी ने उसे पहचान लिया।

एक परिवार का क्या होगा?

12 साल का लंबा वनवास खत्म हुआ, अनिल अब सलाखों के पीछे हैं। लेकिन इस कहानी का सबसे मार्मिक पहलू वह बेगुनाह पत्नी और तीन बच्चे हैं, जिनकी दुनिया पल भर में उजड़ गई। जिस सद्दाम हुसैन के साथ उन्होंने जीवन के सपने बुने थे, वह एक अपराधी अनिल निकला। पुलिस की इस सफलता ने यह साफ कर दिया है कि अपराधी चाहे भेस बदल ले या धर्म, न्याय की चौखट से वह ज्यादा दिन दूर नहीं रह सकता।

इनका कहना हैं

वर्ष 2011 में अनिल पर बहेला थाना में तीन अपराध दर्ज थे, उसे 7 साल की सजा सुनाई गई थीं, जब उसे 2015 में बेल मिली और बाहर आया तो वह फरार हो गया। पुलिस ने 10 हजार रूपए का ईनाम भी घोषित हैं। हमने पांच टीमों ने छत्तीसगढ़, केरल, बिहार, दिल्ली और एमपी में तलाशा गया जहां अनिल हमेशा नाम बदल-बदल कर रहा रहा था, अनिल का पता दिल्ली में चला कि वह ठेकेदारी करता हैं। उसने अपना नाम मो. सदाम हुसैन बताया, और उसने बिहार के मधुबनी में एक मुस्लिम युवती से शादी भी कर ली हैं, जिसके तीन संतान है। जिसे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया जायेगा।

ओमप्रकास, एसडीओपी लांजी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस की उपलब्धता के संबंध में बैठक संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिला पंचायत सभागार में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी कि उपस्थिति में गैस एजेंसी संचालकों, होटल संचालकों, रिसोर्ट संचालकों के साथ पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस की उपलब्धता के संबंध में बैठक संपन्न हुई। कलेक्टर ने गैस संचालकों से कहा कि गोदाम खुलने के समय डोमेस्टिक सिलेंडर एवं कामर्सियल सिलेंडर कि जानकारी तथा बंद के दौरान उपलब्ध सिलेंडरो की जानकारी खाद्य विभाग व्दारा उपलब्ध कराए गए निर्धारित प्रारूप में प्रतिदिन उपलब्ध कराया जाए। इसी तरह कामर्सियल सिलेंडर कि आपूर्ति अस्पतालों,शैक्षणिक संस्थानों में डिमांड अनुसार की जाए तथा अन्य जगहों से मांग आने पर उसकी सूचना खाद्य विभाग को दी जाए उसके पश्चात ही आगे की कार्यवाही निर्देशानुसार की जाए। बैठक में कलेक्टर ने होटल, रिसोर्ट संचालकों को सुझाव दिया कि एलपीजी ईंधन की उपलब्धता की स्थिति सामान्य होने तक वैकल्पिक ईंधन जैस- डीजल भट्टी, इलेक्ट्रिक ओवन, इलेक्ट्रानिक इंडक्शन, तंदूर आदि का प्रयोग कर खाना बनाएं तथा वस्तुस्थिति से आगंतुकों को अवगत कराएं। ग्रामीण क्षेत्र में परंपरागत ईंधन जैसे लकड़ी, कोयला,कण्डे तथा कृषि अपशिष्ट उपयोग करने का प्रचार-प्रसार किया जाए। जिले के सभी गैस एजेन्सी संचालको को शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देश का पालन करने तथा बुकिंग करने वाले उपभोक्ताओं को क्रमानुसार गैस सिलेण्डर डिलेवरी करने के निर्देश दिये गये।उन्होंने होटल एवं रिसोर्ट संचालकों को सोलर पैनल का भी उपयोग करने का सुझाव दिया। कलेक्टर ने खाद्य अधिकारी को गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए टीम गठित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होने जिले वासियों से अपील करते हुए कहा है कि जिले में पर्याप्त मात्रा में एलपीजी की उपलब्धता है। जिले के नागरिक सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से प्रसारित हो रही झूठी अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। उन्होने यह भी कहा है कि यदि सिलेंडर से संबंधित यदि किसी व्यक्ति व्दारा भ्रामक जानकारी सोशल अथवा प्रिंट मीडिया पर प्रसारित की जाती है तो उनके विरूध्द सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने अपील में यह भी कहा है कि जिलेवासी निर्धारित अवधि में ही गैस रिफिल कराएं। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी ने कहा कि गैस संचालक संबंधित थाना प्रभारियों के नंबर अपने पास रखें। आवश्यकता पड़ने पर उन्हें सूचना दें, ताकि हर संभव मदद पुलिस व्दारा उपलब्ध कराई जा सके।उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडर के संबंध में गलत जानकारी प्रसारित करने वाले के विरूध्द सख्त कार्यवाही की जाएगी। जिला आपूर्ति अधिकारी रोहित सिंह ने बताया कि जिले के सभी गैस एजेंन्सी, कम्पनी के संचालक एवं सेल्स ऑफीसर से सतत संपर्क में रहकर आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

जल जीवन मिशन से कन्हड़गाँव में आई खुशहाली

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। बालाघाट जिले के विकासखंड कटंगी के ग्राम कन्हड़गाँव में जल जीवन मिशन के माध्यम से पेयजल की समस्या का समाधान होने के बाद ग्रामीणों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। कभी बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष करने वाला यह गांव अब नल से जल योजना के कारण खुशहाली की नई कहानी लिख रहा है। जिला मुख्यालय बालाघाट से लगभग 65 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम कन्हड़गाँव में पहले ग्रामीणों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ता था। गांव के अधिकांश लोग कृषि और मजदूरी पर निर्भर हैं, ऐसे में पानी लाने में लगने वाला समय उनकी दिनचर्या और आजीविका दोनों को प्रभावित करता था। जल संकट के कारण बच्चों की पढ़ाई और ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा था। 24 जनवरी 2021 को जल जीवन मिशन के तहत गांव में पेयजल योजना की शुरुआत हुई। लगभग 49.20 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस योजना के माध्यम से गांव के 144 घरों तक नल कनेक्शन के जरिए स्वच्छ पेयजल पहुंचाया गया है।

अब हर घर में नल से पानी उपलब्ध होने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। घर-घर पानी पहुंचने से गांव की महिलाओं और बेटियों को सबसे अधिक लाभ मिला है। पहले उन्हें पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, लेकिन अब घर पर ही पानी उपलब्ध होने से उनका समय और श्रम दोनों बच रहे हैं। महिलाएं अब अपने समय का उपयोग बच्चों की पढ़ाई और अन्य आय बढ़ाने वाली गतिविधियों में कर पा रही हैं। गांव में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (ङ्कङ्कस्ष्ट) योजना के संचालन और जल कर वसूली का जिम्मा संभाल रही है, जिससे योजना का संचालन सुचारू रूप से हो रहा है। पानी की उपलब्धता से गांव में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। इस बदलाव के लिए ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री मोहन यादव और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बालाघाट के प्रति आभार व्यक्त किया है। ग्रामीणों का कहना है कि अब गांव की हर टोंटी से गिरती जलधारा न केवल प्यास बुझा रही है, बल्कि उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद भी जगा रही है।

महिलाओं ने पकड़ी देसी-विदेशी अवैध शराब की खेप

सरकारी तनख्वाह पाने वाले आबकारी और पुलिस की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल

कटंगी (स्वतंत्र मत)

कटंगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोडमी की महिलाओं ने गुरूवार की रात्रि करीब 10 बजे के आस-पास कटंगी-सिवनी मुख्य सड़क मार्ग पर लोहमारा बैरियर से कुछ दूर संचालित होने वाली दुकानों से बड़ी मात्रा में देसी-विदेशी शराब की खेप पकड़ी हैं। महिलाओं के द्वारा की गई इस पूरी कार्रवाई के बाद दुकानदारों में हड़कंप मच गया और विवाद जैसी स्थिति भी कुछ देर के लिए निर्मित हो गई। हालांकि महिलाओं ने शीघ्र ही इस पूरी कार्रवाई की सूचना पुलिस को दी तब पुलिस मौके पर पहुंची और शराब जब्त करने की कार्रवाई की गई। महिलाओं की यह कार्रवाई आबकारी विभाग और पुलिस विभाग को कटघरे में लाकर खड़ा करती है और इन दोनों ही विभागों के अफसरों की कार्यशैली पर सवाल खड़े करने वाली है।

कोड़मी गांव में काफी लंबे अर्से से देसी-विदेशी और कच्ची महुआ शराब की अवैध ब्रिकी हो रही है। यह सिलसिला आज भी दबे पांव जारी है। गांव में आसानी से शराब मिलने की वजह से गांव के युवा बड़ी मात्रा में शराब का सेवन कर रहे है। जिससे युवा पीड़ी में नशे की लत भी तेजी से बड़ रही है। जिसका व्यापक असर गांव के प्रत्येक घर-परिवार में पड़ रहा है। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ग्रामीणों ने गांव को नशामुक्त बनाने की सामाजिक जिम्मेदारी उठाई है।

विधायक की बातों का क्या

गांव में लिए गए सामूहिक फैसले के बाद भी गांव में अवैध तरीके से शराब की ब्रिकी हो रही है। जैसे ही इसकी भनक महिलाओं को लगी उन्होंने रात्रि में ही दुकानों में धावा बोलकर देसी-विदेशी शराब बरामद कर पुलिस को सूचना दी। महिलाओं के द्वारा रात्रि के वक्त की गई यह कार्रवाई गांव को नशामुक्त बनाने की दिशा में भले ही साहसी कदम हो सकता है। परंतु ग्रामीण परिवेश में महिला सुरक्षा के लिहाज से यह कार्रवाई डराने वाली है। पुलिस और आबकारी विभाग को चाहिए कि वह गांव को नशा मुक्त बनाने की दिशा में ईमानदारी से कार्य करे और गांव में बिकने वाली अवैध शराब ब्रिकी पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाए। ताकि कार्रवाई के लिए ग्रामीणों को खासतौर ङ्मपर महिलाओं को अपने घरों से बाहर निकलने की नौबत ना आए। आबकारी और पुलिस विभाग के अफसरों को यह जान लेना चाहिए कि कटंगी क्षेत्र की जनता ने गौरव सिंह पारधी जैसे योग्य और लायक व्यक्ति को अपना विधायक चुना है। उन्होंने चुनाव जीतने के साथ ही अफसरों को हिदायत दी थी कि सुधर जाओ वरना अपना तबादला करवा लो, विधायक को भी ध्यान देना चाहिए कि अगर उनकी बात पर अमल नहीं हो रहा है तो फिर वह खामोश क्यों बैठे है और विभाग के होते हए जनता को अपराध रोकने के लिए आखिरकार सड़क पर क्यों उतरना पड़ रहा है।

शासकीय आदर्श कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने तक भारतवर्ष को पूर्ण विकसित आत्मनिर्भर एवं समृद्ध राष्ट्र में परिवर्तित करना है। इसी उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया में 11 एवं 12 मार्च को किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो राम शंकर ,माननीय कुलगुरु ,पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय शहडोल ,विशिष्ट अतिथि डॉ भारत शरण सिंह सेवानिवृत्ति प्राध्यापक पंडित शंभूनाथ विश्वविद्यालय शहडोल अतिथियों ने अपने उद्बोधन में बताया कि विकसित भारत 2047 केवल एक आर्थिक लक्ष्य नहीं है बल्कि भारत के सभ्यतागत पुनरुत्थान की व्यापक परिकल्पना है। परिकल्पना को साकार करने में प्रत्येक भारतीय को अपना अपना योगदान देना चाहिए, इस दिशा में यह संगोष्ठी एक महत्वपूर्ण कदम है। संगोष्ठी का विषय विकसित भारत 2047 है जो हम सभी के लिए गौरव का विषय है जिस गौरवशाली भारत के 2047 वर्ष के हम सभी साक्षी होंगे जब भारत आत्मनिर्भर राष्ट्र और हम विश्व गुरु कहलाएंगे ।आदर्श कॉलेज द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 130 प्रतिभागियों ने नामांकन कराया तथा 50 प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र विभिन्न सत्रों में प्रस्तुत किया। उद्घाटन सत्र के अतिथियों के द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी की ई शोध पत्र सारांश संकलन पुस्तिका का विमोचन एवं अतिथियों द्वारा अटल वाटिका में वृक्षारोपण किया गया। संगोष्ठी मंचीय कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ राजीव तिवारी एवं आभार प्रदर्शन डॉ नवीन उपाध्याय एवं अरुणेंद्र बहादुर सिंह द्वारा किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन सत्र के उपरांत दो तकनीकी सत्रों का आयोजन प्रथम दिवस किया गया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय नियमक आयोग, डॉ सीबी सोंधिया प्राचार्य शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया ,डॉ विमला मरावी,प्राचार्य प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस उमरिया तथा संगोष्ठी संयोजक डॉ परमेश्वर सिंह मरावी मंचासीन रहे ।

पनपथा के जंगलों में जारी है अवैध कटाई.!

मानपुर (स्वतंत्रमत)

राष्ट्रीय उद्यान बांधवगढ़ अंतर्राष्टीय पहचान बना रखा है। यह मध्यप्रदेश के उमरिया जिले की शान है। यहां के प्राकृतिक संरचना, हरियाली युक्त सघन वन और विभिन्न प्रकार के रंगीन और बलवान पशु -पक्षी अपनी पहचान बनाये हुये हैं, उसी जंगल में यदि गृहण लगना सुरू हो जाय तो उसके भविष्य का क्या होगा..? बाधवगढ़ क्षेत्र के वन परिक्षेत्र पनपथा की स्थिति दयनीय होते दिखने लगी है, यहीं के कोठिया, कुशमहां के सांथ कई वीड में वृक्ष कटाई और अतिक्रमण कार्य बड़े तेजी से चलते रहने की चर्चा जोरों से है, विभागीय बजट मिलने के बाद भी यहां के एलंटाना जैसे खरपत वारों की सफाई एवं वन की शुरक्षा नहीं दिख रही है, यहां दिखावा के लिये सड़क किनारे के जंगल की शुरक्षा तो बड़े कड़ाई से होता है जब कि अंदर और छोटे गांव के किनारे इस जंगल की कटाई और अतिक्रमण भी बड़े तीब्रता से होने की शोर है। पनपथा से कोठिया तक पहुंचने के लिये पिछले वर्ष एक मुरमी करण सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया जो आज भी अधर में लटका पड़ा है। सूत्रों की माने तो स्टीमेट के आधार पर इसका निर्माण तो नही हुआ - जो कभी होगा कहना व सोचना स्वप्न के बराबर है, लेकिन भुगतान पूरा हो जाने की खबर है! यह सड़क निर्माण होने के पहले चूना डालकर नक्सा तैयार किया गया फिर वही चूना से बने रेखा में एक फिट गहरी संकली नाली खेदवाकर उसी नाली से निकले मिट्टी को सड़क के नमूना में छिड़कवा कर दिया गया, शिर्फ इतने कार्य के अर्थ वर्क सड़क निर्माण हो जाने की जानकारी प्रस्तुत कर शास्कीय राषि का आहरण कर लिया गया! कुछ महीनो बाद गुणवत्ता विहीन सड़क निर्माण होने की शिकायत होने लगा, जिसे छिपाने के लिये फरमल्टी रूपी गिनती के कुछ टाली रेतीली मिट्टी कहीं लोकल से निशुल्क मिट्टी लाकर ट्रिप करवाया गया, जिसमें से कुछ छिटकवाया दिया गया और बहुत ढेर मौके पर आज भी लगे हुये हैं।

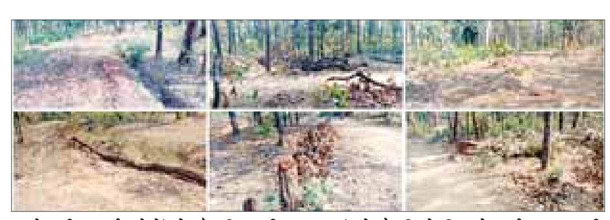

देशी मुर्गे से जंगली मुर्गों का शिकार करने वाला गिरोह बेनकाब

कान्हा बफर जोन के बैहर बीट का मामला

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन में शिकारियों द्वारा वन्यजीवों को जाल में फंसाने का एक बेहद शातिर और अनोखा तरीका सामने आया है। वन विभाग की टीम ने एक सफल कार्रवाई करते हुए चार शिकारियों को रंगे हाथों पकड़ा है, जो पालतू देशी मुर्गे का इस्तेमाल कर जंगली मुर्गों को मौत के घाट उतार रहे थे। यह पूरी कार्रवाई कान्हा टाइगर रिजर्व बफर जोन के वन मंडल मंडला के अंतर्गत आने वाले परिक्षेत्र खापा की बैहर बीट में अंजाम दी गई। जानकारी के अनुसार, वन विभाग की टीम क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने के उद्देश्य से नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान 11 मार्च को बैहर बीट के कक्ष 1057 के घने जंगलों में टीम को तीन संदिग्ध युवक दिखाई दिए। जब वन कर्मियों ने उन्हें रोककर तलाशी ली, तो उनके पास से एक जीवित देशी मुर्गा और एक मृत जंगली मुर्गा उनके द्वारा बनाए गए फंदे में फंसा हुआ था जिसे बरामद किए।

इसके साथ ही उनके पास शिकार में उपयोग किए जाने वाले फंदे और कुछ नुकीले उपकरण भी मिले।

पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा- कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन के सहायक संचालक, मलाजखंड मितेन्द्र चिचखेडे ने बताया कि आरोपी राजेंद्र धुर्वे, छोटा भाई रामू धुर्वे और उनका साथी दीपक परते तीनों ही भंगाटोला समनापुर निवासी हैं। प्रारंभ में तीनों से पूछताछ की तो गोल-मोल जवाब दे रहे थे, लेकिन जब विभाग की टीम ने सख्ती से पूछताछ की, तो उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपियों ने बताया कि 3000 हज़ार रुपए का देशी मुर्गा खरीदे और 2000 के फंदे दिलीप नामक व्यक्ति से खरीदे थे। फिर तानोर नदी के पास में पहले उन्होंने पहले फंदे लगाए और फिर देशी मुर्गे को चारे के रूप में छोड़े देते थे। देशी मुर्गे की आवाज सुनकर जंगली मुर्गा अपनी टेरिटरी (क्षेत्र) की रक्षा करने या प्रतिद्वंद्वी से लड़ने के लिए बाहर आया था, और जैसे ही वह फंदे के पास आया, वहीं बिछाए फंदे में जंगली मुर्गा फंसा लेते थे। वैसे तो राजेंद्र धुर्वे, छोटा भाई रामू धुर्वे दोनों भाई आदतन शिकारी हैं।

कानूनी कार्रवाई और संदेश- वन विभाग ने आरोपियों के निशानदेही पर फंदे और देशी मुर्गा बेचने वाला दिलीप परते के डेरा पहुंचे तो वन विभाग के अधिकारियों को देख भाग निकला, उसके डेरे से उसका भाई रंजू परते को पकड़ा गया जिसके पास तीन ट्रेन किए हुए देशी मुर्गा, एक जंगल मुर्गा सहित फंदे सहित शिकार के उपयोग में होने वाली सामग्री को जब्त कर लिया है और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। चार आरोपियों राजेंद्र धुर्वे, छोटा भाई रामू धुर्वे, उनका साथी दीपक परते और फंदे देना वाला दिलीप का भाई रंजू परते को गिरफ्तार कर आवश्यक औपचारिकताओं के बाद 13 मार्च को बैहर न्यायालय में पेश किया गया। वहीं आरोपियों के पूछताछ में पांचवा नाम आरोपी दिलीप परते फरार है।

वन विभाग की गस्ती बड़ी-श्री चिचखेडे ने आगे बताया कि रंजू परते पारधी समाज से आते हैं, उसने बताया कि उन्होंने जंगली मुर्गा, बटेर, बगुला सहित अन्य पक्षियों का शिकार करते हैं जो गांव गांव में डेरा लगाकर निवास करते हैं। उन्होंने कहा कि बफर जोन में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए गश्त बड़ा दी गई है और ग्रामीणों को भी जागरूक किया जा रहा है कि वे ऐसी अवैध गतिविधियों से दूर रहें। इस कार्रवाई से शिकारियों के बीच हड़कंप मच गया है।

बीमा सुविधा के तहत परिवार को सौंपी गई एक करोड़ रूपये की वित्तीय सहायता

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश पुलिस के सैलरी पैकेज के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रदान की जाने वाली बीमा सुविधा के तहत स्वर्गीय ओमप्रकाश भवेडी के परिवार को 1 करोड रूपये कि वित्तीय सहायता प्रदान की गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विजय भगवानी द्वारा स्वर्गीय ओमप्रकाश भवेडी की पत्नी श्रीमती निर्मिला भवेडी को 1 करोड़ का चेक प्रदान किया गया।यह राशि मध्यप्रदेश पुलिस सैलरी पैकेज के अंतर्गत उपलब्ध बीमा कवर के माध्यम से उनके परिवार को प्रदान की गई है। योजना के अंतर्गत सामान्य बीमा की राशि 10 लाख. पूर्व मे ही नॉमिनी के खाते मे जमा हो चुकी है।कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि यह योजना पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सहायता से स्वर्गीय कर्मचारी के परिवार को कठिन समय में आर्थिक संबल प्राप्त होगा। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक से मुख्य प्रबन्धक निशांत बाजपेयी एवं मार्केट एरिया शाखा से मनीष शुक्ला उपस्थित रहे.।

आवारा कुत्तों के आतंक से रहवासियों का जीना मुश्किल

दहशत में शहरवासी, नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

शहर में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है और हालात ऐसे बनते जा रहे हैं कि आम नागरिकों का घर से निकलना तक मुश्किल हो गया है। शहर की लगभग हर गली हर मोहल्ले और मुख्य मार्गों पर कुत्तों के झुंड खुलेआम घूमते दिखाई देते हैं जो कभी भी राह चलते लोगों पर झपट्टा मार देते हैं। बीते कुछ समय में कुत्तों के काटने की घटनाएं इतनी बढ़ गई हैं कि जिला अस्पताल सहित निजी अस्पतालों में एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि समस्या वर्षों से बनी हुई है लेकिन प्रशासन और नगर पालिका की उदासीनता के कारण यह अब भयावह रूप ले चुकी है। नागरिकों का आरोप है कि न तो आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए कोई ठोस अभियान चलाया जा रहा है और न ही उनका वैक्सीनेशन कराया जा रहा है। परिणामस्वरूप शहर में हर दिन नए लोग कुत्तों के हमले का शिकार बन रहे हैं। आवारा कुत्तों का सबसे बड़ा खतरा बच्चों और बुजुर्गों के लिए बन गया है। कई वार्डों में ऐसे हालात हैं कि माता-पिता अपने छोटे बच्चों को अकेले घर से बाहर जाने नहीं दे रहे हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों को भी कई बार कुत्तों के झुंड घेर लेते हैं। सुबह और शाम के समय जब लोग टहलने निकलते हैं तब भी कुत्तों के झुंड अचानक आक्रामक हो जाते हैं। कई बार साइकिल और मोटरसाइकिल सवारों पर कुत्ते झपट्टा मार देते हैं जिससे वे संतुलन खोकर गिर जाते हैं और घायल हो जाते हैं। रहवासियों का कहना है कि कई बार कुत्ते अचानक दौड़ते हुए वाहन चालकों का पीछा करने लगते हैं जिससे सड़क दुर्घटना का खतरा भी बढ़ जाता है।

कई लोगों को गंभीर चोटें भी आई हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार रात के समय स्थिति और ज्यादा भयावह हो जाती है। देर रात घर से बाहर निकलना कई क्षेत्रों में जोखिम भरा हो गया है। कुत्तों के बड़े-बड़े झुंड सड़कों और गलियों में डेरा डाले रहते हैं और जैसे ही कोई व्यक्ति दिखाई देता है वे उस पर भौंकते हुए झपटने लगते हैं। कई मोहल्लों में तो लोग रात के समय बाहर निकलने से ही डरने लगे हैं। महिलाओं और बुजुर्गों के लिए तो यह समस्या और भी ज्यादा

गंभीर बन गई है। जिला अस्पताल में कुत्तों के काटने के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। रोजाना कई लोग एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने पहुंच रहे हैं। हालांकि कई बार अस्पतालों में इंजेक्शन की कमी की शिकायतें भी सामने आती हैं जिससे मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि कुत्तों के काटने की घटनाओं को हल्के में नहीं लेना चाहिए क्योंकि रेबीज एक घातक बीमारी है। समय पर उपचार नहीं मिलने पर यह जानलेवा भी साबित हो सकती है। शहर के लगभग सभी वार्डों में आवारा कुत्तों की भरमार है। कोई भी ऐसी गली नहीं है जहां कुत्तों के झुंड दिखाई न देते हों। सुबह-शाम कूड़ेदानों के आसपास कुत्तों की भीड़ लगी रहती है और कई बार आपस में लड़ाई भी हो जाती है। इस दौरान वहां से गुजरने वाले लोगों को भारी डर का सामना करना पड़ता है। कई बार कुत्तों की लड़ाई के बीच में आने वाले लोगों पर भी हमला हो जाता है। शहरवासियों का कहना है कि नगर पालिका इस गंभीर समस्या को लेकर पूरी तरह उदासीन नजर आ रही है। कई बार शिकायतें करने के बावजूद कुत्तों को पकड़ने या उनके नियंत्रण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। नगरवासियों का कहना है कि नगर पालिका को नियमित रूप से आवारा कुत्तों को पकड़कर उनका वैक्सीनेशन कराना चाहिए और उन्हें शहर से बाहर सुरक्षित स्थानों पर छोड़ना चाहिए लेकिन ऐसा होता दिखाई नहीं देता। लोगों का आरोप है कि सिर्फ कागजी कार्रवाई तक ही सीमित रहकर समस्या को नजरअंदाज किया जा रहा है। यह समस्या केवल शहर तक सीमित नहीं है बल्कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। गांवों में भी कुत्तों के झुंड खेतों और गलियों में घूमते रहते हैं और कई बार लोगों पर हमला कर देते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय खेतों की रखवाली करने जाने वाले किसानों को भी इन कुत्तों से खतरा बना रहता है।

शहर में सिर्फ आवारा कुत्ते ही नहीं बल्कि आवारा मवेशी भी बड़ी समस्या बनते जा रहे हैं। मुख्य सड़कों और बाजारों में मवेशियों के झुंड बैठे रहते हैं जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। कई बार मवेशी सड़क के बीचों-बीच बैठ जाते हैं जिससे वाहन चालकों को भारी असुविधा होती है। अचानक सामने मवेशी आने से दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाती है। इसके अलावा गलियों में मवेशियों की आपसी भिड़ंत से भी रहवासी भयभीत हो जाते हैं। कई बार ऐसी घटनाओं में लोग घायल भी हो चुके हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि शहर में बढ़ते कचरे और खुले में पड़े खाद्य पदार्थों के कारण भी आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ती है। कूड़ेदानों की उचित व्यवस्था नहीं होने से कुत्ते और अन्य जानवर भोजन की तलाश में शहर में इधर उधर भटकते रहते हैं। यदि नगर पालिका नियमित रूप से कचरा प्रबंधन और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए तो इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

शहरवासियों ने जिला प्रशासन और नगर पालिका से मांग की है कि आवारा कुत्तों और मवेशियों की समस्या के समाधान के लिए जल्द से जल्द ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में हालात और भी ज्यादा गंभीर हो सकते हैं। लोगों का कहना है कि प्रशासन को नियमित रूप से कुत्तों को पकड़ने का अभियान चलाना चाहिए उनका वैक्सीनेशन कराना चाहिए और उनकी नसबंदी की व्यवस्था करनी चाहिए। इसके साथ ही आवारा मवेशियों को भी सड़कों से हटाने के लिए सख्त कदम उठाए जाने चाहिए।

किसानों को कृषि विभाग ने किया बीज वितरण

मण्डला (स्वतंत्र मत)। भुआ बिछिया मंडला राष्ट्रीय मिशन ऑफ इंडियन ऑयल (तिलहन) योजनांतर्गत तिलहन की खेती नवाचार फसल योजना गर्मी में तिलहन फसल को बढ़ावा देते हुए कृषि विभाग के माध्यम से मूंगफली एवं तिल का बीज अनुविभागीय अधिकारित राजस्व बिछिया श्रीमति सोनाली देव की उपस्थिति में देवरी, बरिहा, तलरी, के कृषकों वियत दास, सुरेंद्र पटेल वीरेंद पटेल, चंद्रकुमार पटेल, बिरिया बाई, देव सिंह उइके,को कृषि विस्तार अधिकारी निधि खत्री, एवं योगेश वागले द्वारा ग्रीष्म कालीन फसल उत्पादन हेतु, मूंगफली, तिली का बीज वितरण किया गया, जिसमें कृषि विस्तार अधिकारी निधि खत्री एवं योगेश भागले ने बताया कि शासन द्वारा किसानों को ग्रीष्म ऋतु में भी आप इन फसलों की उपज ले सकते हैं और अच्छा लाभ कमा सकते हैं। इस अवसर पर अनेक किशन अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

इसी तरह अंजनिया क्षेत्र में भी कृषि सभापति बिछिया प्रसून पारुल पांडे की उपस्थिति में ककेया रामनगर क्षेत्र किसान गोकुल प्रशाद नरेनिझर, संगीत पटेल, अशोक कुंजम हैराभाट, इन कृषकों को बीज वितरण किया गया। जिसमें कृषि विभाग अधिकार बिन्देशवरी पंद्रो एवं महिमा मालगाम भगत के द्वारा ग्रीष्म ऋतु में फसल लगाना पैदावार बढ़ाना ओर संबंधित बीज खाद वितरण के संबंध में विस्तृत जानकारी से सभी को अवगत कराया गया कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित थी।

नरवाई जलाने पर लगा प्रतिबंध

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिले में फसल कटाई में उपयोग होने वाले हार्वेस्टर रबी में गेंहू की कटाई बिना स्ट्रॉ मेनेजमेंट सिस्टम (एस.एम.एस.) के संचालित हो रहे हैं। जिससे पराली नरवाई जलाने की घटनाएं हो रही है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने जिले में परालीनरवाई जलाना पूर्णत: प्रतिबंधित किया है। फसल कटाई के लिए कम्बाटईन होर्वेस्टरों में स्ट्रॉ मेनेजमेंट अनिवार्य किया गया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जिले की संपूर्ण राजस्व सीमा में यह प्रतिबंध प्रभावी होगा। आदेश के अनुसार हार्वेस्टर संचालक रबी में गेंहूं कटाई उपरांत स्ट्रॉ रीपर की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे। ग्राम पंचायत स्तरीय समिति का दायित्व है कि प्रत्येक ग्राम में फसल अवशेषों पराली नरवाई को खेतों में जलाने से रोकने पराली नरवाई से नये रोजगार स्थापित करने एवं कृषकों में जागरूकता लाने के लिए प्रेरित करें। जिले में कम्बाइंन्ड हार्वेस्टर के साथ स्ट्रॉ

रीपर स्ट्रॉ मेनेजमेंट सिस्टम के साथ ही प्रवेश की अनुमति दी जाए। बिना स्ट्रॉ रीपर स्ट्रॉ मेनेजमेंट सिस्टम के प्रवेश निषेध रहेगा। साथ ही बिना स्ट्रॉ रीपर स्ट्रॉ मेनेजमेंट सिस्टम के कम्बाइन्ड हार्वेस्टर चलाये जाने पर वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

जिले में संचालित कम्बाइन्ड हार्वेस्टर के साथ स्ट्रॉ रीपर स्ट्रॉक मेनेजमेंट सिस्टम की सतत निगरानी ग्राम पंचायत स्तरीय निगरानी समिति द्वारा की जायेगी। यदि किसी हार्वेस्टर में स्ट्रॉ - मेनेजमेंट सिस्टम न हो एवं किसी कृषक द्वारा खेत में नरवाई में आग लगाई जाती है तो संबंधित की जानकारी मय पंचनामा, फोटोग्राफ सहित तहसीलदार/नायब तहसीलदार की अनुशंसा पर अनुविभागीय दण्डाधिकारी द्वारा हार्वेस्टर मालिक पर निर्धारित दंड अधिरोपित करने की कार्यवाही की जाएगी। कृषक जिनके पास 2 एकड़ से कम जमीन है उन्हें 2500 रूपए प्रति घटना पर्यावरण क्षति पूर्ति अर्थदण्ड देय होगा।

कृषक जिनके पास 2 एकड़ से अधिक एवं 5 एकड़ से कम जमीन है उन्हें 5000 रूपए प्रति घटना पर्यावरण क्षति पूर्ति अर्थ दण्डा देय होगा। कृषक जिनके पास 5 एकड़ से अधिक जमीन है उन्हें 15000 रूपए प्रति घटना पर्यावरण क्षति पूर्ति अर्थ दण्ड देय होगा।

ह्यूमंस राइट प्रोटक्शन सेल ने मनाया महिला दिवस

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

ह्यूमंस राइट प्रोटक्शन सेल के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री मध्यप्रदेश शासन श्रीमति संपतिया उईके एवं स्वाति चौहान सिविल न्यायाधीश क्लास वन एंड प्रधान न्यायाधीश किशोर न्याय बोर्ड मंडला, प्रसिद्ध समाजसेवी श्रीमति मृदुला काल्पीवार, राष्ट्रपति से सम्मानित सेवानिवृत प्राचार्य डॉ रश्मि बाजपेयी उपभोक्ता आयोग की सदस्य मुक्ता जोशी उपस्थित रही। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के पूजन और अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन सेल की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शिखा श्रीवास्तव द्वारा संस्था के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। महिला सम्मान और महिलाओं को उनके अधिकारों से अवगत कराना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था। किशोर न्याय बोर्ड न्यायाधीश श्रीमती स्वाति चौहान ने महिलाओं को कानूनी क्षेत्र की जानकारी प्रदान की। उन्होंने अपने वक्तव्य में महिला हिंसा बाल अपराध और अपराधों को रोकने बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी दी । बच्चों को

नशे का आदी होने पर उन्होंने चिंता व्यक्त की तथा मंत्री से इस विषय पर उचित कदम उठाने के लिए अपनी बात रखी। डॉक्टर रश्मि वाजपेई ने महिलाओं को अपना अधिकार अपना वजूद पहचानते हुए समाज की धुरी बताया और राष्ट्रीय निर्माण में उनके योगदान की बात की । उद्योग जगत में अपनी पहचान बनाने वाली श्रीमती मृदुला कालपीवार ने रोजगार से महिलाओं को जोड़ने के लिए मार्गदर्शन दिया। कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपत्तियां उइके ने नारी विकास की बात कही। उन्होंने कहा कि सभी समाज की महिलाओं को आगे आकर हर दो तीन महीने में ऐसी समितियों के माध्यम से अपनी बातें करनी चाहिए और जो समस्याएं हैं वो मंत्री द्वारा हल करने का प्रयास जरूर किया जाएगा। मध्यमवर्गीय परिवार की महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए उन्होंने अपनी बात रखी । मंडला में बच्चों की भाभी भाभी से की चिंता करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों को नशे से दूर करने के लिए शासन प्रशासन और सामाजिक रूप से मिलकर निराकरण किया जा सकता है। संस्था द्वारा मुस्कान प्रोजेक्ट की आकांक्षा मैडम आयुर्वेद के क्षेत्र डॉ. सीमा भवेदी असहाय जानवरों के लिए निशुल्क सेवा देने वाली निशा ठाकुर निशुल्क का आर्ट क्राफ्ट समर कैंप करने वाली सीमा सोनी बैंक सखी प्रीति रजक, हथकरघा में बेहतर काम कर रही किरण भारद्वाज आदि को अतिथियों द्वारा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा ह्यूमंस राइट प्रोटक्शन सेल की टीम की प्रशंसा की गई एवं उनके द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की गई कार्यक्रम में ह्यूमन राइट प्रोटक्शन सेल की सभी एक्टिव सदस्य जिला न्यायालय की एडवोकेट पैनल उपस्थित रही। कार्यक्रम में स्टॉल लगाए गए।

एक्टिव मेंबर्स ने अपने हाथों द्वारा बनी हुई चीजों का स्टॉल लगाया वेस्टेज सामान का जन शिक्षण संस्थान से हैंडमेड जूलरी क्राफ्ट मेक्रम का वर्क ज्वेलरी शॉप पॉट क्रिएटिविटी आदि रोजगार से जुड़ी महिलाओं ने स्टॉल लगाया। अपने कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं ने लोगों से संपर्क किया तथा हमारे अतिथियों ने उनकी वस्तुओं को खरीद कर उनका हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन ह्यूमैन राइट प्रोटक्शन सेल की प्रदेश मीडिया प्रभारी ममता चौरसिया ने किया तथा आभार प्रदेश विधिक सलाहकार एडवोकेट सुनीता नामदेव ने व्यक्त किया।

अतिक्रमण पर परिषद और प्रशासन की कार्यवाही

मण्डला, बिछिया (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी बिछिया श्रीमती सोनाली देव के निर्देशानुसार नगर परिषद भुआ बिछिया द्वारा नगर क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी (डिप्टी कलेक्टर) संस्कार बावरिया के नेतृत्व में नेशनल हाईवे-30 एवं बस स्टैंड क्षेत्र में फुटपाथ और सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया गया कार्रवाई के दौरान पाया गया कि हाईवे मार्ग एवं फुटपाथ पर कई व्यापारी अवैध रूप से दुकानें संचालित कर रहे थे। जिससे यातायात बाधित हो रहा था और दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई थी। इस पर नगर परिषद राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने अभियान

चलाकर थाना परिसर के सामने बस स्टैंड तथा विनोद रंगमंच के आसपास अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की तथा संबंधित दुकानदारों पर जुर्माना भी लगाया। बस स्टैंड क्षेत्र में दुकानों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाते हुए पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए निर्धारित स्थानों पर चूना लाइन डालकर वाहन पार्किंग के लिए स्थान चिन्हित किए गए। नागरिकों को निर्देश दिए गए कि वाहन निर्धारित स्थान पर ही पार्क करें- अन्यथा जुर्माना एवं वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले व्यापारियों को श्री गांधी मेला स्थल स्थित सब्जी मंडी के पास निर्धारित स्थान पर दुकान संचालित करने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि हाईवे मार्ग एवं फुटपाथ पर दोबारा दुकान लगाने पर सख्त कार्रवाई करते हुए जुर्माना और वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान में थाना प्रभारी बिछिया रंजीत सैयाम उपयंत्री एच.आर. कुरैशी राजस्व विभाग के कर्मचारी नारायण परते, मनोज निगम मयंक घाटोडे सहित पुलिस एवं नगर परिषद के अन्य कर्मचारियों का सहयोग रहा।

पीएम आवास की आपत्तियां

मण्डला (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री आवास योजना बीएलसी घटक अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मण्डला के परिप्रेक्ष्य में सर्वेक्षण एवं सत्यापन के लिए गठित दल द्वारा जांच की गई। जांच उपरांत प्राथमिक रूप से 27 आवेदक पात्रता की श्रेणी में पाए गए हैं। नगरपालिका परिषद द्वारा जारी सूचना के अनुसार यदि किसी आम नागरिक अथवा अन्य व्यक्ति को उक्त सूची के संबंध में कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर कार्यालयीन समय में अपनी लिखित आपत्ति आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं।

विपरीत विचारधारा के बीच सामंजस रखना सिखाता है-शिव पुराण

मण्डला (स्वतंत्र मत)। सिद्धवन आश्रम खैरमाई मंदिर बरगवां सुकतरा में शिव महापुराण का आयोजन किया जा रहा है। कथा वाचक पं. संतोष शास्त्री पदमी वाले ने शिव-सती विवाह, माता पार्वती के जन्म और दक्ष यज्ञ की कथा का विशेष वर्णन किया गया। शास्त्री जी ने बताया कि आत्मा का परमात्मा से मिलन ही शिव में लीन हो जाना है। भगवान शंकर वैराग्य के देवता माने गये है। बावजूद शिव ने विवाह कर गृहस्थ आश्रम में रहकर वैराग्य धर्म का अनुसरण करने का तरीका दिया। शिव परिवार में भगवान का वाहन नंदी, मां पार्वती का शेर, गणेश भगवान का मूषक और कार्तिकेय का वाहन मोर है। सभी विपरीत विचारधारा के बीच सामंजस रखना शिव पुराण सिखाता है। कथा वाचक पं. संतोष शास्त्री पदमी वाले ने बताया कि मैना देवी व हिमालय राज की पुत्री के रूप में मां पार्वती जन्म लेकर भगवान शिव की घोर तपस्या की। जिसके प्रभाव से ही भगवान शिव-पार्वती का विवाह संपन्न हुआ। विवाह की कथा के दौरान भगवान शंकर-पावंती की जीवंत झांकी सजाई गई थी। कथा में भगवान शिव-पार्वती विवाह का प्रसंग के साथ बाजे-गाजे के साथ बारात निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में भक्त झूमते हुए शामिल हुए। इस दौरान कथा वाचक पं. संतोष शास्त्री द्वारा भगवान शिव-पार्वती के विवाह से जुड़े गीत सुनाए, तो पूरा कथा स्थल भगवान भोले की भक्ति में डूबा नजर आया।बरगवां सुकतरा में 9 से 17 मार्च तक शिव महापुराण का आयोजन किया जा रहा है।

पट्टा पात्र-अपात्र की अंतिम सूची

मण्डला (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों के भूमिहीन व्यक्तियों को मालिकाना हक देने की दिशा में प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मध्यप्रदेश नगरीय क्षेत्रों के भूमिहीन व्यक्ति पट्टाधृति अधिकारों का प्रदान किया जाना अधिनियम 1984 के तहत आवासीय भूमि के पट्टों के लिए की गई जांच के बाद अब अंतिम सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। विभागीय जानकारी के अनुसार पट्टा प्रदाय करने के लिए पूर्व में सर्वेक्षण किया गया था। प्रारंभिक सूची के प्रकाशन के बाद विभाग को कई दावे और आपत्तियां प्राप्त हुई थीं। इन सभी का सूक्ष्मता से निराकरण करने के बाद कुल 104 हितग्राहियों की पात्रता की पुन: जांच की गई। जांच और सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात, कुल 104 आवेदकों में से केवल 15 हितग्राही ही पट्टा प्राप्त करने हेतु पात्र पाए गए हैं। वहीं, शेष 89 हितग्राहियों को नियमों और मापदंडों के अनुरूप न पाए जाने पर अपात्र घोषित कर दिया गया है। तैयार की गई इस अंतिम सूची को कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। कलेक्टर से अनुमोदन प्राप्त होने के बाद अब सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है। नगरपालिका प्रशासन ने सूचित किया है कि जो भी नागरिक इस सूची का अवलोकन करना चाहते हैं, वे पीएमएवाई शाखा में विवरण देख सकते हैं।

मेरा युवा भारत द्वारा जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित मेरा युवा भारत (माय भारत) जिला दमोह के छात्र क्रांति दल एवं छात्र सर्व कल्याण समिति, दमोह के सहयोग से द्वारा जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय स्टेडियम खेल परिसर दमोह में किया गया जिसके अंतर्गत एथलेटिक्स में 100 एवं 200 मीटर दौड़, गोला फेंक, लंबी कूद, कबड्डी एवं खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत 100 मीटर दौड़ में प्रथम विवेक रजक, द्वितीय नील चौधरी, तृतीय आशुतोष तिवारी, 200 मीटर दौड़ में प्रथम गुंजन जैन, द्वितीय रोहिणी पटेल, तृतीय हेमा पटेल, गोला फेंक में प्रथम रमेश यादव, द्वितीय लवकेश पटेल, तृतीय रामकेश लोधी, लंबी कूद में प्रथम रोहिणी पटेल, द्वितीय शिवानी राय ,तृतीय हेमा पटेल रही तो वहीं कबड्डी प्रतियोगिता में विजेता बजरंग क्लब ने 49 पॉइंट लेकर उपविजेता दमोह कबड्डी एसोसिएशन को 48 पॉइंट पर ही रोक कर 1 पॉइंट से जीत दर्ज की, साथ ही खो-खो में ब्लू पैंथर एवं दमोह डिस्ट्रिक्ट के मध्य मैच खेला गया विशेष सहयोग हेतु रेफरी एवं सहयोगी कल्याण विभाग से खेल शैलेन्द्र चौधरी, कमांडो एकेडमी से करण पटेल, सुधीर पटेल, मानवेंद्र सिंह, मुस्कान पटेल, गुड़िया पटेल, वैदेही पटेल, श्रीकांत चौबे, वर्षा अहिरवार, दुर्गा रजक को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे , विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार नरेंद्र दुबे, जनपद सदस्य संगीता श्रीधर, सिटी कोतवाली टीआई मनीष कुमार, जन अभियान परिषद जिला समन्वयक सुशील

कुमार नामदेव, युवा भाजपा नेता एवं कार्यक्रम प्रभारी कृष्णा पटेल द्वारा शील्ड, प्रमाण पत्र एवं मैडल पहनाकर सभी को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा कि प्रधानमंत्री के आव्हान पर मेरा युवा भारत विभाग दमोह की ओर से खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रकार की खेल प्रतियोगिता निश्चित रूप से ग्रामीण क्षेत्र में छिपी खेल प्रतिभाओं को अवसर देने का काम करती हैं आज बहुत ही उत्कृष्ट प्रदर्शन खिलाड़ियों का देखने मिला निश्चित रूप से यह खिलाड़ी आने वाले समय में दमोह का नाम रोशन करेंगे। पत्रकार नरेंद्र दुबे ने कहा कि खेल के मैदान में इन बच्चों को देखकर निश्चित रूप से अत्यंत प्रसन्न हूं यह खेल का मैदान ही उन्हें अनेक ऊंचाइयों तक लेकर जाएगा जो दमोह को गौरवान्वित करेगा।

जिला रोगी कल्याण समिति की बैठक

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिला योजना भवन में जिला रोगी कल्याण समिति की आवश्यक बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में जिला रोगी कल्याण समिति के आय-व्यय संबंधी लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। जिसकी विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने जिला रोगी कल्याण समिति के अंतर्गत आने वाली 89 दुकानों के नवीनीकरण के लिए निर्देशित किया, जिनकी अनुबंध अवधि समाप्त हो चुकी है। इसके अलावा जो दुकानदार किराया नहीं दे रहे हैं और निविदा शर्तों का पालन नहीं कर रहे हैं उनके विरुद्ध शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने सचिव जिला रोगी कल्याण समिति को जिला चिकित्सालय मण्डला की सुरक्षा के लिए जनहित में सी.सी.टी.वी. कैमरे का कवर एरिया बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों की सुविधाओं को दृष्टिगत करते हुए आवश्यक उन्मुखीकरण और सुधार कार्य सुनिश्चित करें। बैठक में अपर कलेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती सोनल सिडाम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डीजे मोहंती, सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे और अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

न्यायालय अतिरिक्त कमिश्नर जबलपुर संभाग

(पक्षकार को उपस्थित होने संबंधी आम सूचना)

प्रकरण क्रमांक- 0786/अपील / 22-23
दिनांक/18/02/ 2026

रामकृष्ण चंटा / अन्य
पिता मनीराम
निवासी- जाम गांव बिछिया जिला मंडला
.. अपीलार्थी

01 मंगली बाई पिता धरम सिह
निवासी जामगाव तहसील बिछिया मंडला
02 कमली बाई पिता धरम सिह
निवासी जामगाव तहसील बिछिया मंडला
.उत्तरवादीगण

पेशी दिनांक 17.04.2026
समय अपरान्ह 2.00 बजे
स्थान कमिश्नर कार्यालय जबलपुर, जबलपुर संभाग

अपीलार्थी रामकृष्ण चंटा / अन्य पिता मनीराम द्वारा न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी बिछिया मंडला के राजस्व प्रकरण क्रमांक 0047/अपील/22-23 में पारित आदेश दिनांक 23-12-2022 के विरुद्ध इस न्यायालय के समक्ष अपील प्रस्तुत की गई है। प्रकरण में आगामी तिथि दिनांक 17.04.2026 नियत की गई है । अतः प्रकरण में पक्षकारों को इस सूचना पेपर प्रकाशन के माध्यम से सचित किया जाता है कि यदि वे प्रकरण में अपना पक्ष रखना चाहते है वे स्वयं न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत करे। निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा एवं आपतियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । आज दिनांक 18-02-2026 को न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(अमर बहादुर सिंह)
अतिरिक्त कमिश्नर
जबलपुर संभाग

संपादकीय

दलित वोटबैंक पर दांव

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव एक साल बाद है, लेकिन सियासी समीकरण बनाने की कवायद अभी से शुरू हो गई है। दलित और अतिपिछड़े समुदाय के बीच राजनीतिक चेतना जगाने वाले बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती 15 मार्च को है। ऐसे में कांशीराम के बहाने कांग्रेस अपने खिसके हुए जनाधार को वापस लाने और मायावती के दलित वोटबैंक को छीनने का प्लान बना लिया है। कांशीराम को लेकर कांग्रेस ने लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुक्रवार को एक कार्यक्रम रखा, जिसे बहुजन संवाद का नाम दिया गया। इस कार्यक्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत कर दलित-अतिपिछड़े समुदाय के साथ संवाद किया और कांशीराम के विचारों और संघर्ष को आगे बढ़ाने का संकल्प दिलाया। कांग्रेस ने 2025 में कांशीराम की जयंती को दलित गौरव के रूप में मनाया था जबकि इस बार सामाजिक परिवर्तन दिवस के तौर पर मना रही है। ऐसे में कांशीराम के बहाने राहुल गांधी 'बहुजन संवाद' कर सामाजिक न्याय के एजेंडे को धार देते नजर आए।

वैसे भी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इन दिनों सामाजिक न्याय के मुद्दे पर सबसे ज्यादा मुखर नजर आते हैं। जाति जनगणना, आरक्षण और दलित-पिछड़ों के मुद्दे को संसद से सड़क तक उठा रहे हैं। इसी कड़ी में कांशीराम की राजनीतिक विरासत और विचार को आगे बढ़ाने की कवायद भी कर रहे हैं। यह सामाजिक न्याय के मुद्दे को धार देकर उत्तर प्रदेश में दलितों का विश्वास जीतने का दांव चल रहे हैं। दरअसल, आजादी के बाद से लंबे समय तक कांग्रेस का कोर वोटबैंक दलित समुदाय हुआ करता था, लेकिन अस्सी के दशक में बसपा के सियासी उदय के बाद से दलित समाज उत्तर भारत के राज्यों से पूरी तरह छिटक गया है। कांग्रेस से दलित समुदाय को दूर करने का काम कांशीराम ने किया। कांशीराम ने अपनी सियासी पारी का आगाज कांग्रेस के विरोध में शुरू किया और दलित समाज में राजनीतिक और सामाजिक चेतना ऐसी जगाई जगाई कि कांग्रेस हाशिए पर पहुंच गई। बसपा की क्या पहचान, नीला झंडा और हाथी निशान का नारा दलित गांव में गूंजने लगा था। दलित समाज के बीच बसपा की यही पहचान थी और सियासी ताकत। दलित समुदाय बसपा का मुख्य वोटबैंक बन गया, जिसके सहारे मायावती चार बार यूपी की मुख्यमंत्री बनीं और कांग्रेस सियासी वनवास पर चली गई। कांग्रेस ने अब एक बार फिर दलित समाज के विश्वास को हासिल करने के लिए कांशीराम को अपना सियासी हथियार बनाने का दांव चला है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह प्रयास पार्टी की उस बड़ी कोशिश का हिस्सा है, जिसके तहत वह अपने उस पुराने दलित जनाधार से फिर से जुड़ना चाहती है, जिस पर बसपा के उदभव से पहले कभी उसका कब्जा था। कांग्रेस के रणनीतिकार मानते हैं कि बसपा के लगातार कमजोर होने के बाद से फिलहाल दलित वोटर कहीं स्थाई तौर पर नहीं जुड़ा है। कांग्रेस को लगता है कि पार्टी अपने पुराने दलित वोट बैंक को फिर अपनी ओर खींच सकती है। कांशीराम शुरू से कहते रहे हैं, जिसकी जितनी भागीदारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी। इस बात को राहुल गांधी इन दिनों हर मंच से उठा रहे हैं, जिसके जरिए दलित और ओबीसी के विश्वास को जीतने की रणनीति मानी जा रही है। कांग्रेस को लगता है कि दलित मतदाता अब किसी अन्य विकल्प की तलाश में हैं। इसीलिए सपा और कांग्रेस कांशीराम की जयंती मनाकर खुद को उनके असली उत्तराधिकारी के रूप में पेश करने की तैयारी में है।

इच्छा मृत्यु केवल कानून ही नहीं, मानवीय गरिमा का प्रश्न

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारतीय समाज में यह गहरी धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की सेवा तब तक की जाए, जब तक उसके प्राण स्वाभाविक रूप से समाप्त न हो जाएं। जीवन की रक्षा और उसकी देखभाल को एक नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाता रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में रोगी की सेवा केवल चिकित्सा का विषय नहीं होती, बल्कि भावनात्मक, धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से भी जुड़ी होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि प्रियजन की मृत्यु के बाद भी उसे लंबे समय तक जीवन लौटने की आशा में संभालकर रखा जाता रहा है। लेकिन जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौटने की कोई संभावना न हो और उसका अस्तित्व केवल कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर रह जाए, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल जैविक अस्तित्व को बनाए रखना ही जीवन की रक्षा है? या फिर जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए व्यक्ति को पीड़ा से मुक्ति देने का अधिकार भी स्वीकार किया जाना चाहिए?

इसी जटिल और संवेदनशील प्रश्न के केंद्र में 11 मार्च 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह निर्णय है, जिसमें गाज़ियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी गई। लगभग तेरह वर्षों से कोमा में जीवन बिताने वाले इस युवक के मामले में अदालत का यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश भर नहीं है, बल्कि जीवन, मृत्यु और मानवीय गरिमा के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर एवं संवेदनशील प्रयास भी है। दरअसल, हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि इच्छामृत्यु का प्रश्न केवल कानून का विषय नहीं है, बल्कि एक गहरी मानवीय कहानी भी है। यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन-मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए।

इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण आधार भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इस अनुच्छेद की व्याख्या को व्यापक बनाते हुए यह स्पष्ट किया कि जीवन का अधिकार केवल सांस लेने या जीवित रहने का अधिकार नहीं है, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार भी है। इसी संवैधानिक दृष्टिकोण ने आगे चलकर यह प्रश्न उठाया कि यदि व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार है, तो क्या उसे गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी नहीं होना चाहिए? भारत में इच्छामृत्यु से जुड़ा न्यायिक विमर्श धीरे-धीरे विकसित हुआ है। वर्ष 2011 में अरुणा

शानबाग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। यह मामला एक ऐसी नर्स का था, जो दशकों तक कोमा की स्थिति में रही। उस निर्णय ने इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया। इसके बाद वर्ष 2018 में कॉमन कॉज़ बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक फैसले में अदालत ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को संवैधानिक मान्यता देते हुए 'लिविंग विल' की अवधारणा को स्वीकार किया। इसके अनुसार कोई व्यक्ति अपने जीवनकाल में ही यह लिखित रूप में व्यक्त कर सकता है कि यदि वह असाध्य स्थिति में पहुंच जाए तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर न रखा जाए।

हरीश राणा के मामले में चिकित्सा विशेषज्ञों के बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य शेष नहीं रह गया था। चिकित्सा केवल जैविक अस्तित्व को लंबा खींचने का माध्यम बन गई थी। ऐसे में अदालत की स्वीकृति इस कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा केवल जीने में ही नहीं, बल्कि मृत्यु में भी बनी रहनी चाहिए। फिर भी इच्छामृत्यु का प्रश्न अत्यंत जटिल और विवादास्पद रहा है। दुनिया के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर नैतिक और कानूनी बहस चलती रही है। कई देशों ने इसे सीमित परिस्थितियों में कानूनी मान्यता दी है, जबकि कई अन्य देशों में इसके दुरुपयोग की आशंका के कारण इसे स्वीकार नहीं किया गया है। भारत में भी यह विषय संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि यहां पारिवारिक संबंधों, धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक भावनाओं की भूमिका अत्यंत गहरी है।

इसी संदर्भ में जैन धर्म में प्रचलित संथारा या सल्लेखना की परंपरा भी कई बार चर्चा में आती रही है। जैन दर्शन में इसे मृत्यु का महोत्सव कहा गया है। संथारा का अर्थ है-जीवन के अंतिम चरण में धीरे-धीरे आहार और शरीर की आसक्तियों का त्याग करते हुए शांति एवं समाधिपूर्वक मृत्यु को स्वीकार करना। जैन आचार विचार में इसे आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का सर्वोच्च रूप माना गया है। संथारा और आधुनिक इच्छामृत्यु के बीच अंतर भी है और समानताएं भी। संथारा का आधार आध्यात्मिक साधना और वैराग्य है, जबकि आधुनिक इच्छामृत्यु का आधार चिकित्सा विज्ञान और मानवीय पीड़ा से मुक्ति का विचार है। फिर भी दोनों के केंद्र में एक समान भाव दिखाई देता है-जीवन की अंतिम अवस्था में गरिमा और स्वायत्तता का सम्मान। हालांकि इस परंपरा को लेकर भी न्यायालयों में बहस होती रही है कि क्या इसे धार्मिक स्वतंत्रता माना जाए या आत्महत्या के रूप में देखा जाए। इस बहस ने यह स्पष्ट किया है कि जीवन और मृत्यु से जुड़े प्रश्न केवल कानूनी तर्कों से हल नहीं होते, बल्कि उनमें नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयाम भी शामिल होते हैं। प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक विनोबा भावे ने इस परंपरा की विशेष सराहना की थी। उन्होंने कई अवसरों पर यह इच्छा भी व्यक्त की थी कि यदि संभव हो तो वे भी जीवन के अंतिम क्षणों में इसी प्रकार की शांत, संयमित और जागरूक मृत्यु प्राप्त करना चाहेंगे।

इसीलिए हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि संविधान की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवेदनशील व्याख्या में निहित है। जब न्यायपालिका जीवन के अधिकार की व्याख्या करते हुए मानवीय गरिमा और करुणा को केंद्र में रखती है, तब वह केवल कानून का पालन नहीं करती, बल्कि समाज को अधिक संवेदनशील और मानवीय दिशा भी प्रदान करती है। यह भी सच है कि भारत में इच्छामृत्यु को लेकर अभी तक कोई समग्र और स्पष्ट कानून नहीं है। न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद परिवारों और चिकित्सकों को कई बार जटिल प्रक्रियाओं और कानूनी आशंकाओं का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं इस विषय पर एक व्यापक कानूनी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया है। ऐसा कानून बनाते समय दो महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना होगा। पहली, यह कि असाध्य रोगियों को अनावश्यक पीड़ा से मुक्ति मिल सके। दूसरी, यह कि किसी प्रकार के दबाव, स्वार्थ या आर्थिक कारणों से किसी व्यक्ति को इच्छामृत्यु के लिए विवश न किया जा सके। स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्त इच्छा का सम्मान इस प्रक्रिया के आवश्यक तत्व होने चाहिए।

निश्चिततौर पर यह कहा जा सकता है कि हरीश राणा के मामले में दिया गया निर्णय केवल एक न्यायिक आदेश नहीं है, बल्कि संवैधानिक करुणा का एक उदाहरण है। इसमें न्याय, संवेदना और मानवीय गरिमा तीनों का संतुलित रूप दिखाई देता है। वास्तव में यह निर्णय हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि जीवन का सम्मान केवल उसे लंबा खींचने में नहीं, बल्कि उसकी गरिमा को बनाए रखने में है। जब उपचार असंभव हो जाए और चिकित्सा केवल पीड़ा को बढ़ाने का माध्यम बन जाए, तब गरिमापूर्ण विदाई भी मानवीयता का ही विस्तार बन जाती है। इस दृष्टि से यह आवश्यक है कि भारत में इच्छामृत्यु के प्रश्न पर व्यापक सामाजिक संवाद हो और एक ऐसा संवेदनशील तथा संतुलित कानूनी ढांचा तैयार किया जाए, जो व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने और गरिमा के साथ मरनेकृदोनों का अधिकार सुनिश्चित कर सके।

युद्ध और आम नागरिक

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

एक तरफ जहां पश्चिम एशिया में ईरान-इजराइल व अमेरिका युद्ध को लेकर भयंकर हाहाकार मचा हुआ है और पूरी दुनिया भीषण आर्थिक झंझावतों से जूझने के कगार पर पहुंच गई है तो भारत में संसद का सत्र चालू है जिसमें इस मामले को लेकर विदेश मन्त्री श्री एस. जयशंकर बयान दे चुके हैं कि भारत कभी भी युद्ध के पक्ष में नहीं रहा है और वह हर मामले का शान्तिपूर्ण हल चाहता है परन्तु युद्ध की विभीषिका इतनी प्रबल होती है कि चाहे-अनचाहे वह दुनिया के विभिन्न शान्ति प्रिय देशों को भी अपनी चपेट मे लेने की क्षमता रखती है। अत: भारत में पश्चिम एशिया के युद्ध के जो विपरीत प्रभाव पड़ रहे हैं उसे हम सब देख रहे हैं। इस मामले में अभी तक सबसे बड़ा बुरा असर ईंधन गैस की सप्लाई पर पड़ा है और पूरे देश में इसकी किल्लत महसूस की जाने लगी है परन्तु इसके लिए सीधे सत्तारूढ़ सरकार को दोषी बता देना भी कदापि उचित नहीं है क्योंकि भारत 80 प्रतिशत से अधिक ईंधन गैस की आपूर्ति आयात द्वारा ही करता है।

पश्चिम एशिया का युद्ध अब ऐसे मोड़ पर पहुंच चुका है जहां युद्ध के सभी नियम धराशायी हो रहे हैं और ईरान व इजराइल तथा अमेरिका एक-दूसरे की ताकत को खत्म कर देने की कोशिश में सभी नैतिक मानदंडों को ताक पर रख रहे हैं जिसकी वजह से पूरे विश्व में पेट्रोलियम कच्चे तेल की सप्लाई रुक जाने के खतरे बढ़ते जा रहे हैं। इस मामले में सबसे पहले यह समझना होगा कि यह लड़ाई पूरी तरह गैर संवैधानिक व नियम विरुद्ध है जो अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प की जिद की वजह से शुरू हुई है। श्री ट्रम्प ने युद्ध शुरू करते हुए अपना लक्ष्य बताया था कि वह ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहते हैं। इस क्रम में उन्होंने ईरान पर हमला करके उसके सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की हत्या तक कर दी परन्तु ईरान में वहां की राष्ट्रवादी जनता ने इसे अपनी संप्रभुता पर सीधा हमला माना और वह ईरान की सत्ता पर काबिज दूसरी पंक्ति के नेताओं के पीछे चलने लगी। इसके बाद ईरान ने इस युद्ध में अपनी पूरी सामरिक शक्ति व सामर्थ्य को झोंकते हुए पूरे खाड़?ी व पश्चिम एशियाई इलाकों के विभिन्न देशो में स्थापित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमला करना शुरू किया और अपने नियन्त्रण में होर्मुज के जलडमरू मध्य के समुद्री मार्ग को एक हथियार बनाना शुरू किया जिससे पूरी दुनिया का 20 प्रतिशत से अधिक कच्चे तेल का दुनिया के विभिन्न देशों को यातायात किया जाता है। अब इस जलडमरू मध्य से ईरान केवल कुछ गिने-चुने देशों के जहाजों को छोड़ कर अन्य देशों के जहाजों को गुजरने नहीं दे रहा है और चेतावनी दे रहा है कि यदि ऐसा करने का प्रयास किन्हीं अन्य देशों ने किया तो उसके गंभीरतम परिणाम होंगे।युद्ध में जब ऐसा मुकाम आता है तो अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक व रणनीतिक समीकरण बदलने लगते हैं। अत: हम आज जो कुछ भी होर्मुज जलडमरू मध्य में देख रहे हैं वह केवल युद्ध के दुष्परिणाम ही हैं। जहां तक खाड़ी व अरब देशों का सवाल है तो वे भी इस युद्ध में अमेरिका के सहयोगी बने रहने का परिणाम भुगत रहे हैं। मगर इस युद्ध से केवल कच्चे तेल के भाव ही प्रभावित हों ऐसा नहीं है क्योंकि होर्मुज जलडमरू मध्य वाणिज्यिक पोतों का मुख्य मार्ग है जिसकी वजह से विभिन्न देशों मे अन्य सामान की सप्लाई भी प्रभावित होती है यही वजह है कि भारत में केवल ईंधन गैस की किल्लत होने से ही इसके महानगरों के होटलों व रेस्टोरेंटों के व्यापार में भारी गिरावट दर्ज हो रही है। इतना ही समुद्री व्यापारिक मार्गों के अवरुद्ध होने की वजह से अन्य वस्तुओं पर भी परोक्ष रूप से प्रभाव पड़ रहा है।

अब महत्वपूर्ण सवाल यह है कि भारत इस संकट का मुकाबला किस प्रकार करे? जहां तक कच्चे तेल का सवाल है तो भारत ने रूस से इसका आयात बढ़ा दिया है और अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की आपूर्ति करने के लिए विश्व के दूसरे उत्पादक देशों के साथ अनुबन्ध करने शुरू कर दिये हैं। इसके साथ यह भी समझना जरूरी है कि इस अनचाहे संकट का हम भारतवासी किस प्रकार मुकाबला करें जिससे हमारे कष्ट कम से कम हो सकें। इस सन्दर्भ में हमारी संसद के चल रहे सत्र का महत्व बहुत अधिक हो जाता है क्योंकि पूरी संसद समवेत स्वर में कह सकती है कि मौजूदा सरकार को केवल अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च रखते हुए ऐसी नीति का अनुसरण करना चाहिए जिससे आम भारतीयों को कम से कम कष्ट भोगना पड़े। बेशक भारत में बहुदलीय राजनीतिक प्रशासनिक व्यवस्था है परन्तु इसका मुख्य ध्येय केवल आम नागरिक का बहुआयामी विकास ही है। यह कार्य तभी हो सकता है जब हम अपनी लोकतान्त्रिक प्रणाली का उपयोग संकटकालीन परिस्थितियों में सर्वदलीय मतैक्य स्थापित करने के लिए करें। इस काम में सरकार को ही सबसे पहले आगे बढ़कर आना होगा और विपक्षी दलों को विश्वास में लेना होगा और साथ ही विपक्षी दलों को भी अपने तात्कालिक राजनीतिक लाभों को दरकिनार करते हुए आम नागरिक के साथ खड़ा होना होगा लेकिन हमने देखा कि लोकसभा में कल इसके अध्यक्ष के विरुद्ध रखे गये अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान किया जो ध्वनिमत से ही गिर गया। आज सदन में इस अविश्वास प्रस्ताव पर हुई बहस का जायजा लेते हुए अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने लगभग 28 मिनट का वक्तव्य दिया जिसमें उन्होंने सदन की प्रतिष्ठा व मान-मर्यादा को नियमानुसार बनाये रखने का संकल्प दोहराया। हमारी संसदीय लोकतान्त्रिक प्रणाली पर अंगुली उठाने की गुंजाइश इसलिए नहीं बनती है क्योंकि हमने जिस संविधान के तहत इस प्रणाली की स्थापना की है उसमें सभी प्रकार के मतों को समाहित करने का सामर्थ्य है बशर्ते वे केवल अहिंसक मार्ग के हों। अत: असली सवाल उस राष्ट्रबोध का है जिसके तहत समूची प्रजातान्त्रिक व्यवस्था नतमस्तक रहती है। इस राष्ट्रबोध में भारत का आम नागरिक सबसे पहले आता है जिसकी वजह से भारत गणतन्त्र कहलाता है। अत: संसद का कर्त्तव्य बनता है कि वह इसी आम आदमी की कठिनाइयों के निवारण के लिए राजनीतिक हितों को फिलहाल तिलांजिली देकर उसे सशक्त करने के बारे में सोचें।

ऐसा और वैसा होना चाहिए

संतोष उत्सुक

प्रसिद्ध होना सबके लिए आसान नहीं है लेकिन आजकल अनगिनत लोग इसी कोशिश में लगे रहते हैं कि कुछ न कुछ ऐसा कर सकें या उनकी ज़िंदगी में कुछ इतना बढ़िया हो जाए कि मशहूर हो जाएं। चाहे समाज में व्यावहारिक स्तर पर न सही लेकिन सोशल मीडिया पर ही ज्यादा से ज़्यादा लाइक्स मिल जाएं और प्रसिद्ध हो जाएं। प्रसिद्धि के बहाने कम या ज़्यादा पैसा भी कमा लिया जाए तो सोने पर सुहागा लेकिन इस चक्कर में कई बार, ऐसा ही नहीं वैसा भी कर बैठते हैं।

व्यंग्य

एक बार किसी भी तरह की मेहनत कर प्रसिद्ध हो जाओ और दौलत भी कमा लो तो, समाज तो क्या असमाज में भी पूछ होने लगती है। कई तरह के पत्रकार, वीडियो पकाने और बनाने वाले आपके घने मित्र बने रहते हैं। प्रसिद्धि और दौलत के नए मालिकों बारे दूसरों को बताकर खुद भी कुछ न कुछ कमाने का जुगाड़ करते रहते हैं। एक बार मिली ज़िंदगी में, पैसे के रास्ते पर चलकर आराम और सुविधाएं आ जाएं तो पहनावे और बालों का रंग तो करवट बदलता ही है बात करने के विषय भी बदल जाते हैं। ज़बान का लहज़ा बदल जाता है। नई शैली में असंभव बातें करना भी संभव हो जाता है। चारों तरफ, आठों पहर उपदेशों के फूल खिले रहते हैं।

प्रसिद्ध चेहरे क्या क्या कहते और कह सकते हैं यह देखने, सुनने और और पढ़ने से पता चलता है। जिस व्यक्ति ने कभी एक पौधा न लगाया वे कहते हैं, हमेशा पर्यावरण का सम्मान करें। हमारे सभ्य और विकासशील समाज के जेन जी को गलत आदतों और भेदभाव से दूर रहना चाहिए क्यूंकि देश का भविष्य जीडीपी की ग्रोथ और समृद्धि उन पर टिकी है। डरपोक और सुस्त लेकिन अब प्रसिद्ध हुआ चेहरा जिसने कभी फुटबाल में एक किक नहीं लगाई, फ़रमाएगा कि हमें खेलों में और बेहतर करना चाहिए। खेल का स्तर उठाना चाहिए। वे सुझाव देंगे कि हमें सुरक्षा क्षेत्र में अविजित बनने के अतिरिक्त, सॉफ्ट सुपर पॉवर भी बनना चाहिए। लगे हाथ वे सामाजिक और नैतिक उपदेश भी उपहार में देंगे।

किसी समय मारधाड़ विशेषज्ञ, मोहल्ले के दादा, अब राजनीति में धाक जमाती प्रसिद्ध ज़बान बोलेगी, आशा है हम नदियों की उपयोगिता समझेंगे। हमारे देश की सभी नदियां और हवाएं शुद्ध रहनी चाहिएं। इसके लिए हमें हाथ मिलाकर काम करना चाहिए। देश और दुनिया में शांति, सहिष्णुता और इंसानियत को प्राथमिकता मिले इसलिए हम सब बेहतर इंसान बनने की कोशिश करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। शारीरिक रूप से कमज़ोर व्यक्ति भी नाम कमा सकता है। ऐसे ही प्रसिद्ध हुए कमज़ोर से व्यक्ति ने कहा, सेहत ही असली दौलत है। हम सभी को तनाव से दूर रहना चाहिए फिट रहने के लिए जिम में घंटो पसीना बहाना ज़रूरी नहीं, माइंड सेट ताक़तवर होना चाहिए। प्रसिद्ध वनकाटू जो भविष्य में सफल राजनीतिज्ञ हो गए, ने सख्ती से कहा, पर्यावरण के लिए सचमुच गंभीर होने की ज़रूरत है। इसे संभालने कोई और नहीं आएगा। स्वच्छ हवा पानी की सभी को ज़रूरत है। खुद पर भरोसा करना ज़रूरी है ताकि प्रदूषण न झेलना पड़े। अपनी बात में उन्होंने यह भी जोड़ दिया कि हमारे विकसित समाज में महिला अपराधों को लेकर जीरो टॉलरेंस होना चाहिए। सभी ने समझाया कि ऐसा या वैसा होना चाहिए।

युद्ध के बावजूद ईरान की हवा साफ, मगर शांति के बावजूद दिल्ली, मुंबई में एक्यूआई खतरनाक स्तर पर

नीरज कुमार दुबे

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

पश्चिम एशिया इस समय युद्ध की आग में झुलस रहा है। लेबनान, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और इजराइल के कई इलाकों में मिसाइल हमले और बमबारी जारी हैं। कई शहरों के ऊपर तेल और धुएं के काले गुबार उठते दिखाई दे रहे हैं। इसके बावजूद एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि इन युद्ध प्रभावित इलाकों की हवा भारत के कई प्रमुख शहरों से कहीं ज्यादा साफ है। वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई के आंकड़े बताते हैं कि युद्ध क्षेत्र में भी हवा का स्तर दिल्ली और मुंबई जैसे भारतीय महानगरों 11 मार्च 2026 को भारतीय समयानुसार शाम चार बजे वायु गुणवत्ता मंच एक्यूआई डाट इन के आंकड़ों के अनुसार तेहरान का एक्यूआई लगभग 33 दर्ज किया गया, जबकि उसी समय दिल्ली का एक्यूआई 63 था। दिन के दौरान भी स्थिति इसी तरह रही। दोपहर बारह बजे तेहरान का अधिकतम एक्यूआई 47 रहा, जो अच्छे स्तर में आता है। इसके विपरीत दिल्ली में सुबह आठ बजे एक्यूआई 323 तक पहुंच गया, जो अत्यंत खराब श्रेणी में आता है। यह स्थिति तब है जब तेहरान और आसपास के क्षेत्रों में तेल भंडार और ऊर्जा ढांचे पर हमलों के कारण धुएं और जहरीली गैसों की आशंका बनी हुई है। सोशल मीडिया पर आठ मार्च की रात तेहरान के ऊपर काले धुएं के घने बादल दिखने के दृश्य सामने आए थे। यहां तक कि कुछ इलाकों में काली वर्षा की भी खबरें आईं, जो तेल भंडार में लगी आग और रासायनिक धुएं का परिणाम मानी जा रही हैं। लोगों ने गले में जलन और आंखों में खुजली की शिकायत की, और प्रशासन ने नागरिकों को घर के भीतर रहने की सलाह दी।

इसके बावजूद वास्तविक समय के आंकड़े बताते हैं कि तेहरान में एक्यूआई अधिकतर समय शून्य से पचास के बीच यानी स्वस्थ श्रेणी में बना रहा। यह तथ्य भारतीय शहरों की वायु गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है क्योंकि भारत के कई महानगरों में वायु प्रदूषण लगातार खराब, बहुत खराब या गंभीर श्रेणी में रहता है।

विशेषज्ञों के अनुसार भारत में प्रदूषण की समस्या मुख्य रूप से स्थानीय कारणों से पैदा होती है। सबसे बड़ा कारण वाहनों से निकलने वाला धुआं है। तेजी से बढ़ती निजी गाड़ियों की संख्या नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कणों को बढ़ाती है। यही वजह है कि दिल्ली के साथ-साथ बेंगलुरु, हैदराबाद और लखनऊ जैसे शहर भी समय समय पर खराब हवा से जूझते रहते हैं।

इसके अलावा निर्माण कार्य से उठने वाली धूल, उद्योगों और बिजली संयंत्रों से निकलने वाले धुएं तथा ईंट भट्टों से उत्सर्जित गैसें भी प्रदूषण को बढ़ाती हैं। डीजल जनरेटर से निकलने वाला धुआं और सड़कों की धूल इस समस्या को और गंभीर बनाते हैं। ग्रामीण इलाकों में खाना पकाने के लिए लकड़ी, गोबर और जैव ईंधन जलाने से भी हवा में प्रदूषण बढ़ता है। उत्तर भारत में एक और महत्वपूर्ण कारण खेतों में पराली जलाना है। पड़ोसी राज्यों में पराली जलने से धुआं बड़ी मात्रा में दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक पहुंचता है और सर्दियों में प्रदूषण की स्थिति बेहद खराब कर देता है।

भौगोलिक स्थिति भी दिल्ली में प्रदूषण बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाती है। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एक तरह के निचले बेसिन में स्थित है। इसके उत्तर में हिमालय, दक्षिण पश्चिम में अरावली पर्वतमाला और दक्षिण में प्रायद्वीपीय पठार हैं। इस कारण प्रदूषक तत्व यहां फंस जाते हैं और आसानी से बाहर नहीं निकल पाते। साथ ही उत्तर पश्चिम से बलूचिस्तान और थार मरुस्थल की ओर से आने वाली धूल भी प्रदूषण को बढ़ाती है। इसके विपरीत तेहरान, तेल अवीव, बेरूत और दुबई जैसे कई पश्चिम एशियाई शहर समुद्र के नजदीक स्थित हैं या ऐसे क्षेत्रों में हैं जहां हवाएं प्रदूषकों को तेजी से फैलाकर साफ कर देती हैं। समुद्र के किनारे होने के कारण हवा का प्रवाह बेहतर रहता है और प्रदूषण का जमाव कम होता है।

वहीं मुंबई समुद्र किनारे होने के बावजूद प्रदूषण से जूझता है। विशेषज्ञों के अनुसार इसका मुख्य कारण स्थानीय स्रोत हैं, खासकर वाहनों की अत्यधिक संख्या। मुंबई में वाहनों का घनत्व कई शहरों की तुलना में कई गुना ज्यादा है, इसलिए यहां प्रदूषण का स्तर भी ऊंचा बना रहता है।

इसके अलावा, युद्ध से होने वाला प्रदूषण भी एक अलग प्रकृति का होता है। बमबारी या आग लगने से भारी मात्रा में धुआं और जहरीली गैसें निकलती हैं, लेकिन यह प्रदूषण अक्सर अस्थायी होता है। जब आग बुझ जाती है या घटना समाप्त हो जाती है तो उस स्रोत से निकलने वाला प्रदूषण भी रुक जाता है। इसके विपरीत वाहनों, उद्योगों और निर्माण कार्य से निकलने वाला धुआं लगातार हवा में जाता रहता है, जिससे लंबे समय तक प्रदूषण बना रहता है। हम आपको यह भी बता दें कि दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हाल के दिनों में दिखाई दी गई स्मॉग को लेकर भी कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं कि यह ईरान में तेल रिफाइनरी पर हमलों से जुड़ी हो सकती है। हालांकि मौसम विशेषज्ञों ने इसे खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह स्मॉग दरअसल पश्चिमी हवाओं के साथ आई मरुस्थलीय धूल का परिणाम है। पांच से सात मार्च के बीच बलूचिस्तान और मध्य पाकिस्तान से चली तेज पश्चिमी हवाएं राजस्थान के थार मरुस्थल से होकर गुजरीं और बड़ी मात्रा में धूल को उत्तर पश्चिम भारत तक ले आईं। हवा में तैरते ये धूल कण आकाश को धूसर और भूरा बना देते हैं और दृश्यता कम कर देते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान में हुए विस्फोटों का प्रदूषण भारत तक पहुंचने की संभावना बहुत कम है, क्योंकि दोनों क्षेत्रों के बीच लगभग ढाई से तीन हजार किलोमीटर की दूरी है। इतनी लंबी दूरी तय करते समय प्रदूषक तत्व काफी कमजोर हो जाते हैं। देखा जाये तो वायु प्रदूषण का स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ता है। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, हृदय रोग और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बच्चों के फेफड़ों के विकास पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है और फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। एक हालिया वैश्विक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में लगभग सत्रह लाख अठारह हजार लोगों की मौत वायु प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के कारण हुई।

युद्ध क्षेत्र में उठने वाला धुआं भले ही डरावना दिखाई दे, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार भारत के शहरों में फैला स्थायी प्रदूषण कहीं ज्यादा खतरनाक है। यह धीरे धीरे लोगों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है और एक तरह से अदृश्य हत्यारा बन जाता है।

बहरहाल, इस पूरी स्थिति से एक स्पष्ट संदेश मिलता है कि भारत में प्रदूषण से निपटने के लिए वाहनों के उत्सर्जन, उद्योगों के धुएं, निर्माण धूल और पराली जलाने जैसी समस्याओं पर सख्त नियंत्रण जरूरी है। जब तक इन स्रोतों को प्रभावी तरीके से नियंत्रित नहीं किया जाएगा, तब तक देश के शहरों में स्वच्छ हवा का सपना अधूरा ही रहेगा।

ईरान ने मार गिराया अमेरिका का केसी 135 विमान, मिसाइल से बनाया गया निशाना

नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में जारी भीषण तनाव के बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां अमेरिका को एक बड़ा झटका लगा है। दरअसल अमेरिका का एक रिफ्यूलिंग विमान इराक के आसमान में क्रैश हो गया है। जिसे लेकर ईरान की तरफ से बड़ा दावा सामने आ रहा है। ईरान ने दावा किया है कि इराक में सक्रिय विद्रोही गुटों ने अमेरिका के एक शक्तिशाली सैन्य विमान को मार गिराया है। हालांकि ईरान के इन दावों को अमेरिका ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। लेकिन विमान के क्रैश होने की खबर को अमेरिका ने सच बताया है। दरअसल ईरान के सरकारी मीडिया के मुताबिक पश्चिमी इराक में सक्रिय रेजिस्टेंस फ्रंट के लड़ाकों ने अमेरिका के एक केसी 135 स्टेटोस टैंकर रिफ्यूलिंग विमान को मिसाइल से निशाना बनाया है। ईरान ने दावा किया कि यह विमान उस समय आसमान में उड़ रहा था और एक लड़ाकू विमान में हवा में ही ईंधन भर रहा था। इसी दौरान इस विमान पर एयर डिफेंस सिस्टम से टारगेट कर दिया गया।

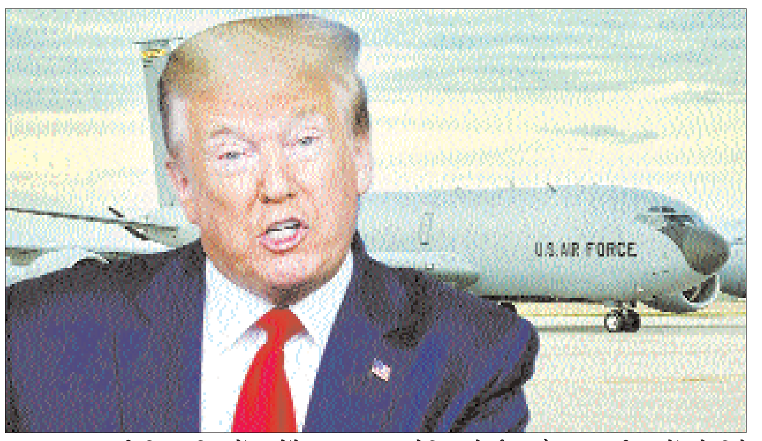

ईरान के रिवोलशनरी गार्ड कॉप्स यानी आईआरजीसी के जनसपर्क विभाग ने भी एक बयान जारी किया जिसमें उन्होंने बताया कि रजिस्टेंट फ्रंट की एयर डिफेंस यूनिट ने इस अमेरिकी विमान को सफलतापूर्वक मार गिराया है। ईरान के इस दावे के सामने आने के बाद से पूरी दुनिया में चर्चा तेज हो गई। क्योंकि केसी 135 जैसे विमान अमेरिकी सेना के सबसे अहम रणनीतिक विमानों में से गिने जाते हैं। इनका काम हवा में उड़ते हुए फाइटर जेट्स और बॉम्बर्स विमानों को ईंधन उपलब्ध कराना होता है। जिसकी मदद से वह बिना लैंड किए लंबे समय तक मिशन पर बने रह सकते हैं। लेकिन दूसरी तरफ अमेरिका ने ईरान के इन सभी दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी सेंट कॉम ने पुष्टि की है कि उनका एक बोइंग केसी 135 रिफ्यूलिंग विमान इराक के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त जरूर हुआ है। लेकिन यह किसी मिसाइल या हमले की वजह से नहीं गिरा है। अमेरिकी सेना के मुताबिक यह हादसा उस समय हुआ जब उनका बड़ा सैन्य अभियान ऑपरेशन एपिक फ्यूरी चल रहा था। आपको बता दें ऑपरेशन एपिक फ्यूरी वही ऑपरेशन है जो ईरान के खिलाफ अमेरिका ने शुरू किया है। सेना ने बताया कि इस मिशन में दो केसी 135 विमान उड़ान भर रहे थे और इनमें से एक विमान सुरक्षित तरीके से लैंड करने में कामयाब रहा। जबकि दूसरा विमान पश्चिम इराक के इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सेंट कॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि यह घटना मित्र देश के हवाई क्षेत्र में हुई है और इसमें किसी भी दुश्मन की गोलीबारी या मिसाइल हमले का कोई सबूत नहीं मिला है।

फिलहाल अमेरिकी सेना ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। साथ ही में घटना स्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन भी चलाया है। बचाव दल मलबे की जांच में जुटे हुए हैं और विमान में सवार क्रू मेंबर के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। अब तक की रिपोर्ट में यह सामने आया है कि उस विमान में पांच क्रू मेंबर मौजूद थे। अमेरिका ने तुरंत ही राहत बचाव के लिए अपने और कई विमान उस इलाके में भेज दिए हैं। यह घटना ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता हुआ जा रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या वाकई इस अमेरिकी विमान को किसी मिसाइल से गिराया गया है या फिर यह मात्र एक दुर्घटना थी।

ईरान ने दी तेल और गैस भंडारों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली

ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है और कहा कि ईरान, अमेरिका को पछताने पर मजबूर कर देगा। ईरान ने कहा कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना शिकंजा कसना जारी रखेगा, जिससे तेल की कीमतें आसमान छूने लगेंगी। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने चेतावनी दी कि मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध, तेल उद्योग के इतिहास में आपूर्ति में सबसे बड़ी बाधा का कारण बन सकता है। आईई की चेतावनी के बाद भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, ईरान के दुष्ट साम्राज्य को हराना कच्चे तेल की कीमतों से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी खुफिया सूत्रों ने बताया कि ईरान ने इस जलमार्ग में समुद्री माइंस बिछाना शुरू कर दिया है। ईरान ने अमेरिका को धमकी देते हुए कहा है कि वो इस रास्ते से जाने वाले गैस और तेल में आग लगा देंगे। ईरान ने कहा, जब तक अमेरिका-इजरायल के हमले जारी रहेंगे, तब तक एक लीटर तेल भी बाहर नहीं जा सकेगा। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से दुनिया के समुद्री तेल व्यापार का एक-चौथाई हिस्सा गुजरता है। इस जलमार्ग के रास्ते ही दुनिया की लिक्विफाइड नेचुरल गैस की आपूर्ति का पांचवां हिस्सा गुजरता है। यह ईरान के तट के पास स्थित है। ईरान के सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, युद्ध शुरू करना आसान है, लेकिन इसे कुछ ट्वीट से जीता नहीं जा सकता। हम तब तक पीछे नहीं हटेंगे जब तक हम आपको इस गलत अनुमान के लिए पछताने पर मजबूर नहीं कर देते। ईरान के नए सुप्रीम लीडर बनने के बाद मोजतबा खामेनेई का बयान भी सामने आया। खामेनेई ने उस जलमार्ग के बारे में कहा, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने के हथियार का इस्तेमाल निश्चित रूप से किया जाना चाहिए। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका-इजरायल का संयुक्त अभियान ईरान और लेबनान में तेहरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह को कुचल रहा है। नेतन्याहू ने एक टेलीविजन मीडिया ब्रीफिंग में कहा, ईरान के खिलाफ इस युद्ध का मकसद उसके परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को पंगु बनाने के अलावा ईरानी लोगों के लिए ऐसी स्थितियाँ बनाना है जिससे इस शासन को गिराया जा सके।

रूस से तेल आपूर्ति पर बातचीत करेगा थाईलैंड : उपप्रधानमंत्री

बैंकॉक, (वार्ता)

थाईलैंड के उपप्रधानमंत्री फीफाट रत्चाकिप्राकार्न ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए बातचीत शुरू करने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि अमेरिका के हालिया बयान के बाद रूसी तेल निर्यात के बहिष्कार में ढील की जानकारी सामने आई है। इसके बाद थाईलैंड भी उन देशों में शामिल होगा जो रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर बातचीत शुरू करेंगे। यह वार्ता थाईलैंड के ऊर्जा मंत्रालय की ओर से शुरू की जाएगी। उपप्रधानमंत्री के अनुसार, फिलहाल थाईलैंड के पास पेट्रोलियम प्रसंस्करण के लिए लगभग 98 दिनों के बराबर कच्चे तेल का भंडार मौजूद है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण फारस की खाड़ी से आने वाली तेल आपूर्ति पर खतरा बना हुआ है। सामान्य परिस्थितियों में थाईलैंड के कुल तेल आयात का करीब 50 प्रतिशत हिस्सा पर्शियन गल्फ से आता है, जबकि बाकी 50 प्रतिशत अन्य वैकल्पिक स्रोतों से प्राप्त होता है।

श्री रत्चाकिप्राकार्न ने बताया कि वह, थाई प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल और कैबिनेट के अन्य सदस्य देश के लिए तेल आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोत खोजने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 17 मार्च से थाईलैंड में पेट्रोल की कीमतों में धीरे-धीरे बढ़ोतरी शुरू होगी, क्योंकि डीजल और आंशिक पेट्रोल पर दी गई 15 दिन की सब्सिडी राष्ट्रीय पेट्रोलियम फंड से समाप्त हो रही है। कीमतों में यह समायोजन साप्ताहिक आधार पर किया जाएगा।

नासा का आर्टेमिस-2 मिशन 1 अप्रैल को होगा लॉन्च, चांद के पास जाएंगे 4 अंतरिक्ष यात्री

नई दिल्ली

नासा ने अपने आर्टेमिस-2 मिशन के लॉन्च का नया शेड्यूल जारी किया है। एजेंसी के मुताबिक यह मिशन अब 1 अप्रैल को लॉन्च किया जा सकता है। नासा की वरिष्ठ अधिकारी लोरी ग्लेज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि टीम इस तारीख के लिए पूरी तरह तैयार है और मिशन की तैयारी सही दिशा में चल रही है।

उन्होंने कहा कि यह एक परीक्षण उड़ान होगी, इसलिए इसमें कुछ जोखिम भी हो सकता है, लेकिन टीम और उपकरण दोनों तैयार हैं। नासा के अनुसार 1 अप्रैल से छह दिनों के अंदर चार बार लॉन्च का मौका मिल सकता है।

पहली लॉन्च विंडो 1 अप्रैल को शाम 6 बजकर 24 मिनट पर खुलेगी।

आर्टेमिस-2 मिशन 50 साल से ज्यादा समय बाद चांद के पास जाने वाला पहला मानव मिशन होगा। इस मिशन को पहले फरवरी में लॉन्च किया जाना था, लेकिन बाद में नासा ने शेड्यूल में बदलाव कर दिया। एजेंसी ने बताया कि चांद पर भविष्य में लैंडिंग से पहले एक अतिरिक्त टेस्ट मिशन शामिल किया गया है। शुरुआती देरी का कारण तकनीकी समस्याएं बताया गया था।

आर्टेमिस-2 मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री शामिल होंगे। इनमें तीन अमेरिकी हैं रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर और क्रिस्टीना कोच। चौथे अंतरिक्ष यात्री कनाडा के जेरेमी हैनसेन हैं। यह मिशन चांद के चारों ओर घूमेगा, लेकिन वहां लैंडिंग नहीं करेगा।

नासा के अनुसार लॉन्च के बाद अंतरिक्ष यान पहले पृथ्वी की कक्षा में घूमेगा। इसके बाद यह चांद की ओर जाएगा और चांद के पास से उड़ान भरते हुए उसके चारों ओर चक्कर लगाएगा। फिर यह वापस पृथ्वी पर लौटेगा और समुद्र में उतरकर मिशन पूरा करेगा। आर्टेमिस कार्यक्रम का अगला मिशन आर्टेमिस-III होगा, जिसमें चांद पर उतरने की योजना है। इसके तहत पृथ्वी की निचली कक्षा में एक लूनर लैंडर से अंतरिक्ष यान को जोड़ा जाएगा। नासा की योजना के अनुसार कार्यक्रम के चौथे चरण में 2028 की शुरुआत तक चांद पर मानव लैंडिंग का लक्ष्य रखा गया है। यह योजना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की उस योजना का हिस्सा है, जिसमें उन्होंने अमेरिकियों को फिर से चांद पर भेजने का लक्ष्य रखा था।

अफगानिस्तान में दो अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार

काबुल, (वार्ता)

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने दो अमेरिकी नागरिकों को हिरासत में लिए जाने की शुक्रवार को पुष्टि की। सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद के अनुसार इन दोनों व्यक्तियों को स्थानीय कानूनों का उल्लंघन करने के आरोप में हिरासत में लिया गया है।

स्थानीय समाचार चैनल टोलो न्यूज़ को दिए एक साक्षात्कार में मुजाहिद ने स्पष्ट किया कि इन अमेरिकी नागरिकों की गिरफ्तारी अफगान कानून तोड़ने के कारण हुई है। उन्होंने हालांकि इस मामले को अधिक तनावपूर्ण न बनाते हुए कहा कि यह मामला गंभीर नहीं है और स्थिति को सुलझाने के लिए समाधान मौजूद है।

गौरतलब है कि गत सोमवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अफगानिस्तान को आधिकारिक तौर पर गलत तरीके से हिरासत में लेने वाले देशों की सूची में डालने की घोषणा की थी। तब अफगान विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को इस अमेरिकी फैसले पर खेद व्यक्त किया। मंत्रालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी विदेशी नागरिक को राजनीतिक लाभ या किसी अदला-बदली के लिए बंदी नहीं बनाया गया है।

अफगान सरकार ने अमेरिका के उन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है जिनमें कहा गया था कि इन गिरफ्तारियों का इस्तेमाल सौदेबाजी के लिए किया जा रहा है।

भविष्य में भी नीतीश के मार्गदर्शन में काम करती रहेगी बिहार सरकार : सम्राट

सहरसा, (वार्ता)

बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि भविष्य में भी बिहार सरकार नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में काम करती रहेगी। श्री चौधरी ने मुख्यमंत्री श्री कुमार की समृद्धि यात्रा के दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने पिछले बीस वर्षों में राज्य के सभी क्षेत्रों में गुणात्मक बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा कि सड़क संपर्क और बिजली की उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिससे राज्य में आम लोगों का जीवन आसान हुआ है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, भविष्य में भी बिहार की राजग सरकार मुख्यमंत्री श्री कुमार के मार्गदर्शन में काम करती रहेगी। उन्होंने यह बात इस संदर्भ में कही कि श्री कुमार ने संसद के उच्च सदन राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया है और इसके चलते मुख्यमंत्री पद छोड़ सकते हैं। बिहार से राज्यसभा की पाँच सीटों के लिए चुनाव 16 मार्च को होने वाला है। श्री चौधरी ने कहा कि जब वह पहली बार विधायक बने थे , तब बिहार का बजट 6,000 करोड़ रुपये का था। उन्होंने कहा कि श्री कुमार ने जब 2005 में राज्य की कमान संभाली, तब प्रदेश का बजट 23,000 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग सरकार के लगातार प्रयासों से बिहार का बजट अब बढ़कर 3,47,000 करोड़ रुपये हो गया है।

अमेरिका-इजरायल का हमला गलत था, ईरान का पड़ोसी मुल्कों पर हमला भी उचित नहीं : थरूर

नयी दिल्ली, (वार्ता)

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पार्टी के लोकसभा सदस्य शशि थरूर ने कहा है कि अमेरिका तथा इजरायल का ईरान के खिलाफ युद्ध में उतरना गलत था लेकिन ईरान ने भी उन देशों पर हमला कर गलत ही किया है जो युद्ध में शामिल ही नहीं हैं। श्री थरूर ने शुक्रवार को यहां संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि निर्दोष नागरिकों की जान से खेलना ठीक नहीं है। उनका यह भी कहना था कि जो हालात अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले और फिर ईरान के पड़ोसी देशों में किए जा रहे हमले से बन रहे हैं वह गंभीर है। उनका कहना था कि इन सब स्थितियों के बीच भारत का चुप रहना भी ठीक नहीं है। अमेरिका और इज़रायल के हमले को सैद्धांतिक रूप से गलत बताते हुए उन्होंने कहा कि यहां आत्मरक्षा वाली बात को सही नहीं ठहराया जा सकता। उनका कहना कि जब बातचीत चल रही थी और ईरान बात मानने के लिए भी तैयार था तो इसमें आत्मरक्षा की बात कहां से आती है। उन्होंने युद्ध में शामिल न होने वाले देशों पर ईरान के हमलों को भी गलत बताया और कहा कि निर्दोष

नागरिकों को नुकसान पहुँचाया जा रहा है और इस कार्रवाई को कहीं से भी जायज नहीं कहा जा सकता है। हमलों में कुछ निर्दोष भारतीय नागरिकों की भी मृत्यु हुई है। ये सभी नागरिक निर्दोष थे और किसी के पक्ष में युद्ध नहीं लड़ रहे थे। कांग्रेस नेता ने कहा कि अब हालात यह हो गये हैं कि कोई भी सुरक्षित नहीं है। यह भी खबर है कि एक टैंकर पर हमला हुआ है। बताया जा रहा है कि यह टैंकर थाईलैंड के ध्वज वाला था। उनका कहना था कि इस तरह से हमले ठीक नहीं हैं।

उन्होंने कहा हम अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी की धरती के लोग हैं। हम शांति चाहते हैं और हमारे विदेश मंत्री भी खाड़ी देशों के अपने समकक्षों से बात कर रहे हैं और मुझे लगता है कि भारत को और अधिक सक्रिय होना चाहिए। इस माहौल में हम चुप नहीं बैठ सकते हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

अक्षय ओबेरॉय ने देहरादून में शुरू की रोमांटिक कोर्टरूम थ्रिलर 'लव लॉटरी' की शूटिंग

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने अपनी आने वाली रोमांटिक कोर्टरूम थ्रिलर 'लव लॉटरी' की शूटिंग उत्तराखंड के खूबसूरत शहर देहरादून में शुरू कर दी है। फिल्म लव लॉटरी का निर्देशन अरविंद पांडे कर रहे हैं और इसे कुलदीप भार्गव 'तुषार' अपनी प्रोडक्शन कंपनी सिनेमा गंज फिल्म्स.के बैनर तले बना रहे हैं।अक्षय ने हाल ही में सेट से कुछ झलकियां भी साझा की हैं, जिससे फैंस को शूटिंग के शुरुआती दिनों और खूबसूरत लोकेशन की झलक देखने को मिली।

लव लॉटरी कोर्टरूम ड्रामा है, जिसमें रोमांस और सस्पेंस का मिश्रण देखने को मिलेगा। इस फिल्म में अक्षय ओबेरॉय के साथ हेली दरूवाला भी नज़र आएंगी। इसके अलावा फिल्म में कबीर दुहान सिंह और विज्यंत कोहली जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। अक्षय ओबेरॉय ने देहरादून में शूटिंग शुरू करने के अनुभव के बारे में बात करते कहा कि यह उनके लिए काफी ताज़गी भरा और उत्साहजनक अनुभव रहा है। उन्होंने कहा, देहरादून में लव लॉटरी की शूटिंग शुरू करना बहुत अच्छा अनुभव रहा है। इस शहर का माहौल बेहद शांत और खूबसूरत है, और यहां से इस सफर की शुरुआत करना बहुत अच्छा लग रहा है। अभी हमने शूटिंग शुरू ही की है, लेकिन सेट पर सभी की ऊर्जा कमाल की है। अरविंद पांडे और इतनी प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करने को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूँ और बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ कि दर्शक देखें कि हम क्या बना रहे हैं।

इम्तियाज अली ने फिर जगाया पुराने दौर का रोमांस, वेदांग-शर्वरी की जोड़ी और दिलजीत की आवाज ने जीता दिल

फिल्म निर्माता इम्तियाज अली, जो अपनी गहरी और रूहानी प्रेम कहानियों के लिए जाने जाते हैं, एक बार फिर दर्शकों को पुरानी यादों के सफर पर ले जाने के लिए तैयार हैं। शुक्रवार को उनकी अगली फिल्म मैं वापस आऊंगा के पोस्टर रिलीज करने के बाद, मेकर्स ने दोपहर 1ः00 बजे फिल्म का शानदार टीजर जारी कर दिया है। फिल्म की कहानी भारत-पाकिस्तान विभाजन के इर्द-गिर्द बुनी गई एक क्रॉस-बॉर्डर लव स्टोरी लगती है। टीजर से जो संकेत मिले हैं, उनके अनुसारन्नसीरुद्दीन शाह और वेदांग रैना ऐसा प्रतीत होता है कि वेदांग रैना, दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के युवा अवतार की भूमिका निभा रहे हैं। शर्वरी उस दौर की प्रेमिका के रूप में नजर आ रही हैं, जिससे जुदाई की कहानी फिल्म का केंद्र है। दिलजीत दोसांझ का किरदारः टीजर में दिलजीत एक यूयूबर की भूमिका में लग रहे हैं, जो इंटरनेट और सोशल मीडिया की ताकत से नसीरुद्दीन शाह को उनके पुराने प्यार से मिलाने की कोशिश करता है।

शुक्रवार को कई पोस्टर शेयर करने के बाद, मेकर्स ने दोपहर 1ः00 बजे फ़िल्म का टीज़र भी शेयर किया। फ़िल्म के इस पहले वीडियो में कलाकारों से परिचय कराया गया है, और बैकग्राउंड में दिलजीत का गाना मैं वापस आऊंगा के टीज़र की जान है। इसके अलावा, ऐसा भी लगता है कि वेदांग रैना फ़िल्म में नसीरुद्दीन शाह के जवानी के दिनों का किरदार निभाएंगे, और शरवरी उनकी जवानी की प्रेमिका का किरदार निभाएंगी। साथ ही, दिलजीत एक यूट्यूबर की भूमिका में नज़र आ रहे हैं, जो इंटरनेट और सोशल मीडिया की मदद से शाह को उनकी पुरानी प्रेमिका से मिलाने की कोशिश करते हैं। हालाँकि ये सब अभी सिर्फ़ अंदाज़े हैं, इन अंदाज़ों की पुष्टि के लिए हमें फ़िल्म के ट्रेलर और फ़िल्म के रिलीज़ होने का इंतज़ार करना होगा। यह बात ध्यान देने लायक है कि मैं वापस आऊंगा दिलजीत दोसांझ और फ़िल्ममेकर इम्तियाज़ अली का दूसरा साथ है। इससे पहले उन्होंने नेटफ़्लिक्स की फ़िल्म अमर सिंह चमकीला में साथ काम किया था। इस फ़िल्म में परिणीति चोपड़ा भी थीं, और इसे एमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेट किया गया था, साथ ही इसने भारत में कई अवॉर्ड भी जीते थे। हालाँकि, इस बार दिलजीत एक सहायक भूमिका में नज़र आएंगे।

'कप्तान' में पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आयेंगे साकिब सलीम

अभिनेता साकिब सलीम अपने अगले ओटीटी सीरीज़ 'कप्तान' में पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आयेंगे।

अमेजन एमएक्स प्लेयर ने अपनी ओरिजिनल सीरीज़ 'कप्तान' का पहला पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें मुख्य भूमिका में साकिब सलीम नजर आ रहे हैं। सीरीज़ में साकिब समरदीप सिंह नाम के एक समर्पित पुलिस अधिकारी का किरदार निभा रहे हैं, जो बदले की आग और एक ईमानदार अफसर होने की जिम्मेदारी के बीच खुद को फंसा हुआ पाता है।इस पोस्टर में साकिब पुलिस की वर्दी में नजर आ रहे हैं, जो इशारा करता है कि यह कहानी एक्शन से भरपूर होने वाली है। दर्शकों ने अब तक साकिब को पुलिस अधिकारी के रूप में नहीं देखा है, लेकिन यह पोस्टर साफ दिखाता है कि वह इस किरदार के जरिए अपने अभिनय के नए आयाम पेश करने के लिए तैयार हैं। 'कप्तान' में साकिब सलीम के साथ कविता कौशिक, सिद्धार्थ निगम, वरुण बडोला, अनुष्का कौशिक, पूजा गोर और विक्रम कोचर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

म्यूल अकाउंट गिरोह के विरुद्ध नरसिंहपुर पुलिस की प्रभावी कार्यवाही

विगत एक वर्ष में साईबर फ्राड के प्रकरणों में 45 लाख रुपये पर होल्ड लगवाया गया एवं 53 लाख रुपये खाता धारकों को लौटाए गए

नरसिंहपुर पुलिस द्वारा अभी तक विशेष कार्यवाही कर 35 बंद म्यूल अकाउंट कराए गए

कार्यवाही के दौरान अभी तक 9 पासबुक, 4 एटीएम एवं 9 मोबाईल जप्त किए गए है

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

विगत कुछ समय से इस आशय की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं कि जिला नरसिंहपुर अंतर्गत कुछ व्यक्तियों द्वारा आमजन को विभिन्न प्रकार के प्रलोभन देकर एवं बहला-फुसलाकर उनके बैंक खातों, पासबुक एवं एटीएम कार्ड की जानकारी प्राप्त की जा रही है। संबंधित व्यक्तियों द्वारा भोले-भाले लोगों को आर्थिक लाभ का लालच देकर उनके खातों के माध्यम से प्रदेश के बाहर से संचालित ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म, साईबर फ्राड, सेक्सटॉर्शन के लिए बड़ी मात्रा में पैसों का अवैध लेन-देन किया जा रहा है साथ ही उनके बैंक खातों का उपयोग अपने अवैध कार्यों के लिए किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने शिकायतों को लिया गंभीरता से, जांच हेतु गठित की गई विशेष टीम ¬उक्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना द्वारा प्रकरण की गहन जांच के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम को तकनीकी माध्यमों का उपयोग करते हुए संबंधित व्यक्तियों, बैंक खातों एवं लेन-देन की जानकारी एकत्रित कर विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए गए। अभी तक विवेचना के दौरान जिला अंतर्गत 180 खातों को म्यूल अकाउंट के रूप में चिन्हित किया गया =* गठित विशेष टीम द्वारा प्राप्त शिकायतों के आधार पर प्रकरणों की गहनता से जांच प्रारंभ की गई। जांच के दौरान टीम द्वारा तकनीकी माध्यमों का उपयोग करते हुए संदिग्ध बैंक खातों, मोबाइल नंबरों एवं ऑनलाइन ट्रांजेक्शन की जानकारी एकत्रित की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम द्वारा अभी तक विभिन्न बैंकों से संबंधित खातों का विवरण प्राप्त कर उनके माध्यम से किए गए लेन-देन का बारीकी से विश्लेषण किया गया। प्राप्त जानकारी के आधार पर खातों की कड़ी से कड़ी जोड़कर जांच की गई, जिससे यह तथ्य सामने आया कि कई व्यक्तियों के लगभग 180 बैंक खातों का उपयोग म्यूल अकाउंट के रूप में किया जा रहा था। उक्त सभी खातों में लेनदेन की कार्यवाही रोके जाने हेतु संबंधित बैंकों को पत्राचार किया गया हैअभी तक लगभग 15 करोड रूपयों के अवैध लेन-देन का खुलासा जांच के दौरान अभी तक यह भी सामने आया कि इन खातों के माध्यम से जिला, प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर से संचालित ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म, साईबर फ्राड, सेक्सटॉर्शन के जरिए लगभग 15 करोड़ रूपयों का अवैध लेन-देन किया गया है, जिससे साइबर ठगी से प्राप्त राशि को अलगअलग खातों में स्थानांतरित कर छिपाने का प्रयास किया जाता था। प्रकरणों में अभी विवेचना जारी है।इस प्रकार पुलिस टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों, बैंक खातों की जानकारी एवं संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ के आधार पर पूरे नेटवर्क की कड़ी को जोड़ते हुए जांच की गई, जिसमें कुल 180 म्यूल अकाउंट्स के माध्यम से लगभग 15 करोड़ रुपये के लेन-देन का खुलासा हुआ है।ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म, साइबर फ्रॉड एवं सेक्सटॉर्शन से जुड़े अपराध करने का तरीका आरोपी आमजन को छोटे-मोटे आर्थिक लाभ का लालच देकर उनके बैंक खाते, एटीएम कार्ड एवं पासबुक प्राप्त कर उक्त खातों का उपयोग म्यूल अकाउंट के रूप में करते थे एवं साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि को विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म में जमा कर आरोपी उक्त राशि को अन्य खातों में ट्रांसफर कर या नकद निकालकर उपयोग कर लेते हैं। नरसिंहपुर पुलिस द्वारा की जा रही कार्यवाही के दौरान अभी तक 17 व्यक्तियों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही कर जेल भेजा गया-थाना स्टेशनगंज = प्रिंस जैन निवासी राधा वल्लभ वार्ड थाना करेली, राजेन्द्र यादव निवासी मुराछ, थाना ठेमी, राजा पटेल निवासी मुराछ, थाना ठेमी, शिवम पटेल निवासी मुराछ थाना ठेमी, सूरज लोधी निवासी सागौनी, कला, थाना कोतवाली।थाना गाडरवाडा = अजय ओझा निवासी, चीचली, आनंद कहार निवासी निवासी, चीचली, वैभव कौरव निवासी एमपी ईबी कालोनी गाडरवाड़ा।थाना करेली = दशरथ उर्फ दस्सु लोधी निवासी रातीकरार, थाना करेली, राघवेन्द्र लोधी निवासी बाबली, थाना ठेमी जिला नरसिंहपुर उक्त सभी आरोपियों के विरूद्ध धारा 318 (4), 3 (5) बीएनएस के तहत प्रकारण पंजीवद्ध किया गया है। कार्यवाही के दौरान रंजीत मेहरा निवासी बम्होरी, थाना सांईखेडा, धनश्याम साहू निवासी चारगांव खुर्द, थाना चीचली, गोविन्द ओझा निवासी लिंगा जैतपुर, थाना स्टेशनगंज, आकाश बैरागी निवासी लोकीपार, थाना स्टेशनगंज, याशवंत प्रजापति, निवासी पलोहा, सूरज वर्मा निवासी सालीचौका एवं सतीश जाटव निवासी सीहोरा के विरूद्ध सख्त प्रतिबंधात्क कार्यवाही भी की गयी है। नरसिंहपुर पुलिस द्वारा अभी तक की गयी कार्यवाही के दौरान अभी तक 9 पासबुक, 4 एटीएम एवं 9 मोबाईल जप्त किए गए है। एक वर्ष में साईबर फाड के प्रकरणों में 45 लाख रूपये पर होल्ड लगबाया गया एवं 53 लाख रूपये खाता धारकों को लौटाए गए =* जिला अंतर्गत साइबर फ्रॉड से संबंधित प्राप्त शिकायतों पर गंभीरता से जांच करते हुए विगत 6 माह के दौरान प्रभावी कार्यवाही की गई। इस अवधि में साइबर फ्रॉड के प्रकरणों में लगभग 45 लाख रुपये की राशि पर होल्ड लगवाया गया तथा सतत प्रयासों के फलस्वरूप करीब 53 लाख रुपये की राशि पीड़ित खाता धारकों को वापस दिलाई गई।

उक्त तीनों प्रकरणों में धोखाधडी का खुलाशा करने में थाना करेली से निरीक्षक रत्नाकर हिग्वें, थाना स्टेशनगंज से निरीक्षक सौरभ पटेल, थाना गाडरवारा से निरीक्षक अशोक चौहान, रक्षित केन्द्र से निरीक्षक किशोर वामनकर, उनि अनिल अजमेरिया, राहूल सोनकर, विजय धुर्वे, प्रधान आरक्षक देवेन्द्र सिंह की भूमिका रही है।

कलेक्टर ने पुलिया का किया निरीक्षण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने विकासखंड करेली की ग्राम पंचायत रमखिरिया पहुंचकर लगभग 3 लाख रुपये की लागत से निर्मित स्टॉपडेम सह पुलिया का निरीक्षण किया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि स्टॉपडेम क्षेत्र का सौंदर्यीकरण कराया जाए, ताकि यह स्थान उपयोगी होने के साथ-साथ आकर्षक भी बन सके। उन्होंने कहा कि ऐसे जल संरचनाओं के आसपास साफ-सफाई, पौधारोपण के कार्य किए जाएं।

नवांकुर योजना अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

मप्र जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार नवांकुर योजना अंतर्गत सेक्टर स्तरीय ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों एवं नवांकुर सखी योजनाओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम गोरखपुर सेक्टर के ग्राम पंचायत भवन कोदरास में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सतपुड़ा जन कल्याण समिति कोदरास कलां के तत्वाधान में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव, उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव एवं कोषाध्यक्ष सहित अन्य सदस्य तथा नवांकुर सखी योजना के अंतर्गत पंजीकृत नवांकुर सखी मौजूद थी। मप्र जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री जय नारायण शर्मा ने परिषद की संरचना, विभिन्न आयामों एवं समग्र ग्राम विकास की अवधारणा पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने समितियों के पंजीयन, नियम-निर्देश, नशा मुक्ति अभियान, जल संचय तथा जनभागीदारी आधारित जल गंगा संवर्धन अभियान की कार्ययोजना के संबंध में भी प्रशिक्षण प्रदान किया। ग्राम पंचायत कोदरास कलां की सरपंच श्रीमती सोमती ने सामाजिक समरसता एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

ग्राम कपूरी में मनरेगा के खेत-तालाब से बदली किसान की तकदीर मछली पालन से लाखों की आय

कलेक्टर ने किया खेत-तालाब का निरीक्षण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। विकासखंड करेली के अंतर्गत आने वाले ग्राम कपूरी में मनरेगा योजना के अंतर्गत बनाए गए खेत-तालाब किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन गए हैं। यहां बनाए गए खेत-तालाबों ने न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा दिया है, बल्कि किसानों को अतिरिक्त आय का नया रास्ता भी मिला है। ग्राम कपूरी में मनरेगा योजनांतर्गत अब तक कुल 6 खेत-तालाबों का निर्माण किया गया है, जिनमें क्रमशः 5 तालाबों की लागत लगभग 3 लाख 24 हजार रुपये आई है, जिनकी क्षमता 3600 क्यूबिक मीटर पानी की क्षमता है। इसी योजनांतर्गत 6 लाख 90 हजार रुपये की लागत से 60म60 आकार का खेत-तालाब बनवाया है। इस तालाब में वर्तमान में लगभग 10 हजार 800 क्यूबिक मीटर पानी संग्रहित है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्राम कपूरी पहुंचकर खेत-तालाबों का अवलोकन किया और किसानों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि किसान पारंपरिक खेती के साथ ही मछली पालन, पशुपालन और अन्य आयवर्धक गतिविधियों को अपनाकर अपनी आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। ग्राम कपूरी के किसान श्री पुरूषोत्तम जाट ने बताया कि उन्होंने मनरेगा के अंतर्गत अपने खेत में 60म60 आकार का खेत-तालाब बनवाया है। इस तालाब में वर्तमान में लगभग 10 हजार 800 क्यूबिक मीटर पानी संग्रहित है। उन्होंने इस जल का उपयोग मछली पालन और खेती-किसानी के लिए कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस तालाब वे मछली पालन भी करते हैं। इसका फायदा यह भी है कि तालाब के पानी का उपयोग सिंचाई के लिए लिया जा रहा है, इससे फसलों का उत्पादन बढ़ा है। मिट्टी में प्राकृतिक तौर पर नाईट्रोजन की मात्रा अच्छे मानक स्तर की हो गई है। श्री जाट ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025- 26 में मछली पालन एवं विक्रय से उन्हें लगभग 7 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई। इसमें करीब 3 लाख रुपये की लागत आई और लगभग 4 लाख 50 हजार रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ। श्री जाट के पास 10 से 25 गौवंश भी हैं, जिनके लिए भी यह तालाब पानी का स्थायी स्रोत बन गया है। इसी तरह कृषक श्री अभिजीत जाट ने भी मनरेगा के अंतर्गत 3 लाख 24 हजार रुपये की लागत से खेत-तालाब बनाया गया है, जिससे वे अपनी फसलों की सिंचाई कर रहे हैं और खेती में बेहतर उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं। वहीं कृषक श्री छोटेलाल जाट ने अपने खेत-तालाब का उपयोग जल संचयन के साथ-साथ ट्यूबवेल रिचार्ज के लिए किया है। उन्होंने पाइप के माध्यम से पानी की व्यवस्था कर भूजल स्तर को बनाए रखने की दिशा में भी सराहनीय पहल की है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि मनरेगा के तहत बनाए गए खेत-तालाब जल संरक्षण, सिंचाई सुविधा और किसानों की आय बढ़ाने के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने ग्राम कपूरी में मनरेगा अंतर्गत निर्माणाधीन खेत-तालाब का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री के नाम म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ प्रांतीय आव्हान पर ज्ञापन सौंपा

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय आव्हान पर मा. मुख्यमंत्री महोदय एवं मुख्य मा. सचिव महोदय म.प्र. शासन भोपाल के नाम जिला प्रशासन नरसिंहपुर के माध्यम से 6 सूत्रीय ज्ञापन जिला शाखा नरसिंहपुर द्वारा सौपा गया। ज्ञापन में प्रमुख रूप से दीर्घकालिन सेवा दे रहे शिक्षकों की पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त करने एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय पर राज्य शासन द्वारा पुनर्विचार याचिका दायर कर सहानुभूति पूर्वक शिक्षकों के हितों की रक्षा करने हेतु सैकडों कर्मचारी शिक्षकों द्वारा ज्ञापन सौपा गया। जिसमें संघ के जिला संरक्षक गजेन्द्र नायक, पूर्व अध्यक्ष संजय लमानिया, जिलाध्यक्ष भीकमसिंह कौरव, सचिव दिनेश परतेती, नरेश मेहरा, मुकेश दुबे, जगतसिंह ठाकुर, नीलेश नामदेव, धर्मेन्द्र चैरसिया, अरूण दीक्षित, विक्रम राधाकृष्णन्, अध्यापक संयुक्त मोर्चा नरसिंहपुर से बी.एन. पाण्डेय, मनीष कटारे, प्रमेंद्रसिंह जाट, आशीष नामदेव, राकेश दुबे, विवेक मिश्रा, विनोद मेहरा, एल.पी. गिरदोनिया, मनीष यादव, दुर्गा सोनी, रीता दुबे, महेन्द्र विश्वकर्मा, राकेश फौजदार, भोले शंकर साहू, नरेश चैबे, सहित सैकडों शिक्षकों की उपस्थिति रही।

कलेक्टर ने निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने विकासखंड करेली के अंतर्गत आने वाले ग्राम कपूरी का भ्रमण कर यहां निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लगभग 17 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले मिनी खेल स्टेडियम का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य को उच्च गुणवत्ता के साथ कराया जाए और खेल मैदान का समतलीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप ही होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ग्राम में ही लगभग 25 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का भी अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भवन का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में और बेहतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके। कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं के तहत किए जा रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए।

एक बगिया मां के नाम परियोजना के तहत महिलाओं ने लगाए फलदार पौधे कलेक्टर ने किया निरीक्षण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिले में एक बगिया मां के नाम परियोजना के तहत विकासखंड करेली के अंतर्गत आने वाले ग्राम कपूरी में शिवशक्ति स्वसहायता समूह की महिलाओं ने बगिया विकसित करते हुए 25 आम और 25 नींबू के पौधे लगाए हैं। महिला स्वसहायता समूह द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आजीविका के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि स्वसहायता समूह की महिलाएं अन्य महिलाओं को भी इस परियोजना से जोड़ें।

पहली बार विवाहित महिलाओं की क्रिकेट चैंपियनशिप सिंदूर कप का आयोजन आज से

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

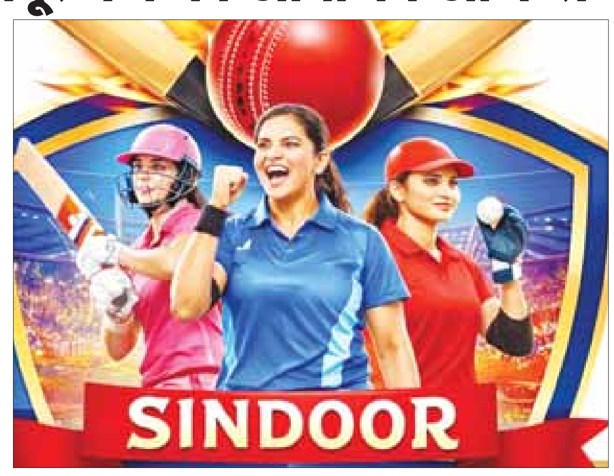

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मणि नागेंद्र सिंह फाउंडेशन एवं सहयोग क्रीड़ा मंडल गोटेगांव के सयुंक्त तत्वाधान में नरसिंहपुर में पहली बार विवाहित महिलाओं के लिए विशेष दो दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट सिंदूर कप ङ्क सीजन 1(नाइट टूर्नामेंट) का आयोजन 14 एवं 15 मार्च को स्टेडियम ग्राउंड में शाम 5 बजे किया जा रहा है। यह अनूठा आयोजन नारी सशक्तिकरण और समाज में बदलती सकारात्मक सोच का प्रतीक है। इस प्रतियोगिता में विवाहित महिलाएँ क्रिकेट के मैदान में उतरकर अपने खेल कौशल, आत्मविश्वास और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना और समाज में उनके साहस एवं आत्मविश्वास को नई पहचान देना है।

आयोजकों ने बताया कि सिंदूर कप केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं बल्कि नारी शक्ति के सम्मान और उनके सशक्तिकरण का उत्सव है। आयोजन समिति जिला महिला क्रिकेट टीम ने खेल प्रेमियों और नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक आयोजन के साक्षी बनें और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें।

नि:शुल्क परामर्श शिविर आज

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। शैल्बी हॉस्पिटल जबलपुर के वरिष्ठ डॉक्टर द्वारा हड्डी व जोड़ रोग के लिए निशुल्क परामर्श शिविर आज 14 मार्च को दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक डॉ. चांदोरकर राधाकृष्ण नर्सिंग होम नरसिंहपुर एवं करेली में सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक आशीष हॉस्पिटल करेली में आयोजित किया गया है। शिविर में डिस्काउं की राशि आई.सी. शाह चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा भुगतान की जाएगी। शिविर में विश्व प्रसिद्ध जॉइं रेप्लेसमेन्ट सर्जन डॉ. विक्रम शाह की टीम के विशेषज्ञ डॉ. विकास सावला ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन, नी एंड हिप रिप्लेसमेंट सर्जन अहमदाबाद के पूर्व विशेषज्ञ द्वारा शिविर में जांच, परामर्श एवं इलाज किया जाएगा। अभी तक 12000 से अधिक सफल ज्वाइंट रिप्लेसमेंट , घुटने, कमर एवं कंधे का दर्द घुटने व कूल्हे का अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ प्रत्यारोपण वे कर चुके हैं। जिसमें संक्रमण की कम सम्भावना , कम दवाएं एवं कम समय में सर्जरी होती है। उक्त रोगों से संबंधित रोगियों से शिविर में लाभ लेने अपील की गई है।

कलेक्टर ने ली गैस एजेंसियों की संयुक्त बैठक

जिले में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले में संचालित सभी गैस एजेंसियों की संयुक्त बैठक ली। बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी श्री देवेन्द्र खोबरिया और गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सभी नागरिकों को सूचित किया है कि जिले में घरेलू (डोमेस्टिक) एलपीजी पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, जिसकी निर्बाध आपूर्ति संचालित है। वर्तमान में घरेलू गैस कनेक्शन की बुकिंग प्रारंभ है। साथ ही कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई उपलब्धता के आधार पर निरंतर जारी है। अत्यंत आवश्यक स्थानों जैसे

चिकित्सालय, शैक्षणिक संस्थाओं में आपूर्ति निर्बाध जारी है। उन्होंने बताया कि गैस कनेक्शन की रिफिल बुकिंग में सर्वर की कुछ आंशिक समस्या को दुरूस्त किया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि होटल, रेस्टारेंट, उद्योग संस्थानों को ईधन के रूप में एलपीजी के अतिरिक्त अन्य ईधन के विकल्प के उपयोग के लिए भी समझाईश दी जा रही है, जिससे होटल, रेस्टारेंट व उद्योग संस्थान भी सुचारू रूप से संचालित होते रहें। जिले में अनुभाग स्तर पर अनुविभागीय दंडाधिकारी के नेतृत्व में तहसीलदार, पुलिस थाना प्रभारी, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी का दल गठित कर एलपीजी के उपयोग एवं सप्लाई पर सतत निगरानी कराई जा रही है। जिले में घरेलू एलपीजी की आपूर्ति को लेकर किसी भी तरह की कमी या आपात जैसी स्थिति नहीं है। आमजनों से अपील की गई है कि सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यम से अफवाह जनक जानकारियों से भ्रमित न हों।

कक्षा पांचवी एवं आठवीं का मूल्यांकन कार्य संपन्न

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। गत दिवस राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशों के परिपालन में विकासखंड साईंखेड़ा के मूल्यांकन केंद्र पीएमश्री शासकीय बालक उ मा विद्यालय (बीटीआई) गाडरवारा में कक्षा पांचवी एवं आठवीं की वार्षिक परीक्षा 2026 की अमूल्यांकित उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य संपन्न हुआ। इस मूल्यांकन कार्य हेतु विद्यालय की प्राचार्य श्रीमति सुनीता पटैल को मूल्यांकन केंद्र प्रभारी, राजेश दुबे व प्रमोद राय को सहायक मूल्यांकन केंद्र प्रभारी नियुक्त किया गया था। मूल्यांकन कार्य में समन्वय की भूमिका का निर्वाहन विकासखंड स्त्रोत समन्वयक संदीप स्थापक द्वारा किया गया। यह मूल्यांकन कार्य विषयवार माध्यमिक विभाग आठवीं के हेड वैल्यूयर धनराज धानक, विवेक चौरसिया, देवेंद्र बसेडिया, सचिन लहरिया, सविता ठाकुर, लक्ष्मी राजपूत तथा प्राथमिक विभाग पांचवी में प्रकाश नामदेव, राकेश मेहरा, राघवेंद्र बुधोलिया, प्रभात रूसिया डाटा एंट्री कार्य रिनी जैन एवं निर्धारित मूल्यांकनकर्ताओं के सहयोग से पूर्ण हुआ । उल्लेखनीय है कि इस मूल्यांकन कार्य में हेडवेल्युअर द्वारा आरएसके पोर्टल पर ऑनलाइन वितरण, अंक फीडिंग, ऑनलाइन पर्ण प्रतिपर्ण जनरेट सहित अन्य कार्य किये गए। यह मूल्यांकन कार्य जिला शिक्षा अधिकारी नरसिंहपुर अनिल कुशवाहा के मार्गदर्शन तथा जिला परियोजना समन्वयक मनीष चौकसे जिला शिक्षा केंद्र नरसिंहपुर के निर्देशन में पूर्ण हुआ।

जुम्मे की नमाज में हजारों लोगों ने सजदा कर वतन की खुशहाली की मांगी दुआ

रोजा रखकर की जा रही इबादत

शबेकद्र की तैयारियां जोरों पर, रोशन हुईं मस्जिदे

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

रमजान का पवित्र महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग अल्लाह की इबादत में मशगूल रहते हुए रोजा नमाज कर सबाब कमाने में लगे हुए है रमजान का तीसरा अशरा चल रहा है आखिरी अशरे को दोजख से निजात का समय माना जाता है इस दौरान मस्जिदों और घरों में इबादतों का दौर तेजी से चल रहा है क्योंकि इन्हीं रातों में च्शब-ए-कद्रज् की रात शामिल होती है, जिसे कुरान में हजार महीनों की इबादत से भी अफजल

बताया गया रमजान के आखिरी दिनों में कुछ विशेष कार्यों में जुटकर हर मुसलमान नेक कामों का लगा हुआ हैं द्य रमजान मे फितरा जकात भी निकाली जा रही है मस्जिदों में एतिकाफ पर भी लोग बैठ गए हैं मस्जिदों में ही रहकर रोजा रखकर इबादत करेंगे दुनियादारी से दूर रहकर सिर्फ अल्लाह की याद में एतिकाफ में बैठे हुए हे।

अपने गुनाहों की माफी मांगने का यह सबसे बेहतरीन समय होता है. रो-रोकर खुदा से गिड़गिड़ाना और माफी मांगना चाहिए द्य उल-फित्र-ईद की खुशियों में गरीबों को शामिल करने के लिए जकात और फितरा अदा करना वाजिब है द्य जुम्मे की नमाज में हजारों लोगों ने सजदा कर नमाज अदा की द्य

जामा मस्जिद के पेश इमाम हाफिज कारी जुबेर आलम साहब ने अपनी तकरीर में सदका,जकात, फितरा के बारे में विस्तार से बताया द्य नमाज के उपरांत सलाम पढ़कर वतन की खुशहाली तरक्की के लिए दुआएं की गई द्य जामा मस्जिद, छोटी मस्जिद, फैजाने मदीना मस्जिद में प्रतिदिन सामूहिक रोजा इफ्तार का कार्यक्रम

चल रहा हे द्य सभी मस्जिदों में सामूहिक रूप से एक साथ बैठकर लोग रोजा इफ्तार कर रहे हे द्य शबेकद्र की तैयारिया भी जोर-जोर से चल रही है मस्जिदों को विद्युत साज सज्जा से रोशन किया गया है द्य बाबली अखाड़ा दरगाह शरीफ परिसर में प्रतिदिन रोजा इफ्तार का आयोजन नौजवानों द्वारा किया जा रहा है द्य मस्जिदों के आस पास ईद की सेवइयां, फेनी, एवं पकवान की दुकान सजी हुई है आकर्षित टोपी भी मिल रही हे द्य जामा मस्जिद के अध्यक्ष अबरार खान ने नगर पालिका प्रशासन से मस्जिदों के आसपास, ईदगाह, मुस्लिम मोहल्ले में शबेकद्र व ईद पर समुचित साफ सफाई व हेलोजिन लाइट लगाने की गुजारिश की हें।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर जिला नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 154 अ-20(1) सन् 2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टाधिकार को भूमिस्वामी संपरिवर्तन की कार्रवाई इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 25/03/2026 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

नजूल शीट क्रमांक	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट नं.	क्षे. फल वर्गफुट में	विद्यमान अभिलेख में अंकित/धारक/धारकों का नाम/पिता/माता/ पिता का नाम तथा पूर्ण पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता/माता/पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
1	2	3	4	5	6
15	कंदेली	4/39	1280 वर्गफुट	शुभम दुबे आ. संतोष दुबे निवासी आनंद नगर, रामवार्ड कंदेली	शुभम दुबे आ. संतोष दुबे निवासी आनंद नगर, रामवार्ड कंदेली

आज दिनांक 18/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

जिले में घरेलू गैस की कोई कमी नहीं अफवाहों पर न दें ध्यान: कलेक्टर

कलेक्टर ने रसोई गैस उपभोक्ताओं से की अपील

जिले में घरेलू गैस का पर्याप्त स्टाक उपलब्ध

कटनी (स्वतंत्र मत)। जिले में घरेलू रसोई गैस की कोई कमीं नहीं है और उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। जिला प्रशासन एलपीजी गैस सहित अन्य ईंधनों के परिवहन, भंडारण और वितरण के प्रति पूरी तरह से सतर्क और चौकस है। कलेक्टर आशीष तिवारी ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को एलपीजी सहित अन्य ईंधन के परिवहन, भंडारण और वितरण व्यवस्था पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही कलेक्टर ने गैस एजेंसियों के प्रतिदिन के स्टाक जांच और गैस सिलेंडर वितरण कार्य की निगरानी करने अधिकारियों को निर्देशित किया है। अफसरों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे सूचना तंत्र को पुख्ता और मजबूत कर सुनिश्चित करें कि अवैध जमाखोरी और कालाबाजारी की कोई भी घटना नही हो। कलेक्टर ने जिले में घरेलू गैस वितरण की ऑनलाइन व्यवस्था को और मजबूत करने कहा है। साथ ही गैस एजेंसियों के संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे इससे जुड़ी कंपनियों को भी सर्वर आदि की क्षमता बढ़ाने को कहें ताकि रिफिल बुकिंग, ओटीपी जनरेशन और वितरण बिना किसी असुविधा के सुनिश्चित किया जा सके। जिले में रसोई गैस वितरण की पारदर्शी व्यवस्था है, गैस सिलेंडर की 2 बुकिंग के बीच में 25 दिवस का अंतर होना चाहिए। यह अवधि पहले 21 दिन की थी, उसमें अब मात्र 4 दिन बढाकर 25 दिन की गई है। कलेक्टर ने आम जनता से आग्रह किया है कि रसोई गैस सहित अन्य ईंधन का जिले में भरपूर और पर्याप्त स्टाक है। गलत सूचनाओं के कारण घरेलू गैस की कमी की अफवाह पर ध्यान न देवें। कटनी जिले में इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की 25 गैस एजेंसियां संचालित हैं, जिनसे 3 लाख 61 हजार 469 उपभोक्ता संबंद्ध है। जिले में औसत दैनिक खपत 5 हजार 600 गैस सिलेंडरों के विरुद्ध पर्याप्त स्टाक उपलब्ध है।

रीठी में बुजुर्ग की बेरहमी से हत्या

कटनी (स्वतंत्रमत)।

रीठी थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ 69 वर्षीय व्यक्ति की हत्या कर दी गई। आरोपियों ने रास्ते में अकेला पाकर उसे बेरहमी से पीटा और घातक हथियारों से हमला किया। हत्या के बाद शव को जंगल में फेंक दिया गया। पुलिस ने रात भर जंगल और आसपास के इलाकों में तलाश की, लेकिन मृतक का पता अगले दिन ही चला। स्थानीय लोग और पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह घटना इलाके में सन्नाटा और डर पैदा कर रही है। अभी तक हत्या के पीछे सटीक कारण और आरोपियों की पहचान नहीं हो पाई है। रीठी थाना पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच में जुटी हुई है और आरोपी जल्द गिरफ्तार करने का दावा कर रही है। घटना के कारण इलाके में सुरक्षा और शांति पर सवाल उठ रहे हैं।

अकेला पाकर पीटा, घातक हथियारों से हमला, शव जंगल में फेंका, रात भर चली पुलिस तलाश

अवैध कब्जा नहीं हटाने पर अतिक्रमणकारी को 15 दिन की सिविल जेल

एसडीएम न्यायालय का सख्त आदेश, नोटिस के बाद भी नहीं हटाया कब्जा

कटनी (स्वतंत्रमत)। न्यायालय के आदेश के बावजूद अवैध कब्जा नहीं हटाने वाले अतिक्रमणकारी के खिलाफ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कटनी के न्यायालय ने सख्त कार्रवाई करते हुए उसे 15 दिन की सिविल जेल भेजने का आदेश दिया है। आदेश के बाद अतिक्रमणकारी को न्यायालय से ही पुलिस अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कटनी प्रमोद चतुर्वेदी ने तहसीलदार कटनी नगर के प्रस्ताव पर सुनवाई करते हुए रोशन विश्वकर्मा पिता नंदलाल विश्वकर्मा निवासी चांडक चौक, कटनी को 15 दिवस के लिए सिविल कारावास में भेजने का आदेश पारित किया।

मंदिर ट्रस्ट की भूमि पर किया था अवैध कब्जा

प्रकरण में जगदीश स्वामी जगन्नाथ स्वामी मंदिर ट्रस्ट कमेटी कटनी के अध्यक्ष प्रमोद सरावगी निवासी दुबे कॉलोनी द्वारा तहसीलदार न्यायालय में म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 250 के तहत कब्जा दिलाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था। सुनवाई के बाद तहसीलदार न्यायालय ने राजस्व प्रकरण क्रमांक 0019/अ-70/2023-24 में 21 मार्च 2024 को आदेश पारित कर ग्राम मुड़वारा स्थित भूमि खसरा नंबर 409, रकवा 0.081 हेक्टेयर के एक हिस्से पर किए गए अवैध कब्जे को हटाने का निर्देश दिया था। अतिक्रमणकारी द्वारा उक्त भूमि पर टीन शेड और कमरा बनाकर अवैध कब्जा कर लिया गया था। तहसीलदार के आदेश के खिलाफ अतिक्रमणकारी द्वारा दायर अपील को 22 अप्रैल 2024 को एसडीएम न्यायालय कटनी ने निरस्त कर दिया। इसके बाद अपर आयुक्त जबलपुर संभाग ने भी 21 अगस्त 2024 को अपील खारिज कर दी। मामले में दायर याचिका क्रमांक 7556/2025 में उच्च न्यायालय जबलपुर ने 11 मार्च 2025 को आदेश दिया कि यदि पूर्व आदेश पर कोई रोक नहीं है तो 90 दिनों के भीतर उसका पालन सुनिश्चित किया जाए। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद तहसीलदार कटनी नगर द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए कई बार नोटिस जारी किए गए।

राजस्व निरीक्षक द्वारा कार्रवाई के दौरान आरोपी ने पेट्रोल से भरी बोतल दिखाकर स्वयं को आग लगाने की धमकी देकर शासकीय कार्यवाही में बाधा उत्पन्न की। एसडीएम न्यायालय द्वारा आरोपी के विरुद्ध जमानती वारंट जारी कर सूचना पत्र थाना कोतवाली के माध्यम से 11 फरवरी 2026 को विधिवत तामील कराया गया, लेकिन इसके बावजूद वह न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ। न्यायालय ने म.प्र. भू-राजस्व संहिता की धारा 35(2) के तहत एकपक्षीय सुनवाई करते हुए पाया कि आरोपी ने न तो अवैध कब्जा हटाया और न ही कोई संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत किया। इसके बाद धारा 250(8) के तहत रोशन विश्वकर्मा को 15 दिन की सिविल जेल भेजने का आदेश पारित किया गया और उसे पुलिस अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

रथ कर रहा नेशनल लोक अदालत का प्रचार

वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कटनी (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जितेन्द्र कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में आज 14 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु व अधिक से अधिक पक्षकारों को लाभांवित कराए जाने के उद्देश्य से बुधवार को विशेष न्यायाधीश अनुज कुमार मिाल ने जिला न्यायालय परिसर से प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। इस अवसर पर समस्त न्यायाधीशगण उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सुमित शर्मा ने बताया कि पैरालीगल वालेंटियर मंयक मिश्रा एवं मनोज बासरकर के द्वारा प्रचार वाहन के माध्यम से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को नेशनल लोक अदालत से होने वाले लाभों के बारे में बताया जाएगा। साथ ही पम्पलेट व ऑडियो क्लिप के माध्यम से नेशनल लोक अदालत का प्रचार-प्रसार कर आमजनों को जागरूक किया जाएगा। सचिव जिला विधिक सहायता अधिकारी हर्षित बिसेन ने आमजनों व पक्षकारों से न्यायालय में लंबित समस्त राजनीमा योग्य प्रकरणों को आपसी सुलह-समझौता से निराकरण कराकर लोक अदालत का लाभ उठाने की अपील की है।

243 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात देंगे मुख्यमंत्री

आज बरही में आयोजित किसान सम्मेलन में होंगे शामिल

कटनी (स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार 14 मार्च को बरही में आयोजित किसान सम्मेलन कार्यक्रम में जिले को 243.22 करोड़ रूपये के विकास कार्यों की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 180.37 करोड़ रुपये के 62 विकास कार्यों का लोकार्पण और 62.85 करोड़ रुपये के 35 विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विकासखंड विजयराघवगढ़ के अंतर्गत 1.57 करोड़ की लागत से बने 33/11 केव्ही उपकेंद्र डोकरिया, 0.35 करोड़ की लागत से बने जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत टीकर, ग्राम सिमरिया, 0.69 करोड़ की लागत से बने जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत झिरिया, ग्राम झिरिया, 0.74 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत गौरहा, ग्राम राखी पुरैनी, 0.33 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत जिजनौड़ी, ग्राम जिजनौड़ी, 0.32 करोड़ की लागत से बने जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत जिजनौड़ी ग्राम जटवाराखुर्द, 0.31 करोड़ की लागत से बने जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत अमुवारी ग्राम खिरवा नं 2, 38.02 करोड़ के कारीतलाई सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के मुख्य भवनए विजयराघवगढ़ में 2.89 करोड़ के 3 ट्रेड आईटीआई भवन और 8.49 करोड़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन बरही का लोकार्पण करेंगे। इसी प्रकार विकासखंड कटनी के अंतर्गत 0.58 करोड़ की लागत से बने जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत पौंसरा ग्राम जमोडीटोला, 0.60 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत गैतरा ग्राम भरौली, 0.61 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत पिपरौध ग्राम घुघरा, 0.47 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत केवलारी, ग्राम बिछिया, 1.47 करोड़ के शासकीय हाई स्कूल भवन हिरवारा, 6.18 करोड़ के वाणिज्यिक कर कार्यालय कटनी के भवन, 0.65 करोड़ के उपस्वास्थ्य केंद्र रैपुरा, 16.86 करोड़ के जिला चिकित्सालय कटनी में सीसीएचबीए 6.61 करोड़ के घंघरी कला से घंघरीखुर्द के मध्य अलोनी नदी पर पहुंच मार्ग सहित उच्च स्तरीय पुल, 64.19 करोड़ की लागत से बने बड़गांव करहिया गोदाना मोहास लालपुर पाली मार्ग का लोकार्पण करेंगे। जबकि विकासखंड बहोरीबंद के अंतर्गत 0.44 करोड की लागत से बने जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत केवलराहा ग्राम हाथीभार, 0.69 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत केवलराहा, 0.37 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत सिमरापटी ग्राम कजरवारा, 1.21 करोड़ की लागत से बने जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत पटोरी ग्राम पटोरी, 0.90 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत पटोरी ग्राम मंगेला, 0.55 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना

ग्राम पंचायत पटोरी ग्राम रैपुरा, 1.06 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत सलैया प्यासी ग्राम सलैया प्यासी, 0.40 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत सिमरापटी ग्राम कजरवारा, 0.40 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत पहरूआ ग्राम गुडीयापुरा, 0.36 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत पहरूआ ग्राम सुनाई, 0.51 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत मोहनिया ग्राम रामपुर, 3.06 करोड़ के बरतरा में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन में 01 नग जी टाइप एवं 01 नग एच टाइप आवास गृहों का एवं विकासखंड रीठी में 0.80 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत धनौरा, 0.37 करोड़ के नवीन पंचायत भवन ग्राम पंचायत रैपुरा का लोकार्पण करेंगे। वहीं विकासखंड बड़वारा के अंतर्गत 0.41 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत अमाड़ी ग्राम भदौरा, 0.46 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत भगनवारा, ग्राम भगनवारा, 0.59 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत भुड़सा ग्राम ठगुआ, 0.36 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत कछारी ग्राम झांपी, 0.52 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत पनसोखर, 0.43 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत सुड्डी का लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा विकासखंड ढीमरखेड़ा के अंतर्गत 1.09 करोड़ के लागत से बने जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत भूला, 0.47 करोड़ की लागत से बने जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत भूला ग्राम चपोहला, 0.54 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत हरदी ग्राम डुंडी, 0.22 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत मढ़ाना ग्राम शिवराजपुर, 0.64 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत मंगेली ग्राम बिछिया, 0.55 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत बांध ग्राम तिलमन, 0.37 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत बरेली ग्राम रामपुर, 0.76 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत दादर सिहुड़ी, 0.27 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत देवरी मारवारी ग्राम खैरानी, 0.31 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत हरदी ग्राम गाडा, 1.08 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत हरदी, 0.88 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत बरहेटा ग्राम कुंसरी, 0.95 करोड़ के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत घुघरा, 1.31 करोड़ के ढीमरखेड़ा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय भवन, 0.65 करोड़ के उपस्वास्थ्य केंद्र परसेल, 0.65 करोड़ के उपस्वास्थ्य केंद्र पहरूआ, 0.65 करोड़ के उपस्वास्थ्य केंद्र कोठी, 0.65 करोड़ के उपस्वास्थ्य केंद्र धरवारा, 0.45 करोड़ के 5 होम स्टे खितौली, 0.37 करोड़ के ग्राम पंचायत दादर सिहुड़ी के नवीन पंचायत भवन का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विकासखंड विजयराघवगढ़ के अंतर्गत 3.48 करोड़ रूपये की लागत से 33/11 के खरखरी उपकेन्द्र व्ही, 14.46 करोड़ के शासकीय महाविद्यालय बरही में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण कार्य, 1.34 करोड़ के खलवारा बाजार में शासकीय हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य, 0.59 करोड़ के जीएचएसएस बरेहटा में फिजिक्स केमेस्ट्री बायो लैब निर्माण, 0.59 करोड़ के भैंसवाही में फिजिक्स केमेस्ट्री बायो लैब निर्माण का भूमिपूजन करेंगे।

नवरात्रि से पहले करे सड़कों का रेस्टोरेशन

अमृत योजनाओं के कार्यों की समीक्षा, निगमायुक्त ने दिए सख्त निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)।

अमृत योजना 1.0 एवं अमृत योजना 2.0 के तहत सीवरेज व सेप्टेज प्रोजेक्ट कार्यों की प्रगति की समीक्षा निगमायुक्त तपस्या परिहार ने करते हुए अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को कार्यों में तेजी लाकर निर्धारित समय सीमा में सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने कहा कि सीवर लाइन विस्तार के दौरान खोदी गई सड़कों का स्थायी रेस्टोरेशन कार्य आगामी नवरात्रि से पहले पूरा किया जाए, ताकि धार्मिक आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को परेशानी न हो, जिन स्थानों पर कार्य शेष है, वहां बारिश से पहले अस्थायी भराई (मार्टरबल) का कार्य भी अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए। बैठक में माधवनगर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट एसटीपी के शेष कार्यों की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त ने इसे 31 मार्च से पहले पूरा कर ट्रायल रन शुरू करने को कहा। इसके साथ ही पाइपलाइन विस्तार, मैनहोल निर्माण और हाउस सर्विस कनेक्शन के लंबित कार्यों को तेजी से पूरा करने के लिए अतिक्रित मैनपावर और मशीनरी लगाने के निर्देश भी दिए गए। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड क्रमांक 17 और रामजानकी हनुमान वार्ड क्रमांक 18 में लगभग 3.8 किलोमीटर सीवर लाइन बिछाने का कार्य पूरा होने की जानकारी दी गई। निगमायुक्त ने कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन करने और नागरिकों की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में उपयंत्री मृदुल श्रीवास्तव, पीडीएमसी के एआरई सौरभ नौगजा, संविदाकार प्रतिनिधि करण पटेल, हार्दिक मोरडिया सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मिड डे मील में लापरवाही

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिले में प्रधानमंत्री पोषण आहार कार्यक्रम अंतर्गत घोर लापरवाही की जा रही है सरकारी स्कूलों में इस योजना के अंतर्गत मध्यान भोजन बच्चों को समूहों के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है लेकिन जानकारी मिल रही है कि समूह को समय पर राशन और राशि दोनों नहीं मिल पा रही है जबकि समूह की मांग है की प्रतिमाह राशन व राशि प्रदान की जाए राशन सामग्री चावल में गोलमाल की आशंका समूह जता रहे हैं किन-किन महीने का चावल दिया जा रहा है यह समूह को ठीक से पता नहीं चल पा रहा है इस विषय पर जांच की जाए कि कब से कब तक का चावल नहीं दिया गया है वह पूरा चावल समूह को प्रदान किया जाए और कब से कब तक की राशि नहीं दी गई है वह पूरी राशि भी तत्काल जमा की जाए ताकि मिड डे मील का कार्यक्रम ठीक तरह से क्रियान्वित हो सके ऐसी जन अपेक्षा है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ शक्ति

मण्डला (स्वतंत्र मत)। महिला एवं बाल विकास परियोजना मोहगांव में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान अंतर्गत शक्ति स्वागतम 2.0 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवजात बालिका एवं उनकी माता को आमंत्रित कर स्वागत, वन्दन अभिनंदन किया गया। नवजात बालिकाओं को कपड़े, खिलौने, बिस्तर का सेट एवं माता को सोंठ के लड्डू, ड्राई फरूट, गुड चना, मिक्स दाल, स्वच्छता किट में साबुन, सेनेटरी नेपकिन आदि सामग्री उपहार स्वरूप दी गई। शक्ति स्वागतम कार्यक्रम अंतर्गत महिलाओं को समझाया गया कि वह अपने अंदर की शक्ति को पहचाने और उसे विकसित करें। बेटियों को ईश्वर का वरदान , शक्ति समझे। बेटियों के विकास के लिए पोषणआहार, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें एवं उन्हें समाज में विशेष स्थान दिलाने के लिए शिक्षा अति आवश्यक है।

कार्यवेक्षक सम्मेलन एवं होली मिलन आज

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कार्यवेक्षक संघ का सम्मेलन एवं होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन आज 14 मार्च शनिवार को आयुध निर्माणी कटनी के पूर्वी क्षेत्र में स्थित वेस्टलैंड बैचलर मैच में किया जा रहा है। इसमें जबलपुर जोन के खमरिया, व्हीकल, जीआईएफ, इटारसी के साथ-साथ कटनी निर्माणी के पदाधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में सदस्यगण समस्याओं को लेकर गहन मंत्रणा करेंगे। एआईएएनजीओ के अध्यक्ष उमाशंकर एवं सचिव प्रकाश सिंह गौतम ने बताया किए रक्षा क्षेत्र के कार्यवेक्षक से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा एवं समाधान के लिए आयोजित होने वाले इस आयोजन में जबलपुर खमरिया से जेसीएम तृतीय मेंबर अजय यादव के साथ ही जोन सचिव दिनेश कुमार पांडे की विशेष रूप से उपस्थित रहेगी। इसके अलावा जबलपुर स्थित आयुध निर्माणियों से जीआईएफ से मधुसूदन दहिया, सचिन ठाकुर व्हीएफजे से नटराज अय्यर, रॉबिंसन मसीह, जीसीएफ से अजय रजक, सुजीत कुमार, राजेंद्र असाटी सहित इटारसी से योगेंद्र रघुवंशी एवं पवन सिंह राजपूत की मौजूदगी रहेगी। कटनी आयुध निर्माणी के पूर्वी क्षेत्र में स्थित बैचलर मैच में सायं 7 बजे से आयोजित इस सम्मेलन के उपरांत होली मिलन कार्यक्रम भी रखा गया है। कटनी इकाई के पदाधिकारी संजय ईश्वर, जितेंद्र रहंगदले, मनोज पटेल, अतुल गुप्ता, वीरेंद्र वर्मा, मनोज काछी, संजय सिंह, सुमंत शील, महेश सेन, सौरभ क्लेरियेंस, ज्ञानचंद, आशीष गौतम, नितिन श्रीवास्तव, जीवन दत्त तिवारी, आर जेकब, पिंटू सिंह, महेंद्र साहू, रमेश दुबे, रामनाथ सेन, उत्तम कुमार, पवन मुछाल, तारकनाथ पाल, दीपक बिचपुरिया, एन सिंह, अजीत कुमार सिंह, अखिलेश यादव, हरि सिंह, जे एल मेघवानी, नीतीश कुमार विश्वास, एसपी यादव, राजेश रोशन आदि पदाधिकारी एवं सदस्यों ने आयोजित सम्मेलन में कार्यवेक्षकों के मुद्दे के निदानार्थ अधिकाधिक संख्या में शामिल होने का अनुरोध किया है।

AIA NGO AIANGOs

माध्यमिक शिक्षक निलंबित

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिले के जनजातीय कार्य विभाग ने माध्यमिक शाला डालाखापा ब्लॉक नारायणगंज में पदस्थ माध्यमिक शिक्षक रिंकू कुमार के खिलाफअनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। शिक्षक को 2 सितंबर 2025 और 12 नवंबर 2025 को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। पहले नोटिस का जवाब नहीं दिया गया और दूसरे के जवाब में संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं पाया गया। शिक्षक ने अपने स्पष्टीकरण में दादाजी के स्वास्थ्य निधन और अपनी आंखों के ऑपरेशन का उल्लेख किया था लेकिन उन्होंने इसके समर्थन में कोई भी मेडिकल सर्टिफिकेट या साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए। यह कार्रवाई म.प्र. सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 के नियम 9 (1) के तहत की गई है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी घुघरी निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलता रहेगा। उनके विरुद्ध अब विभागीय जांच की जाएगी और पृथक से आरोप पत्र जारी किए जाएंगे।

कतिया समाज की बैठक 15 को

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिला कतिया समाज की बैठक 15 मार्च रविवार को दोपहर 12 बजे से महाराजपुर संगम घाट में स्थित समाज के धर्मशाला में आहूत की गई है। उक्त बैठक में समाज के जिला अध्यक्ष निर्वाचन पर चर्चा की जाएगी। यह बैठक खिरहनी सर्किल द्वारा आयोजित की जा रही है, आयोजकों द्वारा सभी स्वजातीय जनों से बैठक में सम्मिलित होने का आग्रह किया गया है।

टीईटी के विरोध में सड़कों पर फूटा शिक्षकों का आक्रोश

हजारों की तादाद में शिक्षकों ने घेरा कलेक्ट्रेट

कटनी (स्वतंत्र मत)।

13 मार्च को शासकीय शिक्षक संगठन के नेतृत्व में टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) के विरोध में हजारों की तादाद में शिक्षकों ने रैली निकाल कर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर कटनी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के पूर्व सभा को संबोधित करते हुए शासकीय शिक्षक संगठन के प्रांताध्यक्ष राकेश दुबे ने कहा कि वर्ष 1998 से अभी तक शिक्षकों की जो नियुक्तियां हुई हैं वो समय समय पर शासन द्वारा निर्धारित किए गए मानकों के तहत हुई हैं, और ये सभी शिक्षक समय समय पर अपडेट होते रहे हैं फिर अचानक संचालक लोकशिक्षण द्वारा यह विवादित आदेश वह भी थी होली के ठीक एक दिन पहले निकाल कर शिक्षकों के घर मे त्यौहार के समय मातम फैलाने वाला साबित हुआ है।

संगठन ने अपील की है कि मध्यप्रदेश सरकार इस आदेश को तत्काल निरस्त करे और माननीय सर्वोच्च न्यायालय में शिक्षक हित में पुनर्विचार याचिका दायर करे। ज्ञापन लेने के लिए उपस्थित हुई डिप्टी कलेक्टर ज्योति लिल्हारे ने तत्काल ज्ञापन शासन को प्रेषित किया। उक्त ज्ञापन कार्यक्रम समर्थन में राज्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय मंत्री रजनीश विश्वकर्मा, संजय अग्रवाल, लकी ग्रोवर, प्रांतीय शिक्षक संघ के देवेंद्र तिवारी, राज्य शिक्षक कांग्रेस के राकेश रंजन परोहा, आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के सुशील दुबे, शैलेन्द्र सिंह बघेल सहित शासकीय शिक्षक संगठन के नेतृत्व कर्ता रजनीश तिवारी, अरुण सिंह परिहार, शैलेंद्र खम्परिया, अनिल परोहा, मनीष सोनी, अनीता यादव, माधुरी तिवारी, स्वाती नायक, सपना चतुर्वेदी, दीपा सिंह, अनुपमा चौबे, सोनिकर तिवारी, दुर्गा विश्वकर्मा, चंद्रशेखर जायसवाल, संदीप मिश्रा, महेंद्र बागरी, अनूप तिवारी, अवधेश पांडे, अरुण दुबे, गंगाराम पटेल, कृष्णकुमार द्विवेदी, आशीष चौरसिया, दीपक नामदेव, अनूप श्रीवास्तव, राजा सोनकर, संतोष पाल, मनसुख चौधरी, मनरमन पांडे, महावीर अहिरवार, सुनील तिवारी के नेतृत्व में जिले के समस्त विकासखण्डों से हजारों शिक्षक साथी उपस्थित रहे।

बालाघाट जिले के सीएससी एवं अटल ई-सेवा केंद्रों में मनाया गया प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस

किसानों को दिखाई गई 22वीं किश्त का सीधा प्रसारण

बालाघाट

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 13 मार्च 2026 को किसानों के खातों में 22वीं किश्त की राशि जारी की गई। इस अवसर पर पूरे बालाघाट जिले के सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) एवं अटल ई-सेवा केंद्रों में प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को प्रधानमंत्री द्वारा किसान सम्मान निधि की 22वीं किश्त जारी करने के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया। किसानों ने उत्साह के साथ कार्यक्रम देखा और योजना से मिलने वाले लाभों की जानकारी प्राप्त की। जिला प्रबंधक सत्येंद्र बिसेन ने

जानकारी देते हुए बताया कि जिले के सभी अटल ई-सेवा केंद्रों एवं सीएससी केंद्रों के माध्यम से किसानों को विभिन्न डिजिटल सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। इन केंद्रों के माध्यम से किसानों को फार्मर आईडी पंजीयन, किसान सम्मान निधि की नकद निकासी, पीएम किसान ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, ई-उपार्जन पंजीयन तथा प्रधानमंत्री किसान मानधन पेंशन योजना में पंजीयन जैसी कई महत्वपूर्ण सेवाओं की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अब सीएससी और अटल ई-सेवा केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण स्तर तक आसानी से पहुँच रहा है, जिससे किसानों और ग्रामीणों को सरकारी सेवाओं के लिए भटकना नहीं पड़ रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की पुत्री के निधन पर पूर्व जिला अध्यक्ष सुजीत जैन ने दी श्रद्धांजलि

सिवनी (स्वतंत्रमत)

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की पुत्री सुरभी खंडेलवाल के दुखद निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पूर्व बैतूल जिला संगठन प्रभारी सुजीत जैन बैतूल स्थित निवास पहुंचे।

इस दौरान सुजीत जैन ने दिवंगत आत्मा को आत्मिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त खंडेलवाल परिवार से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि पुत्री का असमय निधन परिवार के लिए अत्यंत पीड़ादायक और अपूरणीय क्षति है। सुजीत जैन ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को इस दु:ख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

गणगौर गीत-नृत्य कल राजस्थानी महिला मंडल की सिल्वर जुबली

राजस्थानी महिला मंडल के सिल्वर जुबली कार्यक्रम पर गणगौर गीत-नृत्य प्रतियोगिता 15 मार्च को आयोजित है।

सिवनी (स्वतंत्रमत)

यह कार्यक्रम म अग्रवाल लोन में होगा। राजस्थानी सवायत सहकारिता मर्यादित, सिवनी (मध्यप्रदेश) पंजीयन क्रमांक डीआरसी सिवनी के अंतर्गत संचालित राजस्थानी महिला मंडल द्वारा पिछले 25 वर्षों से गणगौर प्रतियोगिता और गणगौर गीतों का आयोजन लगातार किया जा रहा है। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी गणगौर गीत एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम शनिवार को दोपहर 3 बजे अग्रवाल/अग्रोहा लॉन, सिवनी में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष राजस्थानी महिला मंडल अपनी सिल्वर जुबली (25 वर्ष) मना रहा है। जिसके उपलक्ष्य में विशेष रूप से गणगौर गीतों का सेलिब्रेशन रखा गया है।

मंडल की अध्यक्ष पुष्पा अग्रवाल एवं पीआरओ संगीता गौर ने बताया कि इस प्रतियोगिता में गणगौर पूजन करने वाली सभी बालिकाओं और ब्यावली साल की लड़कियों को आमंत्रित किया गया है।

कार्यक्रम में प्रतिभागी लड़कियां पारंपरिक गणगौर गीतों और नृत्य की प्रस्तुतियां देंगी, जिन्हें संस्था द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा।

सिल्वर जुबली वर्ष के अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में सिंगर आशा बिसेन को भी आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में गणगौर गीत-नृत्य के साथ-साथ होली उत्सव का भी आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंतिम दिन हर वर्ष की तरह इस बार भी गणगौर प्रतिमाओं का विसर्जन राजस्थानी महिला मंडल द्वारा विधि-विधान से किया जाएगा। आयोजकों ने गणगौर पूजन करने वाली सभी बालिकाओं और महिलाओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

जिले में अंतरवर्ती खेती को मिल रहा बढ़ावा

सिवनी (स्वतंत्रमत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार वर्ष 2026 को प्रदेश में कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना, आधुनिक एवं उन्नत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना तथा खेती को अधिक लाभकारी बनाना है। इसके तहत किसानों को नई तकनीकों से अवगत कराने, उन्नत बीज उपलब्ध कराने तथा फसलों के विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में जिले में दलहन एवं तिलहन फसलों के क्षेत्र विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही किसानों को अंतरवर्तीय खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

ट्रैक्टर और पिकअप वाहन की जोरदार टक्कर

सिवनी (स्वतंत्रमत)

सिवनी-मंडला मार्ग पर शुक्रवार को बैनगंगा बड़े पुल के पास एक पिकअप वाहन और ट्रैक्टर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा सुबह करीब 11 बजे हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर का इंजन ट्रॉली से अलग होकर सड़क किनारे पलट गया। हालांकि, इस हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई और एक बड़ा हादसा टल गया।

पिकअप वाहन में सब्जियां भरी थीं और वह छिंदवाड़ा से मंडला की ओर जा रहा था। दूसरी ओर, ईंटों से भरी ट्रॉली लेकर एक ट्रैक्टर केवलारी की दिशा में आ रहा था। देवकरन टोला के पास एक मोड़ पर दोनों वाहन आमने-सामने आ गए और तेज गति के कारण टकरा गए। टक्कर

इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ गया और उसका इंजन ट्रॉली से अलग होकर पलट गया।सड़क पर भीड़ कम होने से बड़ा हादसा टला

स्थानीय लोगों ने बताया कि दुर्घटनास्थल पर अक्सर लोगों और वाहनों की आवाजाही रहती है। संयोगवश, घटना के समय सड़क पर अधिक भीड़ नहीं थी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हादसे के बाद आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात व्यवस्था को सुचारू किया। कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित रहा, लेकिन पुलिस की तत्परता से स्थिति जल्द ही सामान्य हो गई।पुलिस ने हादसे की जांच शुरू की।

केवलारी थाना प्रभारी प्रीतम सिंह तिलगाम ने बताया कि सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची थी। उन्होंने पुष्टि की कि दुर्घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। मामले की जांच की जा रही है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मोड़ पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए चेतावनी संकेतक लगाए जाएं और गति नियंत्रण के उपाय किए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

शेर कॉम्प्लेक्स और बड़ा देव सिंचाई परियोजना से वंचित किसानों में आक्रोश

जल्द बड़े आंदोलन की तैयारी में 6 पंचायतों के जनजातीय किसान

धूमा (स्वतंत्रमत)

मध्य प्रदेश सरकार लगातार प्रदेश का सिंचाई रकवा बढ़ाने प्रयासरत है बहुत जल्द एक लाख हेक्टेयर भू-भाग को सिंचित करने का टारगेट सरकार ने तय किया है और इसी क्रम में लखनादौन तहसील के उत्तर-पूर्व सीमावर्ती ग्राम गुरार पट्टी के निकट सनेर नदी से लेकर ग्राम ढोड़ा माल और रैयत के निकट टोरिया नदी तक बड़ा देव सूक्ष्म सिंचाई परियोजना तथा लखनादौन के उत्तर-पश्चिम सीमावर्ती राखी पतरई गांव के पास शेर नदी पर शेढ़ काम्प्लेक्स इरिगेशन एरिया परियोजना अंतर्गत बांध बनना प्रस्तावित है तहसील क्षेत्र का बड़ा भूभाग जिसमें राजस्व और वन भूमि के साथ कृषि भूमि भी डूब में आ रही है तथा कुछ एक गांव के किसानों को इससे विस्थापन का दंश भी भोगना पड़ सकता है इतना कुछ होने के बाद भी इस क्षेत्र की कृषि-भूमि और किसानों की प्यास मिटने वाली नहीं है।

इन दोनों बांधों से लगभग 150 गांव ही लखनादौन तहसील के सिंचित होना है जबकि 150 के लगभग गांव नरसिंहपुर तहसील ,गोटेगांव तहसील ,शहपुरा तहसील और बरगी तहसील के सिंचित होना है लखनादौन के सिवाय दूसरी सभी तहसीलों में सिंचाई के लिए पानी की कमी नहीं है फिर भी लखनादौन विधानसभा क्षेत्र और मंडला संसदीय क्षेत्र के नाकाम जनप्रतिनिधियों के चलते गोटेगांव , नरसिंहपुर और बरगी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने लखनादौन की भोली भाली आदिवासी जनता के हक में डाका डाल दिया है धूमा के निकट कोहका बरबटी से लेकर धारपाठा, पटी, खाम्ही ,परतापुर, समनापुर, खाम्हा, जुगरई , सिल्पनी, धुबिया ,बंजारी ,डेहका, कुंडा और रायचौर के किसानों की कृषि भूमि इन बांधों के जल से सिंचाई से वंचित रहेगी , इस विषय को लेकर क्षेत्रीय आदिवासी किसानों में जबरदस्त हताशा , निराशा और आक्रोश है इस संबंध में आज क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधियों सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य और क्षेत्रीय किसानों ने धूमा विश्रामगृह में आवश्यक बैठक कर आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जिसमें क्षेत्रीय विधायक सांसद और माननीय कलेक्टर महोदय से आवेदन निवेदन करने के साथ ही आगामी आंदोलन की रूपरेखा को लेकर चर्चा की गई यदि शीघ्र ही क्षेत्र के 17-18 गांव को उक्त दो परियोजनाओं से सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध करना घोषित नहीं किया गया तो किसान बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं।

पेयजल समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम गठित

सिवनी (स्वतंत्रमत)

कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सिवनी द्वारा बताया गया कि शासन के आदेशानुसार एवं कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशानुसार जिले में ग्रीष्मकाल में पेयजल व्यवस्था बनाये रखने एवं ग्रीष्मकाल में सम्भावित पेयजल समस्याओं की सूचना प्राप्त करने, सम्बंधितों को सूचना प्रेषित करने एवं पेयजल व्यवस्था के लिये जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अन्तर्गत आने वाले विकासखण्डों में पेयजल समस्या होने पर अथवा हैण्डपंप खराब होने पर ग्रामवासियों द्वारा जिला स्तर पर गठित कंट्रोल रूम के नम्बर 07692-220560 पर शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं। इसके अतिरिक्त उपखंड सिवनी सहायक यंत्री आर जी गभने मोनं. 7648825267, विकासखंड सिवनी एवं कुरई उपयंत्री कु ऐश वर्या पुशाम मोनं. 7249894598, दिनेश आर्मो मोनं.9039778316 एवं कु लक्ष्मी वाडिवा मोनं. 7400732283 से पेयजल व्यवस्था एवं हेण्डपंप सुधार के लिए संपर्क किया जा सकता है।

इसी तरह उपखंड छपारा अंतर्गत सहायक यंत्री श्रीमती ज्ञानेश्वरी उईके मोनं. 8989624811 एवं विकासखंड छपारा एवं धनौरा अंतर्गत उपयंत्री दीपक धुर्वे मोनं. 7089662104 एवं बलराम पंद्रे मोनं. 7746853565 तथा उपखंड केवलारी अंतर्गत श्रीमती इमलेश्वरी कावरे मोनं. 7974218363 विकासखंड केवलारी एवं बरघाट अंतर्गत उपयंत्री कु अंबिका राय मोनं.7999863302 तथा होलसिंह सल्लामें मोनं. 9685437411 एवं उपखंड लखनादौन अंतर्गत हर्षित बैस मोनं. 8492940976 विकासखंड लखनादौन एवं घंसौर अंतर्गत उपयंत्री कु मनीषा उईके मोनं.7566090915,संदीप राठौर 9131798887 ,एवं अकलेश उईके मोनं. 7566864758, धनीराम नाथ मोनं. 9406706058 से सपर्क किया जा सकता है।

एलपीजी आपूर्ति को लेकर कंट्रोल रूम स्थापित

सिवनी (स्वतंत्रमत)

जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान भू-राजनैतिक परिस्थितियों के कारण आयात में आई रुकावट को देखते हुए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सभी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों को निर्देश दिए गए हैं कि एलपीजी की आपूर्ति और विपणन केवल घरेलू उपभोक्ताओं को ही सुनिश्चित किया जाए। जारी निर्देशानुसार वर्तमान में चिकित्सा संस्थानों और शैक्षणिक संस्थाओं को छोड़कर अन्य किसी भी वाणिज्यिक उपभोक्ता-जैसे होटल, मॉल, औद्योगिक इकाइयाँ, फैक्ट्री तथा बल्क मात्रा में एलपीजी का उपयोग करने वाले संस्थानों-को कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई नहीं की जाएगी। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि एलपीजी गैस आपूर्ति से संबंधित समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण के लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सिवनी रवि मुकाशी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी रवि कुमार मुकाशी मो. 6261124256, ऑपरेटर प्रसन्न यादव मो. 8109800788, ऑपरेटर लेखराम बिसेन मो. 9179203787, ऑपरेटर प्रद्युम रजक मो. 7909363224 तथा ऑपरेटर अभिलाष डहेरिया मो. 9399062730 से एलपीजी गैस प्रदाय किए जाने से संबंधित समस?याओं एवं शिकायतों के लिए संपर्क किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त जिले के सभी अनुभागों में खंडस्तरीय कंट्रोल रूम के गठन किए गए हैं साथ ही गैस की कालाबाजारी एवं जमाखोरी की रोगथाम के लिए दल का गठन किया गया है।

अशासकीय स्कूलों में आरटीई के तहत नि:शुल्क ऑनलाइन प्रवेश प्रारंभ

सिवनी (स्वतंत्रमत)

शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के अंतर्गत अशासकीय मान्यता प्राप्त स्कूलों में कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के निश्शुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 13 मार्च से शुरू होगी। यह प्रक्रिया राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा जारी समय-सारणी के अनुसार संचालित की जाएगी। जिला शिक्षा केन्द्र सिवनी से प्राप्त जानकारी के अनुसार अभिभावक 13 मार्च से 28 मार्च 2026 तक आरटीई पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन के बाद 14 मार्च से 30 मार्च तक शासकीय जनशिक्षा केन्द्रों में मूल दस्तावेजों का सत्यापन कराया जाएगा।

पात्र पाए गए बच्चों के लिए 2 अप्रैल 2026 को ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से स्कूलों का आवंटन किया जाएगा और चयनित अभिभावकों को एसएमएस के माध्यम से सूचना दी जाएगी। लॉटरी में चयनित बच्चों को 3 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 के बीच आवंटित अशासकीय स्कूल में उपस्थित होकर प्रवेश की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

प्रथम चरण के बाद यदि सीटें रिक्त रहती हैं तो द्वितीय चरण में उनका पुन: आवंटन किया जाएगा। आरटीई के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, वनभूमि पट्टाधारी परिवार, विमुक्त जाति, दिव्यांग बच्चे, एचआईवी प्रभावित बच्चे सहित वंचित समूह के बच्चे तथा गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों के बच्चे, अनाथ बच्चे और मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना के हितग्राही आवेदन के लिए पात्र हैं। अभिभावकों से अपील की गई है कि आवेदन करते समय विद्यालयों का चयन सावधानीपूर्वक करें तथा ऑनलाइन आवेदन के बाद अनिवार्य रूप से जनशिक्षा केन्द्र में दस्तावेजों का सत्यापन कराएं, तभी बच्चे लॉटरी प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे। अधिक जानकारी के लिए अभिभावक नजदीकी जनशिक्षा केन्द्र, जनपद शिक्षा केन्द्र या जिला शिक्षा केन्द्र से संपर्क कर सकते हैं।

अनियंत्रित होकर पलटा पिकअप वाहन

धूमा (स्वतंत्रमत)

सिवनी जिले के धूमा थाना क्षेत्र अंतर्गत धूमा बाईपास के पास गुरुवार देर रात सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि वाहन को काफी क्षति पहुंची है।

पिकअप वाहन जबलपुर से लखनादौन की ओर जा रहा था। धूमा बाईपास के पास वाहन चालक ने तेज गति के कारण नियंत्रण खो दिया और वाहन सड़क पर पलट गया। वाहन में सवार चालक और परिचालक सुरक्षित बच गए।थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। यह स्थान दिनभर लोगों और वाहनों की आवाजाही वाला है। यदि घटना के समय सड़क पर अन्य वाहन या राहगीर होते, तो बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों ने सड़क पर स्पीड ब्रेकरों की उचित मार्किंग और संकेतक लगाने की मांग की है, ताकि चालक समय रहते गति नियंत्रित कर सकें। घटना की सूचना मिलते ही धूमा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

घंसौर में सामूहिक विवाह का भव्य आयोजन, 100 जोड़े बंधे पवित्र बंधन में

जनपद पंचायत घंसौर में खुशियों की बरसात, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के सहयोग से संपन्न हुआ सामूहिक विवाह समारोह

घंसौर (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत घंसौर में एक भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कुल 100 जोड़ों का विवाह एवं निकाह विधिवत संपन्न कराया गया, जिसमें हिंदू रीति-रिवाजों के साथ-साथ मुस्लिम समाज के जोड़ों का निकाह भी कराया गया। इस अवसर पर पूरे कार्यक्रम स्थल पर उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला और नवविवाहित जोड़ों के चेहरे पर नई जिंदगी की शुरुआत की खुशी साफ झलक रही थी।

कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत घंसौर के तत्वावधान में किया गया, जिसमें जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) के नेतृत्व में सभी कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। समारोह में

जनपद पंचायत के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, प्रशासनिक अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में एसडीएम, शिक्षा विभाग के कर्मचारियों, जनपद पंचायत के कर्मचारियों, सरपंचों, सचिवों और रोजगार सहायकों का विशेष योगदान रहा। सामूहिक विवाह समारोह के दौरान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से विवाह संस्कार संपन्न कराया गया, वहीं मुस्लिम समाज के जोड़ों का निकाह भी काजी द्वारा परंपरागत रीति से कराया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक संगीत और मंगलगीतों से वातावरण पूरी तरह आनंदमय बना रहा।

मध्यप्रदेश शासन की इस योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक सहायता प्रदान करना और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत नवविवाहित जोड़ों को शासन की ओर से आर्थिक सहायता और गृहस्थी का प्रारंभिक सामान भी प्रदान किया जाता है, जिससे वे अपने नए जीवन की शुरुआत सम्मानपूर्वक कर सकें। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डबल इंजन की सरकार में बहनों को मिल रही हैं डबल खुशियां: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की 1.25 करोड़ बहनों के खातों में अंतरित किए 1836 करोड़ रुपये

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की बहनें आत्मनिर्भरता एवं स्वावलम्बन के मामले में पूरे देश के लिए उदाहरण बन रही हैं। प्रदेश के 5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों से जुड़कर करीब 65 लाख बहनें आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं। आज प्रदेश में 12 लाख से अधिक लखपति दीदियां कार्यरत हैं। हम महिला उद्यमियों को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारी बहनें अब फैक्ट्रियों और उद्योगों का नेतृत्व कर रही हैं। प्रदेश के 47 प्रतिशत नए स्टार्ट-अप का नेतृत्व अब हमारी बहनों के हाथों में है। हम सभी बहनों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए मिशन मोड में कार्य करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है, इसलिए यहां की बहनों को लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली बहना योजना के रूप में डबल खुशियां मिल रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को ग्वालियर जिले के शबरी माता मंदिर परिसर, घाटीगांव में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन में लाड़ली बहनों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत प्रत्येक कठिन परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें प्रदेश की बहन-बेटियां भी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नवरात्रि से पहले आज बहनों को 1500 रुपए की सौगात मिल रही है।

अब बहनों के खाते में हर महीने 1500 रुपये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली बहना योजना में बहनों को योजना की 34वीं किश्त प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 27 हजार से अधिक बहनों के खाते में 1 हजार 836 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। इनमें ग्वालियर जिले की 3 लाख 16 हजार से अधिक लाड़ली बहनें भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब प्रदेश की हर लाड़ली बहनों के खाते में हर महीने 1500 रुपये भेजे जा रहे हैं। लाड़ली बहन योजना में अब तक 52 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि बहनों को दी जा चुकी है।

35 विकास कार्यों का भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर जिले को 121 करोड़ 95 लाख रुपये की लागत वाले 54 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने सिंगल क्लिक से लगभग 60 करोड़ रुपये की लागत के 35 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लगभग 62 करोड़ रुपये की लागत वाले 19 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसमें 39 करोड़ 86 लाख रुपये की लागत से कुलैथ घाटीगांव में शासकीय सांदीपनि विद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी शामिल है।

प्रदेश की बहनें अब आत्म-निर्भर बन गई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 2 महीने बाद लाड़ली बहना योजना के 3 साल पूरे हो जाएंगे। इन 3 सालों में प्रदेश की बहनों की जिन्दगी जिस तरह से बदली है, वह भूतो न भविष्यति है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जनवरी 2024 से फरवरी 2026 तक 42 हजार 308 करोड़ रुपये प्रोत्साहन राशि बहनों के खाते में भेजी गई है। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना से प्रदेश की बहनें अब आत्म-निर्भर बन गई हैं। अब वे मजबूर नहीं, मजबूत हो गई हैं। इस योजना ने बहनों को न केवल आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाया है, बल्कि इन्हें रिस्क लेने और अपने जीवन को बेहतर बनाने के सपने देखने की हिम्मत भी दी है।

ग्वालियर मध्यप्रदेश का गौरव है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर मध्यप्रदेश का गौरव है। ये धरती शक्ति के आशीर्वाद से सिंचित है और शक्ति की उपासना से ही हमारा संसार सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र मध्यप्रदेश के साथ देश की इकॉनामी डेवलपमेंट में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। कभी बीहड़ों के लिए मशहूर रहा यह क्षेत्र हमारी सरकार के प्रयासों से आज औद्योगिक गतिविधियों का नया केन्द्र और प्रगति का नया उदाहरण बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित एवं कन्या पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उपस्थित मातृ शक्ति पर पुष्प-वर्षा कर उन्हें आदरपूर्वक नमन किया। स्थानीय प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का गजमाला से सम्मान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हितग्राहियों को वन अधिकार पत्र, स्व-सहायता समूह के चेक एवं मुद्रा योजना के चेक भी सौंपे।

जूनियर डॉक्टर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी: शुक्ल

उप मुख्यमंत्री शुक्ल के निर्देश के अनुक्रम में स्टाइपेंड वृद्धि आदेश जारी, 1 अप्रैल 2025 से होंगे प्रभावशील

भोपाल (स्वतंत्र मत)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के निर्देशों के अनुपालन में चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जूनियर डॉक्टरों के स्टाइपेंड में वृद्धि संबंधी आदेश जारी कर दिए गए हैं, जो 1 अप्रैल 2025 से प्रभावी होंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सशक्त एवं जनोन्मुख बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जूनियर डॉक्टर पूर्ण समर्पण से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त और सुदृढ़ करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान निभायेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि जूनियर डॉक्टर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। मेडिकल कॉलेजों और संबद्ध अस्पतालों में वे न केवल अपने चिकित्सा प्रशिक्षण को पूर्ण करते हैं। मरीजों को निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में भी जूनियर डॉक्टर अग्रणी भूमिका निभाते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जूनियर डॉक्टर के हित को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों को सकारात्मक समाधान के निर्देश दिए थे। उसके अनुक्रम में विभाग द्वारा स्टाइपेंड वृद्धि का आदेश जारी किया गया है। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत जूनियर डॉक्टरों के स्टाइपेंड में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 2.94 के आधार पर वृद्धि करते हुए 1 अप्रैल 2025 से संशोधित स्टाइपेंड लागू किया गया है। इसके तहत पीजी प्रथम वर्ष का स्टाइपेंड 75,444 रुपये से बढ़ाकर 77,662 रुपये, द्वितीय वर्ष का 77,764 रुपये से बढ़ाकर 80,050 रुपये तथा तृतीय वर्ष का 80,086 रुपये से बढ़ाकर 82,441 रुपये किया गया है।

इसी प्रकार इंटर्न का स्टाइपेंड 13,928 रुपये से बढ़ाकर 14,337 रुपये किया गया है। सुपर स्पेशिलिटी पाठ्यक्रम के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के स्टाइपेंड को भी बढ़ाकर 82,441 रुपये निर्धारित किया गया है। सीनियर रेजिडेंट का स्टाइपेंड 88,210 रुपये से बढ़ाकर 90,803 रुपये तथा जूनियर रेजिडेंट का स्टाइपेंड 63,324 रुपये निर्धारित किया गया है। इस निर्णय से प्रदेश के सभी शासकीय मेडिकल कॉलेजों में अध्ययनरत एवं सेवाएं दे रहे जूनियर डॉक्टरों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा।

सड़क दुर्घटना में घायल सात लोगों को समय पर पहुँचाया अस्पताल

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

रतलाम जिले के थाना बड़ावदा क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों को डायल-112 जवानों की त्वरित कार्रवाई से समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया। डायल-112 टीम की तत्परता से घायलों को शीघ्र उपचार मिल सका।

12 मार्च को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना बड़ावदा क्षेत्र में बाबा फरीद दरगाह के पास तूफान गाड़ी और मिनी लोडिंग वाहन की आमने-सामने भिड़ंत हो गई है, जिससे कई लोग घायल हो गए हैं। सूचना प्राप्त होते ही तत्काल एफआरव्ही-13 को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुँचकर आरक्षक अंतर सिंह एवं पायलट अंकित परमार ने पाया कि तूफान गाड़ी और मिनी लोडिंग वाहन की भिड़ंत में सात व्यक्ति घायल हो गए थे। स्थिति को देखते हुए डायल-112 जवानों ने त्वरित कार्यवाही करते हुए सभी घायलों को एफआरव्ही वाहन की सहायता से सिविल अस्पताल जावरा पहुँचाकर भर्ती कराया, जहाँ उनका उपचार किया जा रहा है। डायल 112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस हर आपात स्थिति में आमजन की सहायता और जीवन रक्षा के लिए सदैव सजग और समर्पित है।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन आज

दमोह (स्वतंत्र मत)। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणए जबलपुर के आदेशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष सुभाष सोलंकी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह के कुशल मार्गदर्शन में आज जिला मुख्यालय दमोह, तहसील हटाए पथरिया एवं तेंदूखेड़ा में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है जिसमें न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य दांडिक, सिविल, चैक अनादरण, वाहन दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा, वैवाहिक मामले, विद्युत से संबंधित प्रकरणों का आपसी सहमति एवं राजीनामा के आधार पर निराकरण किया जावेगा। साथ ही उक्त नेशनल लोक अदालत के माध्यम से बैंक ऋण वसूली, बीएसएनएल, विद्युत एवं नगर पालिका से संबंधित प्रिंलिटिगेशन प्रकरणों का भी निराकरण किया जावेगा।

करंट से मौत के बाद भी नहीं चेता विद्युत मंडल

48 घंटे बाद भी नहीं हटे नदी पार झूलते तार

हटा (स्वतंत्र मत)। सुनार नदी के इंटेकबेल घाट पर करंट लगने से परसराम रैकवार की मौत की घटना के 48 घंटे बीत जाने के बाद भी विद्युत मंडल प्रशासन की लापरवाही कम होती नजर नहीं आ रही है। हादसे के बाद भी नदी के ऊपर से गुजर रहे झूलते और अवैध तार अब तक नहीं हटाए गए हैं जिससे फिर किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। जानकारी के अनुसार सुनार नदी पार रोसरा ग्राम के चार किसानों को वर्तमान में सिंचाई के लिए अस्थायी विद्युत कनेक्शन दिए गए हैं। इन्हीं में से एक तार टूटकर नदी के घाट क्षेत्र में आ गिरा था जिससे परसराम रैकवार करंट की चपेट में आ गए और उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने

पर पुलिस टीम के साथ विद्युत मंडल के कर्मचारी मौके पर पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान नदी के दूसरे किनारे की ओर चार तार झूलते हुए जाते पाए गए। इसके अलावा भी एक ट्रांसफार्मर के पास से दर्जनों तार लटकते हुए दिखाई दिए जिनका उपयोग जरूरत पड़ने पर अस्थायी या जुगाड़ के कनेक्शन के रूप में किया जाता रहा है।

नगर निरीक्षक सुधीर बेंगी ने भी घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए इन अवैध और खतरनाक तारों को तत्काल हटाने के निर्देश विद्युत मंडल के कर्मचारियों को दिए थे। इसके बावजूद 48 घंटे बीत जाने के बाद भी इन तारों को नहीं हटाया गया है जिससे विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इस संबंध में सहायक अभियंता राजेश सहाय का कहना है कि रोसरा के किसानों को दिए गए चार अस्थायी कनेक्शनों की अवधि तीन-चार दिनों में समाप्त हो जाएगीए जिसके बाद तार निकाल दिए जाएंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि अन्य जो भी तार लगे हैं उन्हें ट्रांसफॉर्मर से अलग कर हटाने के निर्देश कर्मचारियों को दे दिए गए हैं। हालांकि सवाल यह उठ रहा है कि जब एक व्यक्ति की जान जा चुकी है, तब भी यदि खतरा बना रहे तो जिम्मेदारी किसकी मानी जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही इन अवैध और झूलते तारों को नहीं हटाया गया तो कभी भी फिर कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

नई शिक्षा व्यवस्था से विद्यार्थियों को मिलेगा बहु-विषयक ज्ञान : राजन

विकसित भारत 2047 को लेकर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, भोपाल द्वारा विकसित भारत 2047 संस्कृति, ज्ञान तथा सततता पर अन्तर्विषयी दृष्टिकोण विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसका शुक्रवार को अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने शुभारंभ किया। साथ ही महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी को लेकर तैयार की गई स्मारिका एवं मोनोग्राफ का लोकार्पण भी किया। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री राजन ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा व्यवस्था में बहुविषयक अध्ययन पद्धति को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बहु-विषयक ज्ञान प्रदान करना है। एसीएस श्री राजन ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में समग्र विकास की अवधारणा पर जोर देते हुए कहा कि केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज के संतुलित और समग्र विकास के लिए मानव मूल्यों, संस्कृति, विरासत और पर्यावरण के संरक्षण पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विज्ञान का अध्ययन महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके साथ-साथ कला और सामाजिक विषयों से भी जुड़ाव उतना ही आवश्यक है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके।

राजन ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन-अपर मुख्य सचिव श्री राजन ने दो दिसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में महाविद्यालय परिसर में विभिन्न संकायों द्वारा लगाई गए एक विशेष अन्तर्विषयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से संवाद कर प्रदर्शनी के बारे में जानकारी भी प्राप्त की। इसके साथ ही प्राचीन सिक्कों का संग्रह, सम्राट विक्रमादित्य के सिक्के, अन्य कालखंडों के दुर्लभ सिक्कों का प्रदर्शन भी किया गया।

गैस सिलेंडर की समस्या से बेकाबू हो रही उपभोक्ताओं की भीड़

गैस एजेंसी पथरिया संचालक कर रहे उपभोक्ताओं को परेशान

पथरिया (स्वतंत्र मत)। ईरान इजराइल अमरीका युद्ध का असर दिखने लगा है। भले ही किसी भी देश ने भारत को तेल और गैस देने से मना नहीं किया लेकिन युद्ध के चलते अब भारत में भी पेट्रोल डीजल एवं गैस की समस्या नजर आने लगी। दमोह की पथरिया तहसील में गैस की इतनी किल्लत हो गई है। की सैंकड़ों की भीड़ गैस एजेंसी के बाहर घंटों से लाइन में खड़े है। जिसमें बूढ़े, बच्चे, महिलाएं, विकलांग सभी सम्मिलित है जो चिलचिलाती धूप में खड़े सिलेंडर की आस लगाए है। उसके बाद भी उन्हें सिलेंडर उपलब्ध न होने के कारण निराशा होना पड़ रहा है। गैस एजेंसी के बाहर खड़े कुछ उपभोक्ताओं का आरोप है कि वह लगभग तीन दिन से एजेंसी के चक्कर काट रहे है। पर उन्हें एजेंसी द्वारा सिलेंडर नहीं दिया जाता तो वहीं कुछ उपभोक्ताओं ने सिलेंडर की कालाबाजारी के भी आरोप लगाते हुए कहा कि कई लोगों को एजेंसी द्वारा गाड़ी भर भर कर सिलेंडर दिए जा रहे है। जबकि खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के पत्र क्रमांक 1472/पेट्रोलियम/26 भोपाल दिनांक 10 मार्च में साफ कहा गया है कि चिकित्सालय एवं शैक्षणिक संस्थान और उपभोक्ताओं के अलावा किसी और को सिलेंडर वितरित नहीं किए जाएंगे।

उन्मुक्त समाज सेवी संस्था को किया सम्मानित

दमोह (स्वतंत्र मत)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग दमोह द्वारा वृद्धजन संवेदीकरण जागरूकता कार्यक्रम जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र में आयोजित किया गया जिसमें समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही व नशामुक्ति के क्षेत्र में प्रचार-प्रसार के रही सामाजिक संस्था उन्मुक्त सर्वजन कल्याण समाज सेवी संस्था को सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा मंच से सम्मानित किया गया। नितिन पटेल ने बताया कि यह संस्था लगभग आठ माह से नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्य कर रही है जो दमोह के समस्त वार्डों में एवं तीन तहसील पथरिया, तेंदूखेड़ा, हटा के शहरी वार्ड में एवं दमोह ब्लाक के अनुमानित 60 से 70 ग्राम पंचायत में नशामुक्ति प्रचार प्रसार की टीम के साथ नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है, यह कार्य बहुत सराहनीय है।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण / हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनवंतरी नगर जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक एमआईजीडी -07 श्री संदीप हंसदा पिता स्व. श्री सनातन हंसदा के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 05.11.2001 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री संदीप हंसदा पिता स्व. श्री सनातन हंसदा ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 16.01.2009 के माध्यम से श्रीमती पूना उपाध्याय पति स्व. श्री अयोध्या प्रसाद उपाध्याय एवं श्रीमती निधि तिवारी पति श्री ए.पी. तिवारी को विक्रय किया है। अतः श्रीमती पूना उपाध्याय पति स्व. श्री अयोध्या प्रसाद उपाध्याय एवं श्रीमती निधि तिवारी पति श्री ए.पी. तिवारी द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13 नगर निगम जबलपुर

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रिया शुक्ला (श्रीमती प्रिया दीक्षित) पति श्री नीलेश दीक्षित ने मकान नं. 856/एसएफ/बी/एफ-208 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती द्वितीय तल 1242 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा पदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है । जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर कार्यालय संभाग क्रमांक - 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें ।

राजस्व निरीक्षक संभाग क्रमांक 13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13 नगर निगम जबलपुर

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्री गुरिन्दर पाल सिंह ओबेराय पिता स्व. श्री स. जसवीर सिंह ओबेराय (2) श्रीमती प्रतिमा ओबेराय पति श्री गुरिन्दर सिंह पाल सिंह ओबेराय ने मकान नं. 109/जीएफ-5 का भाग वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती भूतल 216 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा पदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है । जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर कार्यालय संभाग क्रमांक - 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें ।

राजस्व निरीक्षक संभाग क्रमांक 13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मदर टेरेसा नगर कालोनी जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक जेआर एलआईजी-437 श्री नरेन्द्र कुमार जैन पिता स्व. श्री रतनचंद जैन के नाम आवंटित है, को आंवटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 07.06.2018 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री नरेन्द्र कुमार जैन पिता स्व. श्री रतनचंद जैन ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 18.07.2019 के माध्यम से श्री धर्मचंद जैन पिता स्व. श्री रतनचंद जैन को विक्रय किया है। अतः श्री धर्मचंद जैन पिता स्व. श्री रतनचंद जैन द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज़ हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बादत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तातरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा कालोनी जबलपुर में भवन क्रमांक एलआईजी-1166 श्री दीपक यादव पिता श्री ओमप्रकाश यादव के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 17.4.2018 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री दीपक यादव पिता श्री ओमप्रकाश यादव ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 23/2/2026 के माध्यम से सुश्री कविता रजक पिता श्री रामस्वरूप रजक को विक्रय किया है। अतः सुश्री कविता रजक पिता श्री रामस्वरूप रजक द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये है। यदि किसी व्यक्ति संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा कालोनी जबलपुर में भवन क्रमांक एलआईजी-1167 श्री रीतेश यादव पिता श्री ओमप्रकाश यादव के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 21.8.2018 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री रीतेश यादव पिता श्री ओमप्रकाश यादव ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 23/2/2026 के माध्यम से सुश्री कविता रजक पिता श्री रामस्वरूप रजक को विक्रय किया है। अतः सुश्री कविता रजक पिता श्री रामस्वरूप रजक द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये है। यदि किसी व्यक्ति संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र, जबलपुर

हितकारिणी डेंटल कॉलेज में आईएसपी कोलोकीयम-2026 का आयोजन

इम्प्लांट विथ पेरीयो प्रीसीजन विषय पर डॉक्टर्स ने साझा किए अपने अनुभव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी सभा के तत्वावधान में हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल के पीरियोडॉन्टिक्स एवं इम्प्लांटोलॉजी विभाग द्वारा शुक्रवार, 13 मार्च को इम्प्लांट विथ पेरीयो प्रीसीजन विषय पर 14वें आईएसपी कोलोकीयम 2026 के अंतर्गत एक दिवसीय व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आईसीएमआर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च इन ट्राइबल हेल्थ के डायरेक्टर एवं साइंटिस्ट-जी डॉ. प्रवीण के. भारती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। हितकारिणी सभा की अध्यक्ष सुनैना पटेरिया कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि रहीं, जबकि हितकारिणी सभा के सचिव बाबू विश्वमोहन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. चंद्रहास एवं डॉ. त्रिनाथ किशोर ने उन्नत इम्प्लांट तकनीकों जैसे कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांट्स और सॉफ्ट-टिश्यू ऑगमेंटेशन पर अपने अनुभव साझा करते हुए सटीक उपचार योजना एवं इम्प्लांट प्लेसमेंट की प्रक्रियाओं को विस्तार से समझाया।

लाइव डेमोंस्ट्रेशन विद्यार्थियों ने प्राप्त किया अनुभव- लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को आधुनिक इम्प्लांटोलॉजी तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ, जिससे इम्प्लांट की स्थिरता, सौंदर्य एवं दीर्घकालिक सफलता को बेहतर बनाने के उपायों की जानकारी मिली। यह कार्यक्रम अंडरग्रेजुएट एवं पोस्टग्रेजुएट विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा। यह आयोजन डॉ. राजेश बी. धीरावानी (डायरेक्टर एवं एडवाइजर) तथा डॉ. रोहित मिश्रा (डीन, विभागाध्यक्ष एवं आयोजन अध्यक्ष) के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. अनुश्री चौधरी (ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी), डॉ. एलाश्री चटर्जी, डॉ. वर्षा चौबे एवं डॉ. कौशल त्रिपाठी का विशेष योगदान रहा।

गांजे के कारोबार में लिप्त आरोपी पकड़ाया

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। क्राईम ब्रांच की टीम ने भेड़ाघाट चौराहा के पास पुलिया के नीचे खड़े एक आरोपी को गांजे के साथ दबोचा है। जिसके पास से पुलिस ने 149 ग्राम गांजा कीमती साढ़े सात हजार रुपये का बरामद किया। इसके साथ ही दो हजार 420 रुपये की नगदी भी जब्त की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए गांजे के संबंध में पूछताछ शुरु कर दी है।पुलिस ने बताया कि क्राईम ब्रांच की टीम ने मुखबिर की सूचना पर भेड़ाघाट चौराहा पुलिया के पास घेराबंदी कर शक्ति साहू पिता उम्र 36 वर्ष निवासी झिन्ना मोहल्ला मीरगंज भेड़ाघाट को हिरासत में लिया। जो अपने पास सफेद रंग की पालीथीन में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखे हुए मिला। जो कि तौल करने पर 149 ग्राम होना पाया गया, जिसकी कीमत सात हजार 450 रुपये है। इसके अलावा पुलिस ने आरोपी के पास से दो हजार 420 रुपये की नगदी भी जब्त की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए गांजे के संबंध में पूछताछ शुरु कर दी है।

घर में मिला अवैध रूप से रखे गैस सिलेण्डरों का जखीरा

महाराजपुर पर प्रशासन व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

जबलपुर (स्वतंत्रमत)

अधारताल क्षेत्रातंर्गत महाराजपुर क्षेत्र में अवैध गैस सिलेंडर के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। राजस्व विभाग, खाद्य विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने एक रिहायशी मकान पर छापा मारकर अवैध रूप से जमा किए गए सिलेंडरों का जखीरा पकड़ा है।इस कार्यवाही का नेतृत्व नायब तहसीलदार नीलू बागड़ी और सहायक खाद्य अधिकारी राजधर साकेत ने किया। मौके से टीम ने आरोपी प्रदीप साहू को हिरासत में लिया है। जांच के दौरान आरोपी के कब्जे से कुल 46 सिलेंडर बरामद किए गए हैं। बरामद सामग्री में 8 भरे हुए सिलेंडर, 32 खाली सिलेंडर और 4 कमर्शियल सिलेंडर शामिल हैं। सघन आबादी वाले क्षेत्र में इस तरह का अवैध भंडारण एक बड़े खतरे की ओर संकेत कर रहा था, जिसे प्रशासन ने समय रहते विफल कर दिया।

जारी रहेगी कार्यवाही

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि पुलिस और प्रशासन की यह संयुक्त मुहिम सटीक सूचना के आधार पर की गई। आरोपी द्वारा नियमों को ताक पर रखकर गैस सिलेंडरों का संग्रह किया जा रहा था। प्रशासन ने जब्त सिलेंडरों को अपने अधिकार में लेकर संबंधित धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध किया है। इस कार्यवाही के बाद क्षेत्र के अन्य अवैध कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि शहर की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले तत्वों के खिलाफ भविष्य में भी ऐसी ही निरंतर कार्यवाही जारी रहेगी।

तलवार लेकर घूम रहा शातिर बदमाश गिरफ्तार

जबलपुर। गढ़ा पुलिस ने मेडिकल के समीप सर्वेन्ट क्वाटर के पास किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में तलवार लेकर घूम रहे शातिर बदमाश को धर दबोचा। जिसके पास से पुलिस ने एक धारदार तलवार जब्त की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि रात्रि गश्त के दौरान सूचना मिली कि सर्वेन्ट क्वाटर के पास एक व्यक्ति तलवार लेकर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। जिस पर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर दीपेश तिवारी पिता कन्हैयालाल तिवारी उम्र 35 वर्ष निवसी कैलाशपुरी गुप्तेश्वर बूढी खेरमाई मंदिर के पास गुप्तेश्वर को हिरासत में लिया। जिसके पास से तलवार जब्त की गई। पुलिस ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी अपराधी प्रवृत्ति का व्यक्ति है। जिसके विरूद्ध अवैध वसूली, मारपीट, तोड़फोड़, आर्म्स एक्ट, आबकारी एक्ट के 22 अपराध पंजीबद्ध है जो थाना गढा के मारपीट एवं आबकारी एक्ट में फरार था।

बिजली काटने से नाराज युवक ने कार्यालय में घुसकर अधिकारियों को धमकाया

जबलपुर (स्वतंत्रमत)

ओमती थाना क्षेत्र में बिजली बिल बकाया होने पर कनेक्शन काटे जाने से नाराज एक युवक ने बिजली विभाग के कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों से गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। ओमती थाने में युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन अभियंता कार्यालय (मिशन कम्पाउंड) में पदस्थ जूनियर इंजीनियर गौतम मुखर्जी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक 11 मार्च को विभाग की टीम ने प्रगतिशील कॉलोनी क्षेत्र में बकाया बिल के कारण चार बिजली कनेक्शन काटने की कार्रवाई की थी। इन कनेक्शनों पर करीब बीस हजार रुपए से अधिक का बिल बकाया था। शिकायत में बताया गया कि उसी दिन अपरान्ह करीब 3.30 बजे प्रगतिशील कॉलोनी निवासी दर्शन भाटिया बिजली कार्यालय पहुंचा और कनेक्शन काटने की बात को लेकर अधिकारियों से बहस करने लगा। इस दौरान उसने अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। प्रकरण के अनुसार युवक के जाने के बाद उसकी पत्नी भी कार्यालय पहुंची और बिजली अधिकारियों से विवाद करते हुए कार्रवाई कराने की धमकी दी। बिजली विभाग की शिकायत पर पुलिस ने दर्शन भाटिया के खिलाफ विभिन्न धाराओं तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक घटना का वीडियो और अन्य साक्ष्य भी जांच में शामिल किए जा रहे हैं।

रेलवे की तत्परता से बची महिला यात्री की जान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर रेल मंडल द्वारा एक महिला यात्री की गंभीर स्थिति में त्वरित सहायता प्रदान कर मानवीय संवेदनशीलता का उदाहरण प्रस्तुत किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 09 मार्च को 139 रेल मदद के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि गाड़ी संख्या 07092 की सीट संख्या 37 पर यात्रा कर रही ललिता देवी अचानक अचेत अवस्था में हो गई हैं। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन द्वारा तत्काल आवश्यक कार्रवाई की गई। गाड़ी के जबलपुर स्टेशन पर पहुंचने पर रेलवे चिकित्सक डॉ. संदीप द्वारा यात्री की तत्काल स्वास्थ्य जांच की गई। जांच के दौरान उनका स्तर लगभग 40 पाया गया, जो अत्यंत गंभीर स्थिति को दर्शाता है। चिकित्सक द्वारा उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी गई। रेलवे प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए उप स्टेशन प्रबंधक बलवंत के माध्यम से एंबुलेंस की व्यवस्था कराई और महिला यात्री को उनके पुत्र अमलेश के साथ उपचार हेतु ओमेगा हॉस्पिटल भेजा गया, जहां उनका उपचार प्रारंभ किया गया।

विद्यार्थियों को मिलेंगी उचित मूल्य पर किताबें 25 मार्च से आयोजित होगा पुस्तक मेला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिला प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले पुस्तक मेले का आयोजन इस वर्ष भी किया जा रहा है। पुस्तक मेले के माध्यम से विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं आम नागरिकों को पाठ्यपुस्तकें, गणवेश, स्टेशनरी तथा अन्य शैक्षणिक सामग्री एक ही स्थान पर प्रतिस्पर्धात्मक एवं उचित मूल्य पर आसानी से उपलब्ध हो जाती है, जिससे समय और आर्थिक संसाधनों दोनों की बचत होती है। इसी उद्देश्य से पुस्तक मेला 2026 का आयोजन दिनांक 25 मार्च से 05 अप्रैल तक शहीद स्मारक, गोल बाजार जबलपुर में किया जाएगा। पुस्तक मेले के सफल आयोजन एवं व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मेला प्रभारी अभिषेक गेहलोत, अपर कलेक्टर शहर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा की गई। बैठक के दौरान मेले की तैयारियों, व्यवस्थाओं तथा विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए श्री गहलोत ने कहा कि यह पुस्तक मेला विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए अत्यंत उपयोगी पहल है।

विश्व ग्लूकोमा दिवस पर जिनसार के विद्यार्थियों ने किया लोगों को जागरूक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

विश्व ग्लूकोमा दिवस के अवसर पर विगत दिवस जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज़ एंड रिसर्च (जिनसार) के विद्यार्थियों द्वारा मनमोहन नगर में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्लूकोमा के बारे में जागरूकता फैलाना तथा समय पर नेत्र परीक्षण के महत्व को समझाना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और ग्लूकोमा के कारणों, लक्षणों, बचाव एवं उपचार पर आधारित एक जानकारीपूर्ण नाटक (स्किट) प्रस्तुत किया। अपने प्रदर्शन के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह बताया कि ग्लूकोमा किस प्रकार धीरे-धीरे और बिना लक्षणों के दृष्टि को नुकसान पहुँचा सकता है तथा अंधत्व से बचने के लिए नियमित नेत्र जांच कितनी आवश्यक है। इस नाटक के माध्यम से नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का प्रभावी संदेश दिया गया और लोगों को नियमित नेत्र परीक्षण तथा समय पर उपचार कराने के लिए प्रेरित किया गया। दर्शकों ने विद्यार्थियों के सार्थक प्रदर्शन और ग्लूकोमा के प्रति जागरूकता फैलाने के उनके प्रयासों की सराहना की। यह कार्यक्रम जनता के बीच नेत्र स्वास्थ्य की सुरक्षा तथा ग्लूकोमा के कारण होने वाली दृष्टि हानि की रोकथाम के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने में सफल रहा। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. डॉ. प्रिंसी साजी (प्रभारी प्राचार्य) के मार्गदर्शन में तथा भानुप्रिया राजक और काजल साहू के समन्वय में संपन्न हुआ।

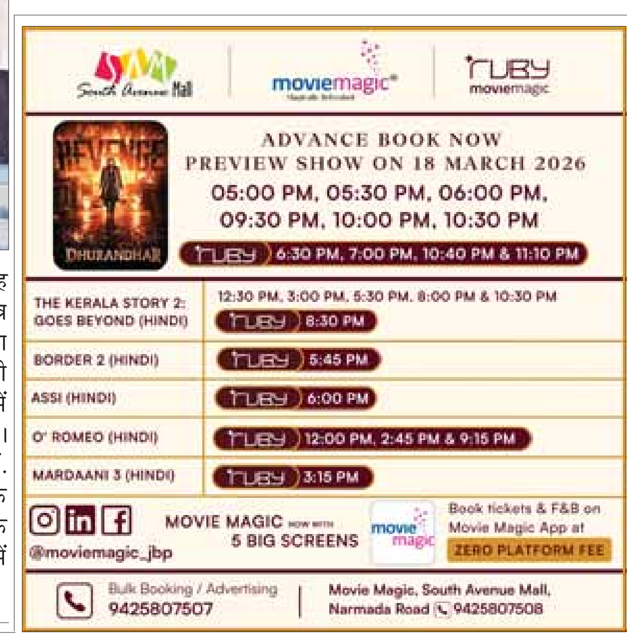

शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस का ब्रेकयान पटरी से उतरा, महिला यात्री घायल

नैनपुर के समीप हुआ हादसा, ट्रेन यातायात हुआ बाधित

जबलपुर/नैनपुर (स्वतंत्र मत)

सिवनी जिले में शुक्रवार, 13 मार्च को एक रेल हादसा हो गया। यहां नैनपुर के समीप शहडोल से नागपुर की ओर जा रही ट्रेन का सबसे अंतिम हिस्सा यानी ब्रेकवान अचानक पटरी से उतर गया। यह घटना खेराजी स्टेशन के समीप घटित हुई जिसके बाद पूरे रेल खंड में हड़कंप मच गया। इस हादसे में एक महिला यात्री के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है, जिसे जिला अस्पताल ले जाया गया है। बताया जाता है कि ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग पर सामान्य गति से आगे बढ़ रही थी तभी अचानक आए जोरदार झटके के साथ ब्रेकयान के पहिए पटरी से नीचे उतर गए। इस अचानक हुई हलचल और तेज आवाज के कारण ट्रेन के भीतर सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया।

महिला के ऊपर गिरी अटैची- हादसे के दौरान कोच के भीतर सामान रखने वाली जगह से एक भारी अटैची अचानक नीचे गिर गई। यह अटैची सीधे एक महिला यात्री के ऊपर जा गिरी जिससे वह घायल हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञों की टीम, आरपीएफ और जीआरपी का बल तुरंत मौके पर पहुंच गया। घायल महिला को तत्काल अटेंड किया गया और स्थिति का जायजा लिया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार प्राथमिक जांच में इस दुर्घटना के पीछे तकनीकी कारणों की आशंका जताई जा रही है। हालांकि अभी वास्तविक कारणों की सटीक जानकारी के लिए विस्तृत तकनीकी परीक्षण किया जा रहा है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

रेल यातायात हुआ प्रभावित- ट्रेन के ब्रेक वैन के बेपटरी की घटना के बाद संबंधित रेल मार्ग पर यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया है। तकनीकी अमला युद्ध स्तर पर पटरी को दुरुस्त करने और बेपटरी हुए ब्रेकवान को वापस ट्रैक पर लाने के कार्य में जुट गया है। समाचार लिखे जाने तक इस रूट पर रेल आवाजाही रुकी हुई थी और ट्रैक की सुरक्षा सुनिश्चित होने के बाद ही ट्रेनों का संचालन सामान्य किया जाएगा।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**